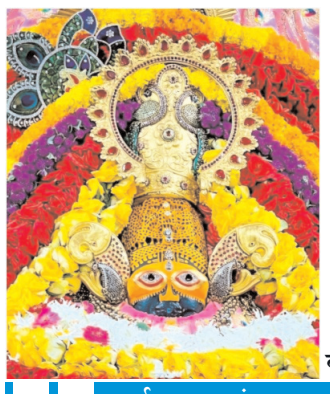


RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:252। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (सोमवार) 04 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

दिल्ली का विवेक विहार लाक्षागृह

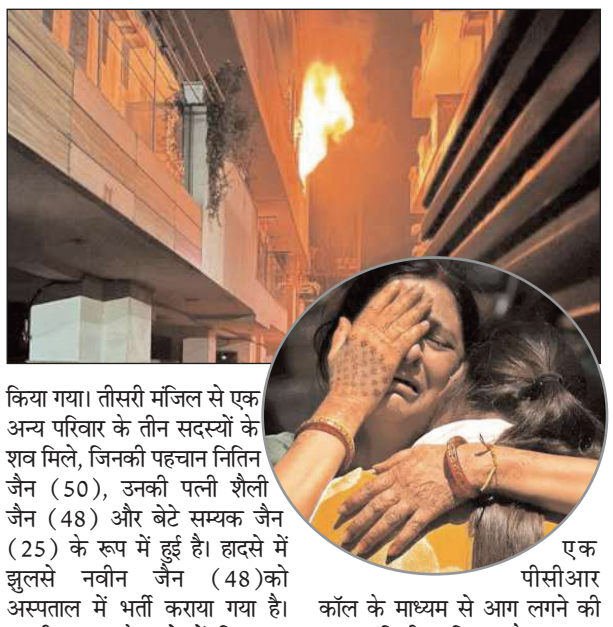
जलकर मरे 9 लोगों की पहचान

● इनमें एक परिवार के पांच सदस्य शामिल

● इनमें डेढ़ साल का बच्चा शामिल; 15 लोग बचाए गए

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विवेक विहार फेज-1 स्थित एक रिहायशी चारमंजिला इमारत में रविवार तड़के लगी आग में जान गंवाने वाले नौ लोगों की पहचान कर ली गई है। इस लाक्षागृह में एक ही परिवार के पांच सदस्य जिंदा जले हैं। पुलिस के अनुसार, दूसरी मंजिल पर पीछे वाले फ्लैट से एक परिवार के पांच लोगों के शव मिले। मृतकों की पहचान अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी अनीता जैन (58), बेटे निशांत जैन (35), बहू आंचल जैन (33) और डेढ़ वर्षीय पोता मास्टर आकाश जैन के रूप में हुई है। पहली मंजिल से शिखा जैन (45) का शव बरामद किया गया। तीसरी मंजिल से एक अन्य परिवार के तीन सदस्यों के शव मिले, जिनकी पहचान नितिन जैन (50), उनकी पत्नी शैली जैन (48) और बेटे सम्यक जैन (25) के रूप में हुई है। हादसे में झुलसे नवीन जैन (48)को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत के बारे में फिलहाल विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। पुलिस के अनुसार, तड़के करीब 3:48 बजे विवेक विहार थाना को



एक पीसीआर कॉल के माध्यम से आग लगने की सूचना मिली। पुलिस और दमकल विभाग के अलावा अन्य टीमें तत्काल घटनास्थल (विवेक विहार फेज-1 स्थित मकान नंबर बी-13) पर पहुंचे।दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर ऊंची लपटें उठ रही थीं। दमकलकर्मियों और पुलिस ने संयुक्त राहत एवं बचाव अभियान चलाते हुए आग में फंसे करीब 10-15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

विवेक विहार अग्निकांडः नौ लोगों की मौत पर केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने जताया शोक

नई दिल्ली। दिल्ली के विवेक विहार इलाके में रविवार तड़के एक चार मंजिला रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने से नौ लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने गहरा दुख व्यक्त किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, 'दिल्ली के विवेक विहार में हुए भीषण अग्निकांड में जानमाल की हानि से मैं अत्यंत व्यथित हूं। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। साथ ही, मैं इस हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' वहीं, केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने जानकारी दी कि हादसे में मामूली रूप से घायल लोगों का इलाज जारी है।

बच सकती थीं नौ जानें, एसी फटने के बाद सभी भागे थे छत की तरफ

तीन की लाश तो सीढ़ी पर जली मिली

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार इलाके में रविवार तड़के एक भीषण अग्निकांड ने चार मंजिला रिहायशी इमारत को चंद मिनटों में आग के गोले में तब्दील कर दिया। हादसे के वक्त ज्यादातर लोग गहरी नींद में थे, जिससे उन्हें संभलने और बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल सका। देखते ही देखते पूरी इमारत धुएं और आग की लपटों से घिर गई। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर राहत और बचाव कार्य शुरू किया, लेकिन आग की भयावहता के आगे प्रयास नाकाफी साबित हुए।

● लॉक थी सीढ़ियां, वहीं फंस गए

सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक काफी देर हो गई थी। इस बीच नौ जिंदगियां इस आग की भेंट चढ़ चुकी थीं। चश्मदीदों ने बताया कि तीन लोगों के शव सीढ़ियों पर जले हुए पाए गए। बताया जा रहा है कि आग में फंसे लोगों ने भाग कर सीढ़ियों के जरिए इमारत की छत पर दाखिल होने का प्रयास किया, लेकिन जैसे ही यह लोग छत पर बने दरवाजे तक पहुंचे, सीढ़ियां लॉक होने के कारण यह लोग वहीं फंस गए। आग उपर तक फैल गई और दरवाजा लॉक होने के कारण तीन लोग सीढ़ियों के दरवाजे पर ही मारे गए। अगर समय रहते दरवाजा खुल जाता तो शायद यह लोग जिंदा होते।

● पूरी बिल्डिंग में नहीं थी बिजली

स्थानीय लोगों ने बताया कि बिल्डिंग में आग की वजह से बिजली नहीं थी, पूरी बिल्डिंग में चारों तरफ अंधेरा था। लोगों के चीखने और बचाओ-बचाओ की



आवाजें सुनाई दे रहीं थी। धुंआ, इतना ज्यादा था कि फंसे लोगों की आंखों में जलन व दम घुट रहा था। चारों तरफ दहशत का माहौल था। लोगों को अपनी मौत साफ नजर आ रही थी। जान बचाने के लिए सब इधर उधर भागे लेकिन धुंऐ के कारण लोगों का दम घुट गया। जिसके बाद आग ने लोगों को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया और नौ लोगों की जलकर मौत हो गई। वहीं एक दर्जन से ज्यादा लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

अंकलेश्वर का 'खूनी' गठबंधनः खाकी की गोद में माफिया, क्या शहर में बिछेंगी लाशें?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंकलेश्वर। गुजरात में शराबबंदी? मजाक है! कानून का राज? झूठ है! अंकलेश्वर की सड़कों पर आज संविधान नहीं, बल्कि माफिया 'विजय' का काला कानून चल रहा है। और सबसे शर्मनाक बात ये है कि इस काले साम्राज्य का चौकीदार कोई और नहीं, बल्कि वर्दी को कलंकित करने वाले वो अधिकारी हैं जिन्हें जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी।



चोटा बाजारः जहाँ पुलिस की 'वर्दी' गिरवी रखी है

रेलवे स्टेशन के बगल में बसा चोटा बाजार अब अंकलेश्वर का 'कैंसर' बन चुका है। यहाँ कानून की धज्जियां उड़ती नहीं, कुचली जाती हैं। 'विजय' नाम का यह माफिया यहाँ का अघोषित सुल्तान बना बैठा है। वरली मटका, आसरा और सट्टे का यह जाल सिर्फ अंकलेश्वर तक सीमित नहीं है, बल्कि वापी, वलसाड और सूरत से आने वाली 'बर्बादी' की भीड़ यहाँ अपना घर लुटा रही है।

विश्वासघात का खौफनाक खेलः मुखबिरों की 'सुपारी' दे रही पुलिस!

महानगर मेट्रो के इस स्टिंग ऑपरेशन में जो सच सामने आया है, उसे सुनकर किसी भी सभ्य इंसान का खून खौल उठेगा। स्थानीय पुलिस और LCB के अधिकारियों ने भ्रष्टाचार की सारी हदें पार कर दी हैं:

गद्दार खाकी: जागरूक नागरिक जब पुलिस को अवैध अड्डों की सूचना देते हैं, तो रेड मारने के बजाय ये अधिकारी मुखबिर का नंबर सीधे माफिया 'विजय' को दे देते हैं। यानी पुलिस अब अपराधियों के लिए 'इंफोर्मर' का काम कर रही है!

'सेटिंग' की चाय वाली रेडः LCB की टीमें आती हैं, माफिया की खातिरदारी स्वीकार करती हैं, और 'सब ठीक है' का लिफाफा लेकर लौट जाती हैं। क्या यह पुलिसिंग है या अपराधियों के साथ पार्टनरशिप?

महानगर मेट्रो का तीखा प्रहारः PI चावड़ा और वाला का 'मौन'

जब हमारे संवाददाताओं ने ए-डिवीजन PI चावड़ा और LCB PI वाला से जवाब मांगा, तो उन्होंने सवालों का सामना करने के बजाय 'महानगर मेट्रो' का नंबर ही ब्लॉक कर दिया।

साहब! नंबर ब्लॉक कर दोगे, लेकिन जनता की आवाज कैसे दबाओगे?

PI चावड़ा के संरक्षण में चल रहा केमिकल युक्त जहरीली शराब का धंधा किसी बड़े लट्ठाकांड की आहट है। क्या ये अधिकारी चाहते हैं कि अंकलेश्वर की सड़कों पर बेगुनाहों के जनाजे उठें?

जैन शासन के खिलाफ 'अपनों' की ही गहरी साजिश का पर्दाफाश!

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव

हनीट्रैप और फर्जी पत्रकारों के सिंडिकेट ने शुरू किया संतों को बदनाम करने का 'गंदा खेल'

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद/मुंबई। हिंसा और संयम के स्तंभ जैन धर्म पर आज बाहरी खतरों से ज्यादा आंतरिक 'दीमक' का हमला तेज हो गया है। जैसे-जैसे जैन समुदाय के गच्छाधिपति और संत भगवंत शासन की प्रभावना को विश्व स्तर पर ले जा रहे हैं, वैसे-वैसे समाज के भीतर छिपे कुछ स्वयंभू रक्षक और अपराधी प्रवृत्ति के लोग उन्हें बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। महानगर मेट्रो की विशेष जांच में एक ऐसे गिरोह का खुलासा हुआ है जो चंद रुपयों और झूठे वर्चस्व के लिए पूरे जैन संघ को दांव पर लगा रहा है।

जगत पारेखः 'रक्षक' का मुखौटा पहने 'बहिष्कृत' अपराधी इस पूरे खेल का सबसे चर्चित नाम जगत पारेख है। खुद को जैन माहासंघ का उप-प्रमुख बताकर रसूख झाड़ने वाले इस व्यक्ति का सच बेहद डरावना है। सूत्रों के अनुसार, इसकी संदिग्ध और अनैतिक गतिविधियों के कारण जैन संघ इसे बहुत पहले ही निष्कासित कर चुका है। पारेख पर न केवल धोखाधड़ी के कई मुकदमे दर्ज हैं, बल्कि अहमदाबाद क्राइम ब्रांच भी इसकी धरपकड़ कर चुकी है। सवाल यह उठता है कि जिस व्यक्ति का अपना दामन दागदार है, वह पूज्य संतों पर उंगली उठाने की हिम्मत कैसे कर सकता है?

हनीट्रैप और फर्जी पत्रकारिता का 'कॉम्बिनेशन'

साजिश का जाल केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है। इसमें कल्पेश सिंघवी, विक्रम बाफना और कथित पत्रकार हार्दिक हुडिया जैसे चेहरों की एक पूरी चेन जुड़ी हुई है। इनका 'मोडस ऑपेरंडी' (काम करने का तरीका) बेहद घिनौना है:

1.षड्यंत्रः प्रभावशाली संतों को टारगेट करना जो समाज में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

2.हनीट्रैपः फर्जी महिलाओं और जाली वीडियो के जरिए संतों को फंसाने की कोशिश करना।

3.ब्लैकमेलिंगः फर्जी पत्रकारों की फौज खड़ी कर समाज में बदनामी का डर फैलाना और मोटी रकम की उगाही करना।

समाज को 'अल्पसंख्यक' बनाने की अंदरूनी लड़ाई

आज जब जैन समुदाय पहले से ही संख्या बल में कम (अल्पसंख्यक) है, तब समुदायवाद की यह लड़ाई समाज की जड़ों को खोखला कर रही है। ये लोग जैन शासन की रक्षा की बात तो करते हैं, लेकिन असल में वे संतों की छवि खराब कर आम श्रावकों का विश्वास धर्म से उठा रहे हैं। पैसा लेकर और जैन संघों में अपना अवैध प्रभाव दिखाने के लिए किया गया यह कृत्य न केवल पाप है, बल्कि समाज के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात है।

महानगर मेट्रो का संकल्पः जारी रहेगा पर्दाफाश

महानगर मेट्रो न्यूज़ उन सभी चेहरों को बेनकाब करने के लिए प्रतिबद्ध है जो धर्म की आड़ में अपना धंधा चला रहे हैं। यह तो सिर्फ शुरुआत है। हमारे पास उन लोगों की पूरी सूची और सबूत मौजूद हैं जिन्होंने पैसा लेकर जैन समुदाय की साख बेचने का सौदा किया है।

'जो खुद कांच के घरों में रहते हैं, उन्हें दूसरों के चरित्र पर पत्थर फेंकने से पहले अपने अतीत के दाग देख लेने चाहिए। जैन शासन सत्य पर टिका है, और सत्य कभी पराजित नहीं होगा।'

संपादकीय चेतावनीः यह रिपोर्ट प्राप्त साक्ष्यों और सूत्रों के दावों पर आधारित है। महानगर मेट्रो समाज को सतर्क करना चाहता है कि वे ऐसे गिरोहों के बहकावे में न आएं और अपने धर्म व संतों की गरिमा की रक्षा करें।



बलिया में गंगा स्नान के दौरान 4 लोग डूबे

मुख्यमंत्री योगी ने लिया घटना पर संज्ञान

एजेंसी

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया में गंगा नदी में नहाते समय 4 लोग डूब गए, जबकि दो लोगों को नाविकों ने बचा लिया है। पुलिस चारों लापता लोगों को मछुवारों की मदद से खोजने का प्रयास कर रही है। इस घटना पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है और अधिकारियों को जल्द से जल्द लापता लोगों को ढूंढने के निर्देश दिए हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, बलिया जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र के श्रीरामपुर घाट पर हादसा हुआ है। रविवार को मुंडन संस्कार के लिए लोग पहुंचे हुए थे। गंगा नदी के नहाते समय 6 युवक और युवती अचानक पानी में डूब गए। इससे घाट पर अफरातफरी मच गई। आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और गोताखोरों की टीम को



भी बुलाया गया। हालांकि, तब तक कुछ नाविकों ने नदी में डूबे एक युवक और एक युवती को बचा लिया। हालांकि, 4 लोगों को कोई पता नहीं चल पाया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कुछ युवक और युवतियां गंगा नदी में नहा रहे थे। इसी दौरान एक का पैर फिसल गया और वो डूबने लगे। उसी को बचाने में तीन और भी डूब गए। मछुवारों और गोताखोरों की मदद से उनकी तलाश की जा रही है। वहीं, मुख्यमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी कि बलिया के श्रीरामपुर घाट में 6 लोगों के डूबने की घटना पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। सीएम कार्यालय के अनुसार, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को लापता लोगों को जल्द से जल्द ढूंढने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दिल्ली में कई वरिष्ठ एवं केन्द्रीय मंत्रियों से की मुलाकात

राज्य के समग्र विकास पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में संभावित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सक्रियता राज्य की सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली तक पहुंच गई है। रविवार को मुख्यमंत्री ने दिल्ली में कई केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर राज्य के विकास, समन्वय और राजनीतिक रणनीति से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने मीडिया को बताया कि उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इस दौरान 'विकसित बिहार' के विजन को लेकर विस्तृत बातचीत हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षा मंत्री के अनुभव और मार्गदर्शन से राज्य के विकास को नई दिशा मिल सकती है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी मुलाकात हुई। इस बैठक में 'विकसित भारत, समृद्ध बिहार' के लक्ष्य को लेकर सकारात्मक और परिणामोन्मुखी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी से



शिष्टाचार मुलाकात की। बैठक में बिहार में रेल अवसंरचना को सुदृढ़ करने, कनेक्टिविटी बढ़ाने और विकास परियोजनाओं को गति देने जैसे मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई। उन्होंने भरोसा जताया कि केंद्र के सहयोग से राज्य में रेल नेटवर्क का तेजी से विस्तार होगा।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) से भी मुलाकात की। इस दौरान बिहार से जुड़े विभिन्न विकासात्मक विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ और राज्य के समग्र विकास के लिए बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया। इसी क्रम में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय से भी मुख्यमंत्री की भी शिष्टाचार भेंट की। इसके अलावा भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं बिहार प्रभारी विनोद तावड़े से भी उन्होंने मुलाकात कर संगठनात्मक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ये सभी मुलाकातें बिहार में संभावित कैबिनेट विस्तार से पहले राजनीतिक समीकरणों को साधने और केंद्र-राज्य समन्वय को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम हैं। इन बैठकों से यह संकेत मिल रहे हैं कि राज्य में जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं, साथ ही विकास परियोजनाओं को भी नई गति मिलने की संभावना है।

'विपक्ष भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद पर हमला कर रहा'

किरने रिजिजू बोले- जनता देगी करारा जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की राजनीति में इस समय भारी घमासान मचा हुआ है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्षी दलों पर बहुत गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि विपक्ष देश की अहम संस्थाओं को निशाना बना रहा है और यह सीधे तौर पर भारतीय लोकतंत्र पर हमला है। रिजिजू का यह सख्त बयान ऐसे समय में आया है, जब पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने भारी गड़बड़ियों के चलते कई जगहों पर फिर से वोटिंग कराने का बड़ा फैसला लिया है।

बंगाल चुनाव को लेकर भाजपा और टीएमसी के बीच पहले से ही भारी तनातनी



चल रही है। किरेन रिजिजू ने साफ शब्दों में कहा है कि विपक्ष ने हर उस लोकतांत्रिक संस्था पर सवाल उठाए हैं, जिन पर देश का भरोसा टिका है। रिजिजू ने विपक्ष को चेतावनी दी है कि भारत की आम जनता यह सब देख रही है और वह समय आने पर उन्हें इसका करारा जवाब जरूर देगी। वहीं, बंगाल में चल रहे मतदान के दौरान हुई अप्रिय घटनाओं ने इस राजनीतिक विवाद को और ज्यादा गरमा दिया है। चुनाव आयोग के कड़े फैसलों और भाजपा नेताओं की लगातार शिकायतों के बाद वहां का माहौल पूरी तरह से आक्रामक हो गया है।

विपक्ष पर किरेन रिजिजू ने क्यों साधा निशाना?

रिजिजू ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि सभी विपक्षी दलों ने सरकारी एजेंसियों, ईवीएम, चुनाव आयोग और मीडिया पर लगातार हमला किया है। उनका कहना है कि अब विपक्षी दल देश की सर्वोच्च न्यायपालिका को भी अपना निशाना बना रहे हैं। रिजिजू ने कड़े शब्दों में कहा कि विपक्ष को यह एहसास ही नहीं है कि वे ऐसा करके सीधे भारतीय लोकतंत्र के मूल आधार पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत के लोग सही वक्त का इंतजार कर रहे हैं और वे जल्द ही विपक्ष को जिंदगी भर याद रहने वाला सबक सिखाएंगे।

देवभूमि में चला 'बाबा' का बुलडोजरः द्वारका में मेगा डिमोलिशन, करोड़ों की सरकारी जमीन मुक्त



महानगर मेट्रो ब्यूरो

द्वारका. देवभूमि द्वारका में अवैध निर्माण और अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ प्रशासन ने अपनी 'लाल आंखें' दिखा दी हैं। धर्मनगरी द्वारका और इसके तटीय इलाकों में पिछले 48 घंटों से चल रही महा-डिमोलिशन ड्राइव ने भू-माफियाओं के बीच हड़कंप मचा दिया है। एसडीएम अमोल आवटे के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई में सरकारी जमीनों पर हुए अवैध कब्जों को जमींदोज कर दिया गया। दहशत में अतिक्रमणकारीः हाईवे से तट तक सफाई यह बड़ी कार्रवाई 30 अप्रैल और 1 मई को द्वारका-ओखा हाईवे से लेकर मीठापुर तक के इलाकों में की गई। प्रशासनिक अमले ने भारी पुलिस बंदोबस्त के साथ बुलडोजर लेकर अवैध ठिकानों पर धावा बोला। ताजा कार्रवाईः केवल दो दिनों के भीतर प्रशासन ने 4.44 करोड़ रुपये की बाजार कीमत वाली सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया है। कुल उपलब्धिः स्ष्ठरूअमोल आवटे की अगुवाई में अब तक विभिन्न चरणों में कुल 325 करोड़ रुपये की बेकीमती जमीन को अवैध चंगुल से छुड़ाया जा चुका है। धार्मिक अतिक्रमण पर भी चला पंजा प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी जमीन पर कोई भी निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस ड्राइव के दौरान उन अवैध धार्मिक ढांचों और निर्माणों को भी ढहा दिया गया, जो बिना अनुमति के सरकारी संपत्तियों पर खड़े किए गए थे। द्वारका की गरिमा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तटीय क्षेत्रों को पूरी तरह साफ करने का लक्ष्य रखा गया है।एसडीएम अमोल आवटे का सख्त संदेश कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे एसडीएम अमोल आवटे ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि सरकारी संपत्तियों पर कब्जा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

हाईकोर्ट की ऐतिहासिक हुंकारः सरकार की आलोचना 'अपराध' नहीं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रयागराज। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतंत्र के बुनियादी अधिकारों को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि सरकार की आलोचना करना या किसी विशेष राजनीतिक विचारधारा के विरुद्ध अपनी राय रखना कतई अपराध नहीं है। कोर्ट की यह टिप्पणी उन मामलों में एक बड़ी नजीर बनेगी जहाँ सोशल मीडिया पोस्ट या विरोध प्रदर्शनों के आधार पर नागरिकों पर मुकदमे दर्ज किए जाते हैं।

क्या है कोर्ट का निर्देश?

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि भारत एक जीवंत लोकतंत्र है, जहाँ हर नागरिक को असहमति जताने का अधिकार है।

ज अधिकार बनाम अपराधः कोर्ट ने साफ किया कि जब तक कोई बयान हिंसा नहीं भड़काता या सार्वजनिक व्यवस्था को भंग नहीं करता, तब तक सरकार की नीतियों की निंदा करना दंडनीय अपराध नहीं माना जा सकता।

• **पुलिस को नसीहतः** अदालत ने पुलिस प्रशासन को भी आगाह किया कि वे केवल राजनीतिक दबाव या सत्ता की नाराजगी के कारण नागरिकों पर एफआईआर दर्ज न करें।

विचारधारा की स्वतंत्रता पर जोर

न्यायाधीशों ने अपने आदेश में कहा कि किसी एक विचारधारा से सहमत न होना या उसके विपरीत विचार रखना व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा है।

1.**लोकतंत्र का आधारः** असहमति ही लोकतंत्र की आत्मा है। यदि आलोचना की आवाज़ों को दबा दिया जाएगा, तो लोकतंत्र तानाशाही में बदल जाएगा।

2.**संविधान की रक्षाः** कोर्ट ने अनुच्छेद 19(1) का हवाला देते हुए कहा कि बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी को 'सरकार के डर' से बाधित नहीं किया जा सकता। बढ़ते मुकदमों पर लगाम? पिछले कुछ समय से देखा गया है कि सोशल मीडिया पर सरकार की आलोचना करने पर कई लोगों के खिलाफ आपराधिक धाराएं लगा दी जाती हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट का यह रुख ऐसे मामलों में सुरक्षा कवच की तरह काम करेगा। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से उन कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी जो जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरते हैं। **महानगर मेट्रो विचार** इलाहाबाद हाईकोर्ट का यह फैसला उस समय आया है जब देश में 'अभिव्यक्ति की आजादी' के इंडेक्स पर बहस छिड़ी हुई है। कोर्ट ने यह याद दिलाया है कि सरकारें जनता की सेवा के लिए होती हैं और जनता को यह पूछने का पूरा हक है कि उसकी सेवा सही से हो रही है या नहीं। 'आलोचना लोकतंत्र का 'चेक एंड बैलेंस' है। इसे दबाना संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है।'
— इलाहाबाद हाईकोर्ट

आनंदनगर पुलिस स्टेशन इलाके में पुरानी रंजिश के चलते कत्ल, घटना CCTV में कैद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंदनगर। अहमदाबाद के आनंदनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को चुनौती देते हुए बदमाशों ने एक अधेड़ व्यक्ति की सरेआम हत्या कर दी। जीवराज ब्रिज के नीचे हुई इस खूनी वारदात से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने इस मामले में चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान नटु परमार के रूप में हुई है। नटु परमार जब आनंदनगर स्थित जीवराज ब्रिज के नीचे से गुजर रहे थे, तभी हमलावरों ने उन पर अचानक हमला बोल दिया। हमले की यह पूरी वारदात वहां लगे ष्टष्ठङ्घ कैमरों में कैद हो गई है, जिसमें आरोपी बेखौफ होकर वारदात को अंजाम देते नजर आ रहे हैं। पुत्र ने दर्ज कराई प्राथमिकी इस जघन्य हत्याकांड के संबंध में मृतक के पुत्र कौशिक परमार ने आनंदनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। अपनी शिकायत में उन्होंने चार मुख्य आरोपियों के नाम दिए हैंः 1.कनु उर्फ कांति उर्फ लेली 2.हसमुख 3.केतन धुळाजी 4.एक अन्य अज्ञात शख्स पुरानी रंजिश की आशंका प्रारंभिक जांच में पुलिस को अंदेशा है कि यह हत्या पुरानी रंजिश या आपसी विवाद का परिणाम हो सकती है। आनंदनगर पुलिस ने हत्या की धारा के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि CCTV फुटेज के आधार पर आरोपियों के भागने के रास्तों की पहचान की जा रही है और उन्हें पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं।

अदालत, न्याय और पहनावाः मर्यादा बनाम निजी स्वतंत्रता

मर्यादा या रूढ़िवादी मानसिकताः कपड़ों के तराजू में ही क्यों तौली जाती है महिलाओं की नैतिकता ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंदनगर पुलिस स्टेशन इलाके में पुरानी रंजिश के चलहाल ही में एक उच्च न्यायालय में हुई घटना ने देश भर में एक नई बहस छेड़ दी है। मामला एक युवती का है, जो जींस और टी-शर्ट पहनकर अदालत में पेश हुई थी। न्यायाधीशों द्वारा उनके पहनावे पर की गई टिप्पणी के बाद वह युवती अदालत से बाहर चली गई। यह घटना सवाल उठाती है कि क्या न्याय के मंदिर में 'इंसाफ' से ज्यादा 'इमेज' मायने रखती है?

क्या कोई लिखित नियम है?

भारतीय न्यायपालिका में न्यायाधीशों और वकीलों के लिए एक स्पष्ट ड्रेस कोड (काला कोट, बैंड) निर्धारित है। लेकिन, अदालत में आने वाले वादियों (Litigants) या आम जनता के लिए



ऐसा कोई लिखित कानून नहीं है।

* सवालः जब कानून में कोई पाबंदी नहीं है, तो क्या किसी को उनके कपड़ों के आधार पर टोकना उचित है?

* तर्कः यदि शरीर पूरी तरह ढका हुआ है, तो जींस-टीशर्ट किसी अन्य औपचारिक परिधान (Formal wear) से अलग कैसे हैं?

मर्यादा (ष्ठद्गष्प्रह्लह्वद्ब) या मानसिकता? अदालत का माहौल निश्चित रूप से औपचारिक होता है और वहां की गरिमा बनाए रखना हर नागरिक का कर्तव्य है। लेकिन 'डेकोरम' की परिभाषा क्या है?

1.**फैब्रिक बनाम शिष्टाचारः** जींस और टी-शर्ट आज के समाज का एक अभिन्न हिस्सा हैं। यह केवल कपड़े का एक प्रकार है। क्या केवल कपड़े बदलने से व्यक्ति की गंभीरता या अदालत के प्रति उसका सम्मान बदल जाता है?

2.**नैतिकता का पैमानाः** अक्सर महिलाओं के पहनावे को ही 'नैतिकता' और 'मर्यादा' के तराजू में तौला जाता है। समाज में पहले से ही महिलाओं के कपड़ों पर कई अलिखित नियम थोपे गए हैं। क्या अब अदालतें भी इसी सामाजिक रूढ़िवादिता को आगे बढ़ाएंगी?

स्पष्ट दिशानिर्देशों की आवश्यकता

अगर न्यायपालिका को लगता है कि अदालत परिसर में जींस-टीशर्ट पहनना 'अनुचित' है, तो इसके लिए स्पष्ट और लिखित दिशानिर्देश होने चाहिए। बिना किसी नियम के, केवल व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के आधार पर किसी को अपमानित करना उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन प्रतीत होता है।

महानगर विचार

संविधान हर नागरिक को अपनी पसंद के कपड़े पहनने और गरिमा के साथ जीने का अधिकार देता है। अदालत का काम कानून की व्याख्या करना और न्याय देना है। यदि पहनावा अश्लील नहीं है और शालीनता की श्रेणी में आता है, तो केवल 'जींस' होने के कारण उसे कठघरे में खड़ा करना आधुनिक न्याय प्रणाली की दूरदर्शिता पर सवाल उठाता है।

'न्याय कपड़ों को देखकर नहीं, तथ्यों को देखकर होना चाहिए। अगर समाज में जींस सर्वमान्य है, तो अदालत में वह 'अमर्यादित' कैसे हो गई? 'ते कत्ल, घटना CCTV में कैद

प्रेस की आजादीः गिरता ग्राफ, डूबती साख! क्या हम लोकतंत्र का चौथा स्तंभ खो रहे हैं?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हाल ही में 'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' द्वारा जारी 'वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स 2026' की रिपोर्ट ने भारतीय लोकतंत्र के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। 180 देशों की सूची में भारत का 157वें स्थान पर खिसक जाना सिर्फ एक नंबर नहीं, बल्कि हमारी अभिव्यक्ति की आजादी के वेंटिलेटर पर होने का सबूत है। तीन साल का उतार-चढ़ावः सुधार की उम्मीद पर फिरा पानी पिछले तीन वर्षों का ट्रेंड देखें तो तस्वीर साफ हो जाती है कि हम सुधार की दिशा में कितने कमजोर साबित हुए हैंः



• **2024:** 159वीं रैंक

• **2025:** 151वीं रैंक (एक हल्की उम्मीद जगी थी)

• 2026: 157वीं रैंक (फिर से वही ढलान)

पड़ोसियों से पिछड़ता 'विश्वगुरु'

सबसे ज्यादा हैरान और परेशान करने वाली बात यह है कि जिन पड़ोसी देशों की लोकतांत्रिक स्थिरता पर हम अक्सर सवाल उठाते हैं, वे भी प्रेस की आजादी के मामले में हमसे बेहतर स्थिति में नजर आ रहे हैं।

• **नेपाल (87):** हमसे कोसों आगे।

• **श्रीलंका (134):** गंभीर संकटों के बावजूद बेहतर।

• **बांग्लादेश (152) और पाकिस्तान (153):** ये देश भी भारत से ऊपर हैं।

जब हम प्रेस की आजादी में पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों से भी नीचे गिर जाते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय पटल पर हमारी 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के दावों की पोल खुल जाती है। दर्पण जब धुंधला हो जाए... प्रेस की आजादी केवल पत्रकारों की निजी समस्या नहीं है। यह उस 'दर्पण' की तरह है जिसमें लोकतंत्र अपना चेहरा देखता है। अगर पत्रकार सवाल पूछने से डरने लगे, अगर सच लिखने पर सलाखें या धमकियां मिलने लगें, तो समझ लीजिए कि लोकतंत्र की बुनियाद खोखली हो रही है। सवाल जो चुभेंगेः 1. क्या सत्ता के गलियारों में 'सवाल' अब 'अपराध' बन चुके हैं?2.क्या मीडिया अब केवल 'प्रचार' का साधन बनकर रह गया है?3.अगर हम अपने पड़ोसियों से भी पीछे हैं, तो क्या हम वाकई 'विश्वगुरु' बनने की राह पर हैं ?

हृदय स्पर्शः तुम्हारी खामोशी से तुम्हारी यादों तक बस तुम ही तुम!



महानगर मेट्रो ब्यूरो

पवन माकन (ग्रुप एडिटर)

मोहब्बत क्या है? क्या यह सिर्फ दो शब्दों का मिलन है या दो रूहों का एक अनकहा सफर? अक्सर हम प्यार को खुशियों और मुलाकातों में ढूंढते हैं, लेकिन असल मोहब्बत तो वह है जो इंसान की आवाज से शुरू होकर उसकी खामोशी में भी सुकून तलाश ले। आज के भागदौड़ भरे दौर में, जहाँ रिश्ते मतलब की बुनियाद पर टिके हैं, वहां 'निस्वार्थ प्रेम' की एक अनूठी परिभाषा इन पंक्तियों में सिमटी नज़र आती है। आवाज़ से खामोशी का सफर सच्चा प्रेम केवल मीठी बातों का मोहताज नहीं होता। जब आप किसी से प्रेम करते हैं, तो आपको उसकी चहकती हुई आवाज़ जितनी प्रिय लगती है, उतनी ही उसकी 'खामोशी' दिल को छू जाती है। वह मौन, जिसमें शब्द नहीं होते, पर एहसास गहरा होता है।

तकरार में भी छिपी है चाहत

रिश्तों में नोक-झोंक होना लाज़मी है। लेख की गहराई तब समझ आती है जब प्रेमी कहता है– 'मेरा गुस्सा होना और तुम्हारा मुझे मना लेना, इस अहसास से प्यार है मुझे।' यह मनाना ही तो वह धागा है जो टूटने की कगार पर खड़े रिश्ते को फिर से मज़बूती से बांध देता है। गुस्सा नफरत नहीं, बल्कि हक जताने का एक तरीका है।

जुदाई के आंसू भी हैं गवाह

अक्सर लोग मिलने की खुशी को तो प्यार मानते हैं, लेकिन बिछड़ने के गम से भागते हैं। पर गौर कीजिए– 'मिलने की खुशी से लेकर बिछड़ने के आंसुओं तक प्यार है मुझे।' यह पंक्ति दर्शाती है कि प्यार केवल सुख का साथी नहीं है। बिछड़ने पर गिरने वाला हर आंसू उस इंसान की अहमियत बयां करता है। वह दर्द भी प्यारा है, क्योंकि वह 'उसका' दिया हुआ है।

उपस्थिति से यादों तक का घेरा

जब वह शख्स पास हो, तो दुनिया हसीन लगती है, लेकिन जब वह दूर हो, तो उसकी 'यादें' ही जीने का सहारा बन जाती हैं। तुम्हारी यादों का वह साया, जो हर पल साथ रहता है, वही तो वफा की असली पहचान है।

महानगर मेट्रो विचारः अंततः, प्रेम किसी मापदंड का नाम नहीं है। यह तो एक समर्पण है जो कहता है– 'बस तुमसे ही प्रेम है मुझे।' चाहे हालात जो भी हों, दूरी कितनी भी हो, अगर दिल की धड़कन में एक ही नाम गूंजता रहे, तो समझ लीजिए कि आपने प्रेम के सर्वोच्च शिखर को छू लिया है।

'मोहब्बत वह नहीं जो दुनिया को दिखाई जाए, मोहब्बत वह है जो रूह में उतार ली जाए। '

रोज़गार के लिए खड़े ठेले 'अवैध', लेकिन चुनावी रैलियों के लिए पूरा शहर जाम–किसके लिए है कानून?



महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनकर अच्छे-अच्छे 'मास्टरमाइंड' दंग रह जाएं। यहाँ एक मामूली पद पर तैनात चपरासी ने अपनी 'लक्जरी लाइफ' और महिलाओं के शौक पूरे करने के लिए सरकारी खजाने में ऐसी सेंध लगाई कि विभाग को कानों-कान खबर तक नहीं हुई। 3 पत्नियों और कई प्रेमिकाओं के खर्चे उठाने के चक्कर में इस शख्स ने ?8 करोड़ का घोटाला कर डाला। कहने को वह एक साधारण चपरासी था, लेकिन उसकी जीवनशैली किसी बड़े अधिकारी से भी ऊपर थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस 'रंगीनमिजाज' चपरासी ने सरकारी पोर्टल पर फेक आईडी बनाई और कुल 98 ट्रांजैक्शन के जरिए ?8 करोड़ रुपये अपने मित्रों और रिश्तेदारों के खातों में ट्रांसफर कर दिए।

• **बीबियों पर मेहरबानीः** घोटाले की रकम का बड़ा हिस्सा उसने अपनी पत्नियों पर लुटाया। जांच में पता चला है कि लगभग ?1 करोड़ तो उसने अपनी एक ही पत्नी के नाम कर दिए थे।

• **आलीशान जिंदगीः** चपरासी ने अवैध कमाई से महंगे फ्लैट खरीदे और अपनी प्रेमिकाओं को शाही जिंदगी का अहसास कराया।

7 महिला साथी भी गिरफ्तार

पुलिस ने जब इस जालसाजी का पर्दाफाश किया, तो चौंकाने वाली कड़ियां जुड़ती गईं। इस घोटाले में केवल चपरासी ही शामिल नहीं था, बल्कि उसे सहयोग देने वाली 7 महिला साथियों को भी गिरफ्तार किया गया है। ये महिलाएं कथित तौर पर उसकी प्रेमिकाएं और इस पूरे खेल की राजदार थीं।

सिस्टम की खामी का उठाया फायदा

हैरानी की बात यह है कि एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कैसे इतने बड़े स्तर पर डिजिटल ट्रांजैक्शन करने में सफल रहा? उसने विभाग के आईडी-पासवर्ड की चोरी की और धीरे-धीरे करोड़ों रुपये पार कर दिए। जब ऑडिट में बड़ी विसंगतियां पाई गईं, तब जाकर इस 'हाई-प्रोफाइल' चपरासी का कच्चा चिट्ठा खुला। यह मामला प्रशासन की सुरक्षा प्रणाली पर एक बड़ा तमाचा है। जब एक चपरासी करोड़ों का वारा-न्यारा कर सकता है, तो सिस्टम की निगरानी पर सवाल उठना लाजिमी है।

सियासी घमासानः 'नारी वंदन' का मुखौटा उतरा, भाजपा के वार से गरमाई गुजरात की राजनीति!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। की राजनीति में उस वक्त उबाल आ गया जब भाजपा के प्रदेश नेतृत्व द्वारा कांग्रेस की महिला सांसद गेनीबेन ठाकोर पर कथित तौर पर अभद्र टिप्पणी की गई। इस घटना ने न केवल राजनीतिक मर्यादाओं को तार-तार किया है, बल्कि 'नारी शक्ति' और 'सशक्तिकरण' के नारों पर भी बड़े सवालिया निशान लगा दिए हैं। कांग्रेस ने इसे भाजपा की 'विकृत और महिला विरोधी' मानसिकता का प्रमाण बताया है।

'नारी वंदन' या नारी अपमान?

कांग्रेस ने बेहद आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा है कि भाजपा का 'नारी वंदन' केवल एक चुनावी जुमला और मुखौटा है। गेनीबेन ठाकोर, जो अपनी निडरता और जनता की आवाज बुलंद करने के लिए जानी जाती हैं, उन पर की गई टिप्पणी ने यह साफ कर दिया है कि भाजपा उन महिलाओं को बर्दाश्त नहीं कर पाती जो सत्ता की आंखों में आंखें डालकर सवाल पूछती हैं।

भाजपा की विचारधारा पर कड़ा प्रहार

पार्टी सूत्रों और विपक्ष का कहना है कि यह केवल एक बयान नहीं, बल्कि भाजपा की उस मनुवादी विचारधारा का असली चेहरा है, जो महिलाओं को बराबरी का अधिकार



देने के बजाय उन्हें अपमानित करने में विश्वास रखती है।

• **सवालः** क्या यही भाजपा का महिला सशक्तिकरण है?

• **आरोपः** जब भी कोई महिला नेता मजबूती से खड़ी होती है, भाजपा की भाषा और मर्यादा क्यों गिर जाती है?

प्रधानमंत्री के 'मौन' पर उठे सवाल

रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कहते हैं कि 'नारी सब भूल सकती है, पर अपना अपमान कभी नहीं भूलती ', वहीं दूसरी ओर उनकी ही पार्टी के जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग एक महिला सांसद का सार्वजनिक अपमान कर रहे हैं। कांग्रेस ने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री खुद संसद में महिला सांसदों के सवालों का सामना करने के बजाय मैदान छोड़कर भाग रहे हैं।

हिंदुस्तान की नारी देगी मुंहतोड़ जवाब

विपक्ष ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि भाजपा यह न भूले कि गुजरात सहित पूरे देश की महिलाएं इस अपमान को देख रही हैं। आने वाले समय में देश की आधी आबादी भाजपा के इस अहंकार और महिला-विरोधी रवैये का जवाब वोटों के जरिए देगी।

महानगर मेट्रो का नजरिया

लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन किसी महिला जनप्रतिनिधि के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग राजनीति के गिरते स्तर का परिचायक है। यदि भाजपा वास्तव में नारी वंदन की पक्षधर है, तो उसे अपने नेताओं की बेलगाम जुबान पर लगाम लगानी होगी।

अदालत का कड़ा रुखः पति 'नपुंसक' है तो सबूत कहां? बिना प्रमाण आरोपों पर हाईकोर्ट ने ठुकराई तलाक की अर्जी

पत्नी ने की थी 90 लाख रुपये के मुआवजे की मांग, कोर्ट ने कहा– 'महज आरोपों से क्रूरता साबित नहीं होती'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

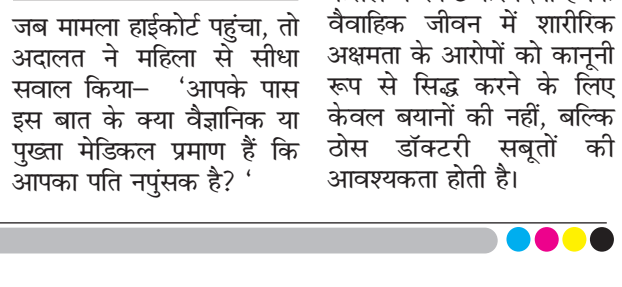
हाईकोर्ट ने हाल ही में वैवाहिक विवाद के एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए पत्नी द्वारा दायर तलाक की याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने साफ कहा कि अगर पत्नी अपने पति पर नपुंसकता या शारीरिक अक्षमता का आरोप लगाती है, तो उसे पुख्ता सबूत पेश करने होंगे। बिना मेडिकल सबूत के ऐसे गंभीर आरोप लगाना न केवल गलत है, बल्कि पति के प्रति मानसिक क्रूरता भी हो सकता है।

क्या था मामला?

दंपति की शादी दिसंबर 2013 में हुई थी। शादी के कुछ समय बाद पत्नी ने अदालत का दरवाजा खटखटाया और शादी रद्द करने के साथ-साथ 90 लाख रुपये के स्थायी गुजारा भत्त की मांग की। पत्नी का मुख्य आधार यह था कि उनका विवाह कभी 'पूर्ण' नहीं हुआ क्योंकि उसका पति 'इरेक्टाइल डिस्फंक्शन' से पीड़ित है।

हनीमून का जिक्र और बीमारी के दावे

महिला ने अदालत में दलील दी किः • वर्ष 2013 में केरल



और 2014 में कश्मीर के हनीमून ट्रिप के दौरान भी पति शारीरिक संबंध बनाने में असमर्थ रहा।

• पति ने अपनी बीमारी 'रुमेटोइड आर्थराइटिस' की बात छिपाई थी, जिसकी वजह से उसे शारीरिक अक्षमता हुई।

• महिला ने 2017 के एक मेडिकल डायग्नोसिस का हवाला देते हुए दावा किया कि पति वैवाहिक जीवन और संतानोत्पत्ति के लिए 'अयोग्य' है।

कोर्ट का तीखा सवालः 'सबूत कहां हैं?'

जब मामला हाईकोर्ट पहुंचा, तो अदालत ने महिला से सीधा सवाल किया– 'आपके पास इस बात के क्या वैज्ञानिक या पुख्ता मेडिकल प्रमाण हैं कि आपका पति नपुंसक है? '

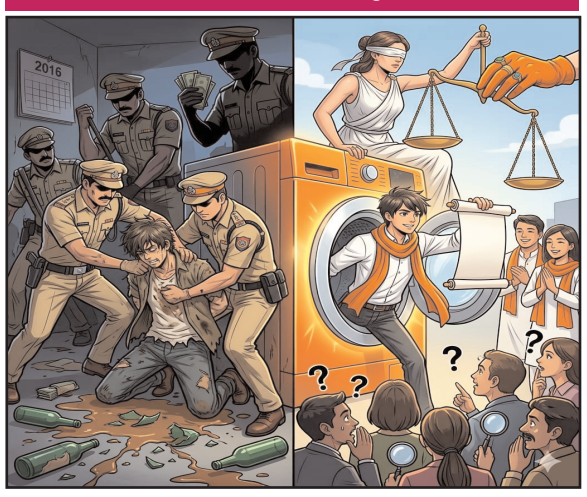
1.पत्नी द्वारा लगाए गए आरोपों की पुष्टि के लिए कोई ठोस मेडिकल रिपोर्ट पेश नहीं की गई।

2.पति ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया था।

3.कोर्ट ने माना कि बिना किसी विश्वसनीय साक्ष्य के ऐसे आरोप लगाना 'हिंदू विवाह अधिनियम, 1955' के तहत तलाक का आधार नहीं बन सकते, खासकर जब क्रूरता सिद्ध न हो। **फैसलाः** याचिका खारिज अदालत ने महिला की बातों को अपर्याप्त मानते हुए केस को फाल कर दिया। इस फैसले ने स्पष्ट कर दिया है कि वैवाहिक जीवन में शारीरिक अक्षमता के आरोपों को कानूनी रूप से सिद्ध करने के लिए केवल बयानों की नहीं, बल्कि ठोस डॉक्टरी सबूतों की आवश्यकता होती है।

'खाकी' का खेल या 'सत्ता' का मेल? अर्जुन मोढवाडिया के बेटे को क्लीन चिट पर सुलगते सवाल!

गजब है ये सिस्टमः 2016 में पकड़ी गई थी शराब की महफिल, तो 2026 में सब 'दूध के धुले' कैसे निकले? क्या बीजेपी में आते ही धुल गए सारे पाप ?



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबादः गुजरात में न्याय का तराजू किस ओर झुकता है, इसका एक ज्वलंत उदाहरण आज सबके सामने है । वर्ष 2016 का सैटेलाइट इलाके का वो बहुचर्चित शराब महफिल केस, जिसमें दिग्गज नेता अर्जुन मोढवाडिया के पुत्र पार्थ मोढवाडिया सहित कई रईसजादे पुलिस के शिकंजे में आए थे, उसमें अब कोर्ट का फैसला आ गया है। कोर्ट ने पार्थ मोढवाडिया को निर्दोष घोषित कर दिया है। इस फैसले के बाद जनता के बीच सिर्फ एक ही चर्चा है– 'सब गोलमाल है भाई, सब गोलमाल है! '

पुलिस का गजब खेलः आखिर शराब किसकी थी?

याद कीजिए साल 2016 की वो रात, जब सैटेलाइट के एक पॉश फ्लैट में पुलिस ने छापेमारी की थी। तब पुलिस ने छाती ठोककर दावा किया था कि यहाँ शराब की महफिल जमी थी और भारी मात्रा में शराब बरामद की गई थी। अब सवाल यह उठता है कि यदि आज आरोपी निर्दोष हैं, तो क्या पुलिस वह शराब अपने घर से लाई थी? या फिर वह शराब हवा में गायब हो गई? अगर वहां महफिल नहीं जमी थी, तो क्या वे सब वहां 'भजन-कीर्तन' करने के लिए इकट्ठा हुए थे?

केसरिया रंग चढ़ते ही क्या फाइलें बदल गईं?

गलियारों में चर्चा गर्म है कि जब यह केस दर्ज हुआ था, तब अर्जुन मोढवाडिया कांग्रेस के कद्दावर नेता थे और सरकार पर तीखे हमले करते थे। लेकिन आज मंजर बदल चुका है; मोढवाडिया अब भाजपा के 'माननीय' मंत्री हैं। क्या यह महज एक संयोग है कि जैसे ही कंधे पर केसरिया दुपट्टा आया, सालों पुराने दाग धुल गए ? सत्ता बदलने के साथ ही जांच की दिशा और गवाहों की याददाश्त भी बदल जाती है, यह अब जगजाहिर हो चुका है।

PSI पर 4 लाख की उगाही का आरोप और पूरा स्वांग

इस केस में एक नया मोड़ यह दिया गया कि तत्कालीन पीएसआई ने 4 लाख रुपये की उगाही (तोड़) करने के लिए यह झूठा केस बनाया था। अब अगर पुलिस ही वसूली के लिए केस रचती है, तो जनता किस पर भरोसा करे? और यदि केस झूठा था, तो इसे इतने सालों तक क्यों खींचा गया? इस पूरे खेल के पीछे 'ऊपर' बैठे आकाओं के इशारों की बू आ रही है।

महानगर मेट्रो के कड़े सवालः

अगर आरोपी निर्दोष हैं, तो जिन पुलिस अधिकारियों ने शराब पकड़ने का दावा किया था, उन पर क्या कार्रवाई होगी?

क्या गुजरात में कानून सिर्फ आम जनता के लिए है? नेताओं के बेटों के सामने पुलिस और सबूत इतने लाचार क्यों हो जाते हैं?

क्या भाजपा में शामिल होना 'वॉशिंग मशीन' की तरह आपराधिक इतिहास को मिटाने की गारंटी है?

अंतिम प्रहारः 'न्याय की मूर्ति की आंखों पर पट्टी है, यह तो पता था, लेकिन यहाँ तो जांच करने वालों की नीयत पर भी पट्टी बंधी हुई लगती है। जनता सब देख रही है और सही समय पर इस 'गोलमाल' का जवाब भी देगी। '

संपादकीयः सत्ता की चापलूसी में जब न्याय का गला घोंटा जाता है, तब लोकतंत्र खतरे में पड़ता है। 'महानगर मेट्रो' सत्य लिखता रहेगा और सत्ता के दम पर गुनाह छुपाने वालों को बेनकाब करता रहेगा।

खतरे में 'चौथा स्तंभ': 2025 में 9 पत्रकारों की हत्या, 33 पर हुए जानलेवा हमले; आईंरा प्रदेश अध्यक्ष ने जताई चिंता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. छत्तीसगढ़ पत्रकारों के अंतरराष्ट्रीय संगठन आईंरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने विश्व प्रेस दिवस के अवसर पर सभी पत्रकारों को बधाई एवं शुभकामनाएं दिया है उन्होंने कहा कि पत्रकारों को अपनी कलम पर धार बनाए रखना होगा साथ ही कहा कि पत्रकारों को हमेशा चौकन्ना रहना चाहिए पत्रकारों के कलम में ताकत होनी चाहिए पत्रकार के कलम और केमरे में वह ताकत होती है कि वह कातिल का सीना चीर सकता है पत्रकारों पर बढ़ते हमले बेहद दुखद घटना हैआगे उन्होंने कहा कि भारत में वर्ष 2025 के दौरान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर बड़े पैमाने पर हमले सामने आए हैं फ्री स्पीच कलेक्टिव एफएससी की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक साल भर में देश भर में करीब 15000 मामले मामले फ्री स्पीच उल्लंघन दर्ज किए गए हैं इस रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में कुल 40 मामले दर्ज हुए जिनमें से 33 पत्रकार पर जानलेवा हमला हुआ है 9 पत्रकारों को मौत के घाट उतार दिए गए उत्पीड़न के 19 मामले में से 14 और धमकियों की 17 मामले में से 12 सीधे तौर पर पत्रकारों के पेशेवर काम से जुड़े हुए थे एफएससी ने छत्तीसगढ़ के बस्तर में पत्रकार मुकेश चंद्राकर और उत्तराखंड में यूट्यूब न्यूज़ क्रिएटर राजीव प्रताप की मौत का विशेष उल्लेख किया है इसी तरह इस वर्ष भारत में पहले हत्या आंध्र प्रदेश के चित्तूर में एबीएन न्यूज़ चैनल से जुड़े पत्रकार जगनमोहन रेड्डी की अपराधीक तत्वों ने चाकू से गोद कर हत्या कर दिया और यह बेहद आश्चर्य की बात है कि यह मुख्यमंत्री का निर्वाचन जिला है राजद्रोह और अपराधिक मामले का बढ़ता इस्तेमाल पत्रकारों के लिए बेहद खतरे की घड़ी है संगठित माफिया अपराधीक गठबंधन में संलग्न लोग कुछ भ्रष्ट पुलिस कर्मियों के साथ पत्रकारों को लगातार निशाना बना रहे हैं उम्मीद किया जाना चाहिए

3 करोड़ का ऑफर और 150 पुलिसकर्मियों का पहराः कोडीनार में कांग्रेस पार्षदों को झुकाने के लिए दीनू बोघा का 'पावर गेम'!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोडीनार। गुजरात के कोडीनार में चुनावी नतीजे आने के बाद से ही सियासी पारा सातवें आसमान पर है। पूरे जिले में जहाँ भाजपा का दबदबा रहा, वहीं कोडीनार तालुका पंचायत में कांग्रेस ने जीत हासिल कर भाजपा के विजय रथ को रोक दिया। लेकिन अब इस जनादेश को कुचलने के लिए जो खेल खेला जा रहा है, उसने प्रशासन और सत्ताधारी दल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वफादारी की कीमत 3 करोड़?

विश्वस्त सूत्रों और स्थानीय नेताओं के अनुसार, कोडीनार तालुका पंचायत पर कब्जा करने के लिए भाजपा की ओर से 'साम-दाम-दंड-भेद' की नीति अपनाई जा रही है। आरोप है कि कांग्रेस के निर्वाचित सदस्यों को पाला बदलने के लिए 3 करोड़ रुपये तक के लालच दिए गए। जब कांग्रेस के इन वफादार सदस्यों ने धनबल के आगे झुकने से इनकार कर दिया, तो उनके खिलाफ दमनकारी नीति शुरू कर दी गई।



द्वारका में आधी रात का 'ऑपरेशन पुलिस'

लोकतंत्र तब शर्मसार हो गया जब द्वारका में दर्शन करने गए कांग्रेस सदस्यों को निशाना बनाया गया। बताया जा रहा है कि लगभग 150 पुलिसकर्मियों की भारी फौज ने अचानक उन सदस्यों को घेर लिया और उन्हें जबरन वहां से उठा ले गई।

• सवाल यह हैः क्या किसी जनप्रतिनिधि का धार्मिक यात्रा पर जाना अपराध है?

• **सवाल यह भीः** 150 पुलिसवालों की फौज भेजने का आदेश किस 'ऊपर' के अधिकारी ने दिया? **दीनू बोघा सोलंकीः** रसूख के दम पर नियम ताक पर! इस पूरी साजिश के पीछे भाजपा के कद्दावर नेता दीनू बोघा सोलंकी का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। गृह मंत्री अमित शाह के बेहद करीबी माने जाने वाले दीनू बोघा पर आरोप है कि कोडीनार में अपनी साख बचाने के लिए वे पुलिस और प्रशासन का दुरुपयोग कर रहे हैं। चर्चा है कि उन्हें 'ऊपर' से खुली छूट मिली हुई है, जिसके कारण वे जनादेश को ठेंगा दिखा रहे हैं।

जनता की अदालत में सुलगते प्रश्न

1.क्या लोकतंत्र में बहुमत का सम्मान सिर्फ कागजों तक सीमित है?

2.क्या पुलिस अब अपराधियों को पकड़ने के बजाय नेताओं के 'रिजॉर्ट पॉलिटिक्स' का हिस्सा बन गई है?

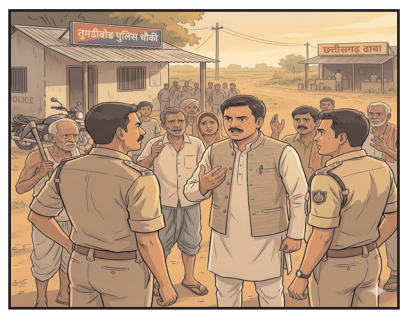
3.क्या अमित शाह की दोस्ती का इस्तेमाल लोकतांत्रिक संस्थाओं को कुचलने के लिए किया जा रहा है?

संपादकीय टिप्पणीः कोडीनार की यह घटना गुजरात की राजनीति का एक काला अध्याय है। अगर पुलिस का इस्तेमाल इसी तरह निर्वाचित प्रतिनिधियों को डराने-धमकाने के लिए होता रहा, तो जनता का चुनाव प्रणाली से भरोसा उठना तय है। महानगर मेट्रो इस मामले की तह तक जाएगा।

तुमडीबोड पुलिस चौकीः जनता पर सख्ती, अवैध धंधों पर नरमी आखिर क्यों ? महेंद्र यादव जिला पंचायत सदस्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। जिला पंचायत सदस्य महेंद्र यादव उस वक्त पुलिस प्रशासन पर आक्रोशित हो गए जब उन्होंने लगातार जनता की फ़ोन काल आने लगे तब वह अपना कार्यक्रम छोड़कर घटना स्थल पर पहुंचे जहां पर पुलिस के द्वारा बिना कोई वैधानिक तरीके से अवैध तरीके से अवैध वसूली किया जा रहा था वह भी खेती हर आम लोगों से तुमडीबोड क्षेत्र से लगातार मिल रही शिकायतें बेहद चिंताजनक हैं। पुलिस विभाग द्वारा हेलमेट या अन्य नियमों के नाम पर राहगीरों, खेतों से लौट रहे मेहनतकश मजदूरों और किसानों को इस भीषण गर्मी में रोककर अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। यह कार्रवाई कानून व्यवस्था बनाए रखने के बजाय आम



जनता पर दबाव और कथित अवैध वसूली का माध्यम बनती नजर आ रही है।

सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि एक ओर आम लोगों को रोका-टोका जा रहा है, वहीं दूसरी ओर ग्राम सिवनी खुर्द के पास छत्तीसगढ़ ढाबा में खुलेआम शराब बिक्री की शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। बार-बार सूचना देने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है।

जनता पूछ रही है — क्या यही है सुशासन? क्या गरीब, मजदूर और किसान ही आसान निशाना हैं? और क्या प्रभावशाली लोगों को संरक्षण मिल रहा है? सूचना मिलते ही क्षेत्रीय कार्यक्रम छोड़कर मौके पर पहुंचकर इस अन्याय का पुरजोर विरोध किया गया। स्पष्ट रूप से कहा गया है कि आमजन के साथ दुर्व्यवहार और किसी भी प्रकार की अवैध वसूली बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मैंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को साफ शब्दों में चेतावनी दी है –

यदि इस प्रकार की शिकायतें दोबारा मिलीं, तो आम जनता के साथ सड़क पर उतरकर चक्का जाम करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

सिस्टम का हिस्सा बननाः सुधार या समर्पण ? बदलाव 'भीतर' से नहीं, 'विद्रोह' से आता है!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आज की कड़वी सच्चाई यही है कि किसी भी व्यवस्था–चाहे वह राजनीति हो, धर्म हो, मीडिया हो या कॉर्पोरेट जगत–उसका सबसे बड़ा लाभ वही लोग उठाते हैं जो उसमें 'सेट' हैं। जो सिस्टम के पुर्जे बन चुके हैं, वे कभी सिस्टम को बदलना नहीं चाहते, क्योंकि व्यवस्था का बना रहना ही उनके अस्तित्व और ऐशो-आराम की गारंटी है।

कैपिटलिज्म का 'झरना' और सुधार का भ्रम अक्सर तर्क दिया जाता है कि 'सिस्टम में रहकर ही इसे बदला जा सकता है।' लेकिन इतिहास गवाह है कि जो सुधार की मशाल लेकर सिस्टम के भीतर घुसे, वे खुद कब मोमबत्ती बनकर पिघल गए, पता ही नहीं चला। यह ठीक पूंजीवाद के उस 'ट्रिकल डाउन इफेक्ट' जैसी ही एक कोरी



कल्पना है, जिसमें कहा जाता है कि ऊपर पैदा हुई संपत्ति धीरे-धीरे रिसकर नीचे तक पहुँचेगी। सच्चाई यह हैः न पूंजी कभी नीचे तक पहुँची, न ही सिस्टम के भीतर गए 'क्रांतिकारियों' ने कभी व्यवस्था की नींव हिलायी।

विकास या महज 'इवोल्यूशन'?

यदि आज हमें व्यवस्था में रत्ती भर भी मानवीय चेहरा या सुधार नजर आता है, तो वह किसी सिस्टम के अंदर बैठे 'तरवैयों' की देन नहीं है। वह केवल समय के साथ होने वाला प्राकृतिक क्रमिक विकास है। सिस्टम खुद को उतना ही बदलता है जितना उसे अपनी मौत रोकने के लिए अनिवार्य लगता है। मरीज का इलाज बाहर से ही संभव है असली श्रेय उन 'मरजीवों' को जाता है जिन्होंने व्यवस्था के बाहर रहकर, उसकी आंखों में आंखें डालकर चुनौती दी। बाहर खड़े होकर लड़ने वालों ने ही तंत्र को झुकने पर मजबूर किया। सिस्टम के भीतर जाने वाले तो अंततः उसी की भाषा बोलने लगते हैं। अंतिम प्रहार यदि आप किसी सड़ी-गली व्यवस्था को बदलना चाहते हैं, तो याद रखिएः आप कीचड़ में उतरकर कीचड़ साफ नहीं कर सकते, आपको बाहर खड़े होकर ही उस पर प्रहार करना होगा। 'सिस्टम को बदलने के लिए उसके 'साथ' नहीं, उसके 'सामने' खड़ा होना पड़ता है। '

'थराड के पास भारतमाला हाईवे पुलिस पोस्ट का वीडियो वायरलः हेड कांस्टेबल पर ड्राइवर को पीटने का आरोप



महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठाः गुजरात के थराड तालुका से एक बेहद चौंकाने वाली और पुलिस महकमे को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। वटडाऊ के पास से गुजरने वाले भारतमाला हाईवे पर स्थित पुलिस पोस्ट पर एक हेड कांस्टेबल द्वारा कानून को अपने हाथ में लेने का वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है। इस वायरल वीडियो ने न सिर्फ थराड पुलिस बल्कि पूरी गुजरात पुलिस की कार्यप्रणाली और उनकी 'आम जन' के प्रति संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना भारतमाला हाईवे पुलिस पोस्ट की है, जहां चेकिंग के दौरान एक ड्राइवर और वहां ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई। जब स्थिति बिगड़ने लगी, तो खुद को सुरक्षित रखने और पुलिस की कार्रवाई को कैमरे में कैद करने के मकसद से ड्राइवर ने अपने मोबाइल फोन से वीडियो बनाना शुरू कर दिया। ड्राइवर का यह कदम हेड कांस्टेबल को इस कदर नागवार गुजरा कि वह अपने पद की गरिमा भूल बैठे। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि वर्दी के नशे में चूर हेड कांस्टेबल आगबबूला हो गया। उसने तमतमाते हुए ड्राइवर से पूछा– 'तुमने वीडियो क्यों बनाया?' और इसके तुरंत बाद सरेआम उसकी बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी।

गालियों की बौछार और वर्दी का रौब

हैरानी की बात यह है कि पुलिसकर्मी सिर्फ मारपीट तक ही नहीं रुका। वायरल फुटेज में उसे सरेआम भद्दी और अमर्यादित भाषा (गालियों) का इस्तेमाल करते हुए भी स्पष्ट सुना जा सकता है। एक सरकारी कर्मचारी, जिसका काम जनता की सुरक्षा करना और सभ्य समाज का निर्माण करना है, उसी के द्वारा सड़क पर इस तरह गुंडागर्दी करना व्यवस्था पर एक करारा तमाचा है। सोशल मीडिया पर फूटा जनता का आक्रोश जैसे ही यह वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ, स्थानीय लोगों और नेटीजंस का गुस्सा फूट पड़ा। लोग लगातार वीडियो को शेयर करते हुए पुलिस के आला अधिकारियों को टैग कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक बड़ी बहस छिड़ गई है।

आपके द्वार आएंगे गणना कर्मचारीः तैयार रखें 33 सवालों के जवाब, जून से गुजरात में शुरू हो रहा महाभियान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। भारत की 16वीं जनगणना की हलचल अब गुजरात में तेज हो गई है। राज्य में आगामी जून महीने से जनगणना कार्य का औपचारिक प्रारंभ होने जा रहा है। यह प्रक्रिया आधुनिक और डिजिटल भारत की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पूरी तरह हाई-टेक होगी। प्रशासन ने इसके सफल क्रियान्वयन के लिए कमर कस ली है। दो चरणों में संपन्न होगा कार्य योजना के अनुसार, इस विशाल अभियान को दो चरणों में पूरा किया जाएगाः ज प्रथम चरण (मकानों की सूची): जून से शुरू होने वाले पहले चरण में मुख्य रूप से प्रत्येक घर का विवरण जुटाया जाएगा। इसमें मकान की बनावट और परिवार की बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित होगा।

• द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना): इसके बाद नागरिकों की व्यक्तिगत जानकारी और जनसंख्या के सटीक आंकड़े जुटाए जाएंगे।

33 सवालों के जरिए दर्ज होगा हर विवरण

जब गणना कर्मचारी आपके घर पहुंचेंगे, तो वे परिवार के मुखिया से कुल 33 महत्वपूर्ण सवाल पूछेंगे। इन सवालों में मुख्य रूप से शामिल होंगेः

• पेयजल का स्रोत और शौचालय की सुविधा।
• घर में उपलब्ध वाहन (दोपहिया/चार पहिया)।
• इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों की उपलब्धता।
• शिक्षा, व्यवसाय और परिवार के सदस्यों का विवरण।

पहली बार 'स्व-गणना' की सुविधा

इस जनगणना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि नागरिकों को 'स्व-गणना' का अधिकार दिया गया है। यदि आप चाहें, तो सरकारी पोर्टल या मोबाइल ऐप के माध्यम से स्वयं भी अपने परिवार की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद आपको एक संदर्भ कोड मिलेगा, जो प्रगणक के आने पर उन्हें दिखाना होगा।

महानगर मेट्रो की अपील

जनगणना केवल गिनती नहीं, बल्कि आने वाले समय में बनने वाली सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों का आधार है।



महानगर मेट्रो अपने पाठकों से अनुरोध करता है कि वे घर आए कर्मचारियों को सही जानकारी प्रदान करें और राष्ट्र निर्माण के इस महायज्ञ में अपना सहयोग दें।

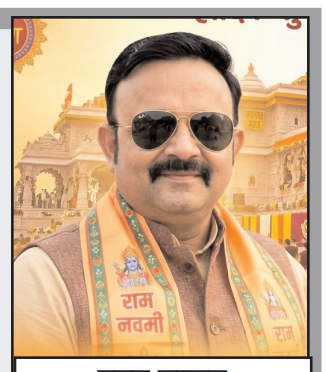
महत्वपूर्ण तथ्यः

• **समय सीमाः** जून से प्रक्रिया शुरू।
• **प्रश्नावलीः** कुल 33 सवाल प्रति परिवार।
• **माध्यमः** डिजिटल ऐप और पोर्टल का उपयोग।
• **उद्देश्यः** विकास योजनाओं का लाभ हर पात्र नागरिक तक पहुंचाना।

संपादक की कलम सेः सटीक जानकारी, बेहतर कल। अपनी जिम्मेदारी निभाएं, जनगणना में भागीदार बनें।



मिनाब 168 : महाशक्ति के पतन का कारण बनती मासूमों की शहादत



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

याद कीजिये गत 10 अप्रैल 2026 को जब एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका से बात चीत करने के मकसद से इस्लामाबाद पहुंचा था और अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे उस समय ईरानी प्रतिनिधिमंडल जिस # मिनाब 168 अंकित विमान में बैठकर इस्लामाबाद आया था उस विमान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था।

अमेरिका व इस्त्राईल द्वारा गत 28 फरवरी से ईरान पर किये गये संयुक्त हमलों में हालाँकि ईरान में मरने वालों की संख्या सूत्रों द्वारा अलग अलग बताई जा रही है। परन्तु अनुमानतः इन हमलों में अब तक लगभग 6,000 से भी अधिक ईरानी नागरिकों लोगों के मारे जाने की संभावना है। जबकि लगभग 26,500 से भी अधिक लोगों के घायल होने के आंकड़े सामने आये हैं। परन्तु ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह सैय्यद अली खामनेई,अनेक उच्चस्तरीय नेता,अधिकारी व वैज्ञानिकों की हत्या से भी अधिक चर्चा ईरान में हुये जिस एक हमले को लेकर हो रही है वह है दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर के एक प्राइमरी स्कूल पर 28 फरवरी को अमेरिकी वायु सेना द्वारा किया गया वह हमला जिसने हमले के समय स्कूल में पढ़ रहे 168 मासूम बच्चों को शहीद कर दिया। ईरान ने मुख्य रूप से इसी एक हमले को रेखांकित करते हुये विश्वशांति की बात करने वाले अमेरिका को पूरी दुनिया में बेनकाब करने की मुहिम चलाई। इतना ही नहीं बल्कि इसी हमले ने मानवीय संवेदना रखने वाले कई अमेरिकी सांसदों व उच्चाधिकारियों को भी आवाज उठाने को मजबूर किया।

याद कीजिये गत 10 अप्रैल 2026 को जब एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका से बात चीत करने के मकसद से इस्लामाबाद पहुंचा था और अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे उस समय ईरानी प्रतिनिधिमंडल जिस # मिनाब 168 अंकित विमान में बैठकर इस्लामाबाद आया था उस विमान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। ईरानी स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ, ईरानी विदेश मंत्री अराघची व ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने इसी # मिनाब 168 नामक विमान से ही तेहरान से पाकिस्तान की यात्रा की थी। इस विमान में आगे की 168 सीटों पर अमेरिकी हमले में शहीद हुये बच्चों की तस्वीरें रखी गईं। हर सीट पर उनके खून से सने हुये क्षतिग्रस्त स्कूल बैग व शहीद बच्चों के जूते व साथ ही उन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु फूल भी रखे गये थे। यह पहला मौका था जबकि ईरान जैसे किसी साहसी देश ने स्वयं को महाशक्ति बताने वाले अमेरिका के वास्तविक क्रूर चेहरे को इस निराले अंदाज से बेनकाब किया था। # मिनाब 168 विमान केवल



पाकिस्तान ही नहीं आया बल्कि अराघची 26-27 अप्रैल को इसी विमान पर सवार होकर इस्लामाबाद और ओमान के दौरे के बाद रूस भी पहुंचे। जहां उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से महत्वपूर्ण मुलाकात की।

अमेरिका में भी मिनाब के शहीद मासूमों का खून सर चढ़कर बोलता दिखाई दे रहा है। इस हमले को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप को राजनीतिक और सड़क स्तर पर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। डेमोक्रेट्स द्वारा साफ तौर पर इसे गैर जिम्मेदाराना अमेरिकी हमला मानकर ट्रंप प्रशासन से इस हमले की जिम्मेदारी स्वीकार करने की मांग रहे हैं। क्योंकि जांच में अमेरिकी टोमाहॉक मिसाइल इस्तेमाल होने की पुष्टि हो चुकी है। यह मिसाइल केवल अमेरिका के पास ही है। अमेरिकी डेमोक्रेट सांसदों ने पेंटागन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुये रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से जवाब भी तलब किया है। इन अमेरिकी सीनेटर्स ने इसे हताहत होने वाला दशकों का सबसे बुरा नागरिक मामला बताया है साथ ही ट्रंप प्रशासन पर अपनी जवाबदेही स्वीकार न करने का भी आरोप लगाया गया है। कई सीनेटर्स तो इसे अमेरिकी सेना की भयानक गलती भी बता रहे हैं। इसी मिनाब घटना को लेकर अमेरिका में कई जगह सड़कों पर भी प्रदर्शन हुये हैं। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर सैन फ्रांसिस्को, शिकागो और मिल्वौकी तक में कई जगह में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे और उन्होंने हैंड्स ऑफ ईरान के नारे लगाए। यहाँ की कैपिटल हिल पर प्रतीकत्मक रूप से बच्चों के स्कूल बैग रखकर विरोध प्रदर्शन हुआ। इसमें कई डेमोक्रेट सांसद भी शामिल हुये थे। हद तो यह है कि व्हाइट हाउस के बाहर इसी अप्रैल में हुए व्यापक प्रदर्शनों में ट्रंप को युद्ध अपराधी बताकर उसे हटाने की भी जोरदार मांग हुई।

बहरहाल, इस्त्राईल हो या उसका संरक्षक अमेरिका,इन दोनों ही देशों ने विश्व अनेक देशों में युद्धापराध अंजाम देने के अनेक क्रूरतम इतिहास लिखे हैं। सही मायने में तो युद्धापराध अंजाम देने के यह आदी हो चुके हैं। याद कीजिये 1960-70 के मध्य लंबे समय तक चले वियतनाम युद्ध को। यही अमेरिका है जिसने बड़ी बेरहमी से यहाँ लाखों लोगों की हत्यायें की थीं। इनमें एक दिल दहलाने वाली घटना दक्षिण वियतनाम के माई लाई गांव में हुई थी जहाँ न केवल 500 से अधिक निहत्थे नागरिकों जिनमें महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग शामिल थे की हत्या की गई थी बल्कि उनका सामूहिक बलात्कार किया गया उनके शवों का जलाया गया व अपमान किया गया था। पूरे के पूरे कई गांव जला दिए गये थे। इसी तरह 2003 के ईराक युद्ध के दौरान अबूगरेब जेल में कैदियों की प्रताड़ना के अलावा इराक में कई नागरिक नरसंहार की घटनाएं हुईं। इसी तरह अफगानिस्तान में भी नागरिक हत्या,बलात्कार जैसे कई कारनामे उजागर हुए थे। अमेरिका की तर्ज पर इस्त्राईल भी लेबनॉन,पश्चिमी किनारे व गजा के इलाकों में मानव नरसंहार के कई इतिहास लिख चुका है। यह तो इतने क्रूर हैं कि भूखे बच्चों को पहले खाने पानी की लालच देकर भीड़ इकट्ठी करते हैं उसके बाद उन मजबूरों को खाना पानी देने के बजाये उनपर बंबारी कर हत्याएं कर देते हैं। इस्त्राईली प्रधानमंत्री तो इस समय अंतर्राष्ट्रीय अदालत का वांछित मुजरिम भी है।

परन्तु इस बार इनका पाला पड़ा था ईरान में मिनाब के मासूमों से। इनकी चीख पुकार व बद्दुआएं पूरे विश्व में इस कद्र गूँज रही हैं कि मानवीय ह्रदय रखने वाले अमेरिकी भी इस घटना से सदमे में हैं तथा वे यह महसूस कर रहे हैं कि यह घटना कहीं वैश्विक अमेरिकी चौधर के पतन का कारण न बन जाये। तभी ट्रंप प्रशासन इस घटना से पल्ला झाड़ने की असफल कोशिश करता भी दिखाई देता है। परन्तु वास्तविकता तो यह है कि मिनाब स्कूल हमले की वजह से और ईरान युद्ध नीति के चलते ही अमेरिका में ट्रंप की लोकप्रियता नकारात्मक 20-23% तक गिर गई है। इसी तरह के विरोध के चलते ट्रंप ने अपने कई अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया जबकि कई ने इस्तीफा देकर अपनी इज्जत बचने में ही अपनी भलाई समझी। कहना गलत नहीं होगा कि मासूमों की शहादत को याद दिलाने वाला प्रतीक मिनाब 168 पूरे विश्व में नरसंहार की इबारत लिखने वाली महाशक्ति को बेनकाब कर छोड़ेगा तथा इसके पतन का कारण भी बनेगा।

संपादकीय

ट्रंप का 'तूफान' क्या है?

राष्ट्रपति ट्रंप अब भी युद्धोन्मादी हैं। ईरान को ह्यकब्रिस्तान-साह्ल बनाने के बावजूद उनका दिल नहीं पसीजा है। उन्होंने अब भी किसी ह्यतूफानह्ल के आने की धमकी दी है और दावा किया है कि उस तूफान को कोई रोक नहीं सकेगा। क्या ट्रंप अब ईरान पर परमाणु हमला भी कर सकते हैं? अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख ने ईरान में परमाणु स्थितियों पर चिंता जताई है और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के दुरुपयोग की आशंका भी व्यक्त की है। हालांकि हम किसी परमाणु दुर्घटना की संभावना को नहीं मानते, क्योंकि रूस के राष्ट्रपति पुतिन करीब 90 मिनट की बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप को सचेत कर चुके हैं कि अब हमले के अंजाम बहुत बुरे और गंभीर होंगे। चीन भी ऐसे बयान दे चुका है और इसी माह ट्रंप का चीन जाना प्रस्तावित है। बीती 28 फरवरी से जो विनाशकारी हमले ईरान पर किए गए हैं, बीच-बीच में युद्धविराम के 'नाटक' भी खेले गए हैं, तेल-गैस-खाद आदि की आवाजाही इस कदर बाधित हुई है कि दुनिया में 'महामंदी' के संकट फैलने लगे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी महामंदी के आसार की चेतावनी दी है, क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर 2 फीसदी से भी कम होने के संकेत मिल रहे हैं। यदि दुनिया में ऊर्जा-संकट, सप्लाई चेन का अवरुद्ध होना, खाद्य-संकट यूं ही जारी रहे, तो भुखमरी के हालात भी पुख्ता हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय कारोबार भी बैठ सकता है। खुद अमरीका के पेंटागन की रपट है कि अभी तक ईरान युद्ध पर 25 अरब डॉलर खर्च किए जा चुके हैं। यह राशि अधिक भी हो सकती है। पेंटागन ने 1.5 ट्रिलियन डॉलर के अतिरिक्त बजट की मांग संसद से की है, लेकिन अमरीकी संसद राष्ट्रपति ट्रंप से पूछ रही है कि जब 2025 के हमले में ईरान के परमाणु एवं यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को तबाह कर दिया गया था, तो फिर यह युद्ध क्यों किया गया? राष्ट्रपति उसी परमाणु कार्यक्रम की नए सिरे से बात क्यों कर रहे हैं? क्या ईरान का यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम आज भी जारी है? अब सैनिक और युद्धपोत मध्य-पूर्व के क्षेत्रों में क्यों मौजूद हैं?

क्या अमरीकी संसद राष्ट्रपति ट्रंप को बाध्य कर सकती है कि वह सैनिकों की वापसी का आदेश दें? युद्ध पर 25 अरब डॉलर नासा के खर्च के बराबर है, जिसे ट्रंप की सामंतवादी सोच ने यूं ही फूक दिया। कैबिनेट में उपराष्ट्रपति वेंस शुरू से ही युद्ध-विरोधी थे, लेकिन अब उनका युद्ध मंत्री हेगसेथ के साथ विवाद बढ़ गया है। उपराष्ट्रपति का गंभीर आरोप है कि युद्ध मंत्री राष्ट्रपति ट्रंप को गलत ब्रीफ कर रहे हैं, लिहाजा ईरान से अभी तक अमरीका जीत नहीं पाया है। उपराष्ट्रपति का आग्रह है कि अब युद्ध को स्थायी विराम दिया जाना चाहिए। इस तरह युद्ध के मुद्दे पर ट्रंप कैबिनेट विभाजित है और राष्ट्रपति 'तूफान' की धमकियां दे रहे हैं! पेंटागन भी राष्ट्रपति को गलत सूचनाएं दे रहा है। हकीकत यह है कि अमरीकी मिसाइलों, ड्रोन, थाड, पैट्रियट आदि वायु रक्षा प्रणालियों और अन्य हथियारों के भंडार काफी कम हो चुके हैं। रणनीतिक तौर पर यह अमरीका के लिए खतरनाक स्थिति है। हथियारों के पर्याप्त भंडारण के लिए अपेक्षित उत्पादन में 3-5 साल का वक्त भी लग सकता है।

चिंतन-मनन

संत की उदारता

संत बेनजोई के पास कई बालक शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। वह अपने सभी शिष्यों की शिक्षा पूर्ण करने के बाद ही उन्हें वहां से जाने की अनुमति देते थे। वह उद्दंड व शरारती शिष्यों को भी आज्ञाकारी और संस्कारी बनाकर ही दम लेते थे। एक बार उनके आश्रम में बहुत ही शरारती और बदतमीज लड़का आया। एक दिन वह चोरी करते हुए पकड़ा गया। बेनजोई ने उसे चोरी की बुराइयों से अवगत कराया और क्षमा कर दिया, लेकिन वह लड़का इतना बिगड़ैल था कि उस पर बेनजोई की शिक्षा का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उसने दोबारा चोरी की और एक शिष्य को बेवजह पीट दिया। यह शिकायत बेनजोई तक पहुंची तो उन्होंने उसे फिर बुलाकर प्रेम से समझाया और एक बार फिर क्षमा कर दिया। यह देखकर आश्रम के अन्य शिष्य आगबबूला हो गए। शाम की प्रार्थना के समय सभी शिष्य एकजुट होकर बोले, गुरुजी, यह बार-बार चोरी करता रहेगा, हमें पीटता रहेगा और आप उसे क्षमा करते रहेंगे। यह कैसा न्याय है? यदि आप इसे आश्रम से नहीं निकाल सकते तो हम सभी यह आश्रम छोड़कर चले जाते हैं।

इस पर बेनजोई विनम्रता से बोले, मैंने माना कि तुम सब अच्छे हो, संस्कारी हो। कभी किसी कुसंग में न रहने के कारण दुष्कर्मों से दूर हो। यह अबोध किशोर अपने दुर्व्यसनी पिता और भाइयों द्वारा ठुकराया हुआ है। इसे मैं सुधारने, संस्कारित करने के उद्देश्य से यहां लेकर आया हूं। मुझे यह भी मालूम है कि तुम यदि इस आश्रम से चले गए तो अन्य किसी शिक्षक से शिक्षा प्राप्त कर सकते हो, किंतु इस बिगड़ैल लड़के को कौन अपने यहां रखेगा? इसे सुधरने का मौका कैसे मिलेगा? वह किशोर भी यह सब सुन रहा था। उसकी आंखें भर आईं। वह उनसे क्षमा मांगते हुए बोला, गुरुजी, मुझे माफ कर दीजिए। फिर कभी आपको शिकायत का मौका नहीं मिलेगा। उसने अन्य शिष्यों से भी माफी मांगी।

चुनावी जीत-हार न बने जीवन-मरण का प्रश्न



डॉ हिदायत अहमद खान

देश के पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में मतदान संपन्न होने के साथ ही सभी की नजरें मतगणना के साथ आने वाले रिजल्ट पर टिक गई हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की कवायद भर नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता, चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं की निष्पक्षता और जनता के भरोसे की परीक्षा भी साबित होने वाले हैं। सोमवार 4 मई को होने वाली मतगणना को लेकर जिस प्रकार राजनीतिक तापमान बढ़ा हुआ है, वह इस बात का संकेत है कि चुनाव अब सिर्फ जीत-हार का खेल नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। मतदान के बाद आमतौर पर राजनीतिक दल अपनी-अपनी जीत के दावे करते हुए देखे जाते हैं, लेकिन इस बार खासकर पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठे विवादों ने पूरे देश का ध्यान खींचा है। मतगणना में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति को लेकर मामला पहले हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। यह स्थिति दशार्ती है कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर संदेह बढ़ा है। हालांकि चुनाव आयोग ने अतिरिक्त पर्यवेक्षकों की नियुक्ति और नियमों के पालन का भरोसा दिया है, फिर भी सवाल यह है कि क्या केवल प्रशासनिक कदम जनता के विश्वास को बहाल करने के लिए पर्याप्त हैं? खासतौर पर तब जबकि चुनाव के दौरान यह सुनने को मिला कि पश्चिम बंगाल में चुनाव टीएमसी और भाजपा के बीच नहीं बल्कि टीएमसी और चुनाव आयोग के बीच हो रहा है। इसने न सिर्फ चुनाव प्रक्रिया को बल्कि निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर ही सवालिया निशान लगा दिया। चुनाव की तिथि घोषित होने से लेकर चुनाव प्रचार और मतदान के बीच और अब परिणाम आने से पहले तक जिस तरह का माहौल बनता दिखा है, वह लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। इसने न सिर्फ चुनाव आयोग की स्वतंत्र व निष्पक्ष के साथ ईमानदार प्रक्रिया पर संदेह पैदा किया बल्कि न्यायपालिका क्या कर रही है, इस पर भी नजर डालने को मजबूर किया है। न्यायालय की तारीख पर तारीख वाली परिपाटी से लेकर सख्त टिप्पणी के बाद फैसलों को रोके रखने ने लोगों को सवाल उठाने का मौका फराहम कराया है। जब यह कहा जाने लगे कि तमाम जांच एजेंसियां और स्वतंत्र संवैधानिक संस्थाएं भी केंद्र के इशारे पर उठ-बैठ और फैसले लेने से लेकर कार्रवाई करती नजर आ रही हैं तो वाकई चिंता का विषय हो जाता है। इस पूरी कवायद में विपक्ष के संविधान बचाओ मुहिम को सही ठहराया जाना उचित लगने लगता है।

बहरहाल पांच राज्यों में मतदान पूर्ण होने के साथ ही अब नतीजे आने का इंतजार है, क्योंकि इससे यह भी मालूम चलेगा कि जो एग्जिट पोल्स अभी तक जो दावा करते आ रहे हैं वो कितने सही बैठते हैं। एग्जिट पोल्स ने इस बार अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न तस्वीरें पेश की है। कहीं स्पष्ट बहुमत, तो कहीं कांटे की टक्कर दिखाकर लोगों का ध्यान भी खूब खींचा है। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के दावे 200 के पार से अलग पश्चिम बंगाल में मुकाबला बेहद करीबी बताया जा रहा है, जहां 'साइलेंट वोटर' निर्णायक भूमिका में होने का दावा भी किया जा रहा है। यह अनिश्चितता लोकतंत्र की खूबसूरती भी है और चुनौती भी। नतीजे प्रभावित न हों और हेर-फेर से मतदाताओं के मतों को बचाने मानों एक अलग ही संघर्ष जारी है। इसी प्रकार तमिलनाडु में संभावित राजनीतिक बदलाव का दावा किया जा रहा है। यह एक नई दिशा की ओर इशारा करता है। पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के बीच नए चेहरे का उभार यह दशार्ता है कि मतदाता अब विकल्प तलाशने के लिए तैयार हैं, जो गलत भी साबित हो सकता है। वहीं असम में सत्तारूढ़ दल की संभावित लगातार तीसरी जीत यह संकेत देती है कि क्षेत्रीय नेतृत्व और संगठनात्मक मजबूती अभी भी निर्णायक कारक हैं। इसकी भी परीक्षा होगी और परिणाम बताएंगे कि कौन पास और कौन फेल रहा। केरल में सत्ता परिवर्तन की परंपरा लौटने की संभावना और वामपंथी राजनीति के कमजोर पड़ने के संकेत एग्जिट पॉल्स से मिलते हैं। यदि ऐसा होता है, तो यह केवल एक राज्य का परिणाम नहीं होगा, बल्कि देश की राजनीतिक दिशा पर भी असर डालेगा। दूसरी ओर, पुडुचेरी में गठबंधन की वापसी का दावा किया जा रहा है। इन तमाम परिदृश्यों के बीच सबसे अहम सवाल यह है कि क्या चुनावी प्रक्रिया जनता के विश्वास पर खरी उतर रही है? चुनाव आयोग की भूमिका, न्यायपालिका का हस्तक्षेप और राजनीतिक दलों का आचरण तीनों मिलकर लोकतंत्र की नींव को मजबूत या कमजोर करते हैं। जब चुनाव परिणाम आने से पहले ही विवाद, आरोप-प्रत्यारोप और कानूनी लड़ाइयां शुरू हो जाती हैं, तो यह लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। यहां समझना होगा कि चुनाव केवल सरकार बनाने या गिराने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह जनता की आवाज का सबसे सशक्त माध्यम भी हैं। यदि इस प्रक्रिया पर ही सवाल उठने लगें, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होना ही होना है। इसलिए जरूरी है कि सभी पक्ष चाहे वे राजनीतिक दल हों, चुनाव आयोग हो या न्यायपालिका अपनी जिम्मेदारी को समझें और पारदर्शिता तथा निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कुल मिलाकर सेवा का भाव जो सभी स्तर पर देखने को मिलना चाहिए वह कहीं गुम हो चुका है। इसलिए ये चुनाव एक तरह से जीवन-मरण का प्रश्न बन गए हैं, जो होना नहीं चाहिए।

उबलती धरती, डगमगाती थाली, संकट में किसान



डॉ. सत्यवान सौरभ



हीटवेव की मार से हरियाणाझपंजाब की खेती और किसानों की आय दोनों संकट में जलवायु परिवर्तन के इस निर्णायक दौर में चरम गर्मी अब केवल एक मौसमी विचलन नहीं रह गई है; यह एक गहरे संरचनात्मक संकट के रूप में उभर रही है, जो वैश्विक खाद्य प्रणालियों की बुनियाद को हिला रही है। बढ़ते तापमान और तीव्र होती हीटवेव्स ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य आपूर्ति शृंखलाओं को एक ऐसे दबाव में ला खड़ा किया है, जहां हर कड़ी कमजोर पड़ती दिख रही है। वैज्ञानिक और नीति-निमार्ता अब इसे एक 'रिस्क मल्टीप्लायर' के रूप में पहचान रहे हैं–ऐसा कारक जो न केवल स्वयं नुकसान पहुंचाता है, बल्कि अन्य जोखिमों को भी कई गुना बढ़ा देता है। यदि अब निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो चरम गर्मी आने वाले दशकों में वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा व्यवस्थित खतरा बन जाएगी।

चरम तापमान का सबसे प्रत्यक्ष और स्पष्ट प्रभाव फसलों पर पड़ता है। यह स्थापित तथ्य है कि 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान गेहूं, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के लिए प्रतिकूल होता है। अधिक तापमान पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को बाधित करता है, परागण को प्रभावित करता है और दानों के विकास को अधूरा छोड़ देता है। परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट आती है, जो कई मामलों में 10 से 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह केवल मात्रा की समस्या नहीं है–गर्मी के कारण अनाज का पोषण स्तर भी घटता है, जिससे खाद्य गुणवत्ता प्रभावित होती है। इस प्रकार, यह संकट उत्पादन और पोषण दोनों को एक साथ चोट पहुंचाता है।

पशुपालन क्षेत्र भी इस तापीय दबाव से अछूता नहीं है। उच्च तापमान के कारण पशुओं में हीट स्ट्रेस बढ़ता है, जिससे उनकी उत्पादकता पर सीधा असर पड़ता है। डेयरी पशुओं में दूध उत्पादन में कमी, मुर्गियों में अंडा उत्पादन का घट जाना और सूअरों में वृद्धि दर का धीमा होना इसके प्रमुख उदाहरण हैं। चरम परिस्थितियों में पशुओं की मृत्यु तक हो सकती है, जिससे किसानों की आय पर गंभीर चोट पड़ती है। मत्स्य पालन में स्थिति और भी जटिल हो जाती है–समुद्री तापीय लहरों के कारण जल में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा घटती है, जिससे मछलियां तनावग्रस्त हो जाती हैं और उनका जीवित रहना कठिन हो जाता है। इस तरह, अत्यधिक गर्मी खाद्य उत्पादन के सभी प्रमुख स्रोतों को एक साथ प्रभावित कर रही है। लेकिन असली चुनौती तब सामने आती है जब ये प्रभाव एक-दूसरे को बढ़ाने लगते हैं। चरम गर्मी सूखे को जन्म देती है, जिससे जल संसाधनों पर अभूतपूर्व दबाव पड़ता है। सिंचाई के लिए पानी की कमी फसलों की उत्पादकता को और घटा देती है, जबकि पशुओं और मनुष्यों के लिए जल संकट गंभीर रूप ले लेता है। इसके अलावा, उच्च तापमान कीटों और रोगों के प्रसार के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करता है। टिड्डी दल जैसी घटनाएं अधिक बार और अधिक तीव्रता से देखने को मिल रही हैं, जो कुछ ही दिनों में विशाल फसल क्षेत्र को नष्ट कर सकती हैं। इस प्रकार, तापमान वृद्धि केवल एक अलग-थलग समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसे चक्र का हिस्सा है जो लगातार खुद को मजबूत करता जाता है।

वन क्षेत्रों में भी इसका गहरा प्रभाव दिखाई देता है। बढ़ती गर्मी और सूखे के कारण जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे जैव विविधता को नुकसान पहुंचता है और कार्बन चक्र बाधित होता है। यह एक खतरनाक दुष्चक्र को जन्म देता है–जंगलों की आग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो आगे तापमान वृद्धि को और तेज करता है, और यह वृद्धि फिर नई आग की घटनाओं को जन्म देती है। इस चक्र का प्रभाव अंततः कृषि और खाद्य प्रणालियों पर ही पड़ता है।

चरम गर्मी का एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर अनदेखा पहलू श्रम उत्पादकता पर इसका प्रभाव है। कृषि क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक, विशेषकर विकासशील देशों में, अत्यधिक तापमान के कारण काम करने में असमर्थ हो जाते हैं। जब 'गीला बल्ब तापमान' एक निश्चित सीमा से ऊपर पहुंच जाता है, तो मानव शरीर के लिए लंबे समय तक काम करना जानलेवा हो सकता है। यह स्थिति एक प्रकार का 'हीट-इकोनॉमी ट्रैप' पैदा करती है, जहां गर्मी सीधे श्रम, उत्पादन और आय–तीनों को सीमित कर देती है। अनुमान है कि दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में साल के सैकड़ों दिन ऐसे हो सकते हैं, जब श्रमिकों के लिए काम करना संभव नहीं रहेगा। इसका सीधा असर किसानों और मजदूरों की आय पर पड़ता है, जिससे आर्थिक असुरक्षा बढ़ती है। इन सभी प्रभावों का सम्मिलित परिणाम एक 'कैस्केडिंग फेल्योर' के रूप में सामने आता है। जब फसलें असफल होती हैं, पशुधन प्रभावित होता है और श्रमिक काम नहीं कर पाते, तो खाद्य आपूर्ति शृंखला टूटने लगती है। इसका सीधा असर बाजार पर पड़ता है–खाद्य कीमतें बढ़ती हैं, जिससे गरीब और कमजोर वर्गों के लिए भोजन तक पहुंच और कठिन हो जाती है। यह स्थिति कुपोषण, गरीबी और सामाजिक अस्थिरता को जन्म देती है। कई क्षेत्रों में यह प्रवासन को भी बढ़ावा देती है, जहां लोग जीविका की तलाश में अपने घर छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इस प्रकार, चरम गर्मी एक पर्यावरणीय समस्या से कहीं अधिक–एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक संकट बन जाती है।

भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह चुनौती और भी गंभीर है। हरियाणा, पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में हाल के वर्षों में हीटवेव्स के कारण गेहूं और चावल की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा गया है। विशेष रूप से देर से बोई गई फसलों पर इसका असर अधिक पड़ता है, जिससे उत्पादन में 10 से 15 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। भारत की हरित क्रांति का केंद्र रहे ये क्षेत्र अब जलवायु अस्थिरता के सबसे बड़े प्रयोगशाला बनते जा रहे हैं। इसके साथ ही, भूजल का अत्यधिक दोहन और बढ़ती गर्मी मिलकर जल संकट को और गहरा कर रहे हैं, जो कृषि की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। इस संकट का प्रभाव समान रूप से वितरित नहीं है। छोटे और सीमांत किसान, महिलाएं और युवा सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उनके पास सीमित संसाधन, कम तकनीकी जानकारी और जोखिम उठाने की कम क्षमता होती है। परिणामस्वरूप, वे जलवायु परिवर्तन के इस बढ़ते दबाव के सामने अधिक असुरक्षित हो जाते हैं। इस प्रकार, अत्यधिक गर्मी केवल पर्यावरणीय चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को भी गहरा करने वाला कारक बन रही है। ऐसे में समाधान की दिशा में ठोस और बहुआयामी रणनीतियों की आवश्यकता है। सबसे पहले, अनुकूलन (adaptation) पर ध्यान देना होगा। जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियां–जैसे गर्मी-सहनशील बीजों का उपयोग, फसल विविधीकरण, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, तथा छायादार खेती–इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इसके अलावा, मौसम पूवार्नुमान और प्रार्भिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करना आवश्यक है, ताकि किसान समय रहते अपने निर्णय बदल सकें और नुकसान को कम कर सकें।

पशुपालन के क्षेत्र में भी सुधार की आवश्यकता है। बेहतर वेंटिलेशन वाले शेड, पर्याप्त जल उपलब्धता और चयनात्मक प्रजनन जैसी तकनीकों के माध्यम से पशुओं को गर्मी के प्रभाव से बचाया जा सकता है। साथ ही, बीमा योजनाओं और वित्तीय सहायता के जरिए किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना भी आवश्यक है, ताकि वे जलवायु जोखिमों का सामना कर सकें।

नीतिगत स्तर पर, सरकारों को एक समग्र और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। जल संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन और अन्य कृषि योजनाओं को जलवायु परिवर्तन के अनुरूप पुनर्गठित करने की आवश्यकता है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग बढ़ाना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना अनिवार्य है, क्योंकि दीर्घकालिक समाधान केवल शमन (mitigation) के माध्यम से ही संभव है।

रील बनाने पानी की टंकी पर चढ़े? थे बच्चे... सीढ़ी टूटने से 16 घंटे फंसे रहे, IAF ने किया रेस्क्यू



महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में रविवार सुबह भारतीय वायुसेना ने रेस्क्यू ऑपरेशन में पानी की टंकी पर फंसे दो बच्चों को सुरक्षित नीचे उतारा. करीब 16 घंटे तक टंकी पर फंसे रहने के बाद दोनों को वायुसेना के हेलीकॉप्टर की मदद से रेस्क्यू किया गया. यह घटना कांशीराम आवासीय कॉलोनी की है, जहां शनिवार को पांच बच्चे रील बनाने के लिए पानी की ऊंची टंकी पर चढ़ गए थे.

इसी दौरान सीढ़ी टूट गई और सिद्धार्थ, शनि और गोलू नाम के तीन बच्चे नीचे गिर गए, जबकि पवन और कल्लू नाम के दो बच्चे टंकी के ऊपर ही फंस गए. टंकी से नीचे गिरने के कारण गंभीर चोट लगने से सिद्धार्थ की मृत्यु हो गई. वहीं शनि और गोलू को इलाज के लिए माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है.

टंकी की सीढ़ी क्षतिग्रस्त होने के कारण उनके पास नीचे उतरने का कोई रास्ता नहीं बचा था. रात में नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (हृष्ट्रपत्रिका) की टीम गोरखपुर से मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया, लेकिन टंकी तक पहुंचने के लिए सड़क नहीं थी, जिस कारण उनकी लिफ्ट काम नहीं कर सकी और रेस्क्यू ऑपरेशन सफल नहीं हो पाया.

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने राज्य सरकार से मदद मांगी. इसके बाद भारतीय वायुसेना ने गोरखपुर स्थित सेंट्रल एयर कमांड से एक स्क्वॅ-17 ङ्क5 हेलीकॉप्टर को बच्चों के रेस्क्यू मिशन के लिए रवाना किया. रविवार सुबह करीब 5:20 बजे हेलीकॉप्टर पानी की टंकी के पास पहुंचा और तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया. वायुसेना के जवानों ने 15 मिनट के भीतर 16 घंटे से पानी की टंकी पर फंसे दोनों बच्चों को सुरक्षित उतार लिया.

रेस्क्यू के बाद दोनों बच्चों को उसी हेलीकॉप्टर से गोरखपुर ले जाया गया, जहां उनका मेडिकल चेकअप हुआ. इससे पहले प्रशासन ने रात के दौरान टंकी तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक रास्ता बनाने की कोशिश की थी. रात करीब 3 बजे तक सड़क निर्माण लगभग पूरा हो गया था, लेकिन अचानक बारिश शुरू होने से काम रुक गया. इसके बाद हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू का फैसला लिया गया. पूरे अभियान के दौरान जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, पुलिस बल और अन्य एजेंसियां मौके पर मौजूद रहीं और लगातार स्थिति की निगरानी करती रहीं.

मेट्रो विस्तार को मिलेगी रफ्तार, फेज-zB के ऐलान से होगा दिल्ली की कनेक्टिविटी में बड़ा बदलाव



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: राजधानी में मेट्रो नेटवर्क के विस्तार को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के स्थापना दिवस के मौके पर रविवार को दिल्ली सरकार फेज-zB के तहत नई परियोजनाओं की घोषणा कर सकती है। अधिकारियों के अनुसार, फेज-4 के पूरा होते ही फेज-5 के काम में तेजी लाने की रणनीति बनाई जा रही है। सीएम रेखा गुप्ता भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी।

बताते चले इससे पहले केंद्र सरकार फेज- 5 के तहत तीन कॉरिडोर को मंजूरी दे चुकी है, जिनमें एरोसिटी-एयरपोर्ट टर्मिनल-1, कालिंदी कुंज-बॉटनिकल गार्डन और आरके आश्रम-इंद्रलोक (सेंट्रल विस्टा) कॉरिडोर शामिल हैं। इन पर निर्माण प्रक्रिया जारी है। फेज-zB के तहत दिल्ली-एनसीआर में कुल 15 नए कॉरिडोर प्रस्तावित हैं, जिनमें से 7 दिल्ली में बनाए जा सकते हैं। इन कॉरिडोर की कुल लंबाई करीब 97 किमी होगी और इनमें 65 स्टेशन शामिल होंगे। परियोजना की अनुमानित लागत 4रू,204.56 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इनमें से चार कॉरिडोर को प्राथमिकता देते हुए 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि बाकी तीन कॉरिडोर बाद में बनाए जाएंगे।

97 किमी का होगा नेटवर्क

रविवार को डीएमआरसी के स्थापना दिवस के मौके पर होना है कार्यक्रम
इसके तहत 97 किमी के नेटवर्क में 65 स्टेशन है प्रस्तावित
15 नए कॉरिडोर है प्रस्तावित, इनमें 7 दिल्ली में बन सकते हैं
48,204.56 करोड़ आंकी जा रही है अनुमानित लागत इसकी

कौन-कौन से रूट शामिल?

प्रमुख प्रस्तावित कॉरिडोर में मयूर विहार फेज-3 से शास्त्री पार्क (13.19 किमी), सेंट्रल विस्टा से वसंत कुंज (14.5 किमी), समयपुर बादली से नरेला स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (11.6 किमी) और
मायापुरी से कश्मीरी गेट (12 किमी) शामिल हैं। इसके अलावा सीजीओ कॉम्प्लेक्स से सूर्य विहार फरीदाबाद तक 18 किमी लंबा कॉरिडोर बनाने की योजना है।



'बाबा विश्वनाथ की कृपा से स्वस्थ हूं' अजय राय ने X पर पोस्ट कर दी जानकारी, जानिए कब अस्पताल से डिस्चार्ज होंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। राजधानी लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय की हालत में सुधार आया है। कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने एक्स पर पोस्ट किया और स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी है। अजय राय ने कहा कि बाबा विश्वनाथ की असीम कृपा और आप सभी की प्रार्थनाओं के आशीर्वाद से मैं अब बिल्कुल स्वस्थ महसूस कर रहा हूं। आप सभी के प्रेम और शुभकामनाओं के लिए हृदय से आभार। जल्द ही पूरी ऊर्जा के साथ जन सेवा में उपस्थित रहूंगा।



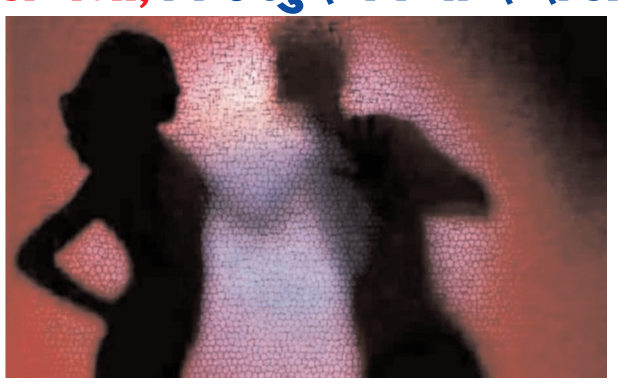
पीएम मोदी और राहुल गांधी ने किया पोस्ट

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय जी के अस्वस्थ होने का समाचार प्राप्त हुआ है। मैं उनके जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अजय राय के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के अस्वस्थ होने के समाचार से चिंतित हूं। उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। आशा है कि वो जल्द से जल्द स्वस्थ हों और फिर से पूरी शक्ति के साथ जन सेवा में सक्रिय हों। ' अविनाश पांडे और सुरेंद्र राजपूत स्वस्थ होने की कामना की अजय राय के स्वास्थ्य के बारे में कांग्रेस के महासचिव अविनाश पांडे ने कहा, 'अब उनकी तबीयत ठीक और स्थिर है। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने पोस्ट किया, 'उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय की तबीयत कल रात अचानक खराब हुई। अब उनकी हालत स्थिर और बेहतर है। ईश्वर से प्रार्थना है कि अजय भाई जल्द स्वस्थ हो।' कांग्रेस के नेता सचिन पायलट ने भी अजय राय के जल्द स्वस्थ होने की कामना की अजय राय की शुक्रवार को एक कार्यक्रम के दौरान तबीयत बिगड़ी थी। अचानक सीने में दर्द, बेचैनी और बेहोशी की शिकायत के बाद उन्हें लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल, उन्हें डॉक्टर्स की निगरानी में रखा गया है।

मथुरा: 24 वर्षीय युवक ने 4 साल बड़ी लिव-इन पार्टनर का घोंटा गला, फिर खुद की भी दे दी जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मथुरा. उत्तरप्रदेश के मथुरा में एक युवक ने 28 वर्षीय लिव-इन पार्टनर की हत्या कर दी. फिर खुद भी सुसाइड कर लिया. बताया जाता है कि दोनों के बीच कुछ दिनों से अनबन चल रही थी और महिला ने उसके खिलाफ छेड़छाड़ का आरोप लगा कर थाने में शिकायत भी दर्ज कराई थी. मथुरा के वृंदावन में एक 24 वर्षीय युवक ने कथित तौर पर अपनी 28 वर्षीय लिव-इन पार्टनर की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. अधिकारी के मुताबिक यह जोड़ा पिछले दो सालों से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था. हालांकि, उनके रिश्ते में तब तनाव आ गया जब महिला ने युवक के खिलाफ छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी. सर्किल ऑफिसर (सदर) प्रीतम पाल सिंह ने बताया कि राधिका (28) नाम की महिला अपने पति से तलाक के बाद दुर्गापुरम कॉलोनी में सुभाष ठाकुर नाम के युवक के साथ एक किराए के कमरे में रह रही थी. किसी बात पर अनबन होने के बाद, राधिका ने कुछ दिन पहले ही ठाकुर के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी. जिसमें उसने ठाकुर पर छेड़छाड़ और पीछा करने का आरोप लगाया था.



पहले पत्नी का घोंटा गला, फिर खुद लगा ली फांसी

इससे गुस्सा होकर ठाकुर ने कथित तौर पर राधिका का गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी और उसके बाद खुद भी फांसी लगा ली. इस घटना का पता शनिवार रात को तब चला, जब राधिका की बहन अनीता ने उसे कई बार फोन करने की कोशिश की. लेकिन उसने फोन नहीं उठाया. इसके बाद अनीता ने पड़ोसियों से राधिका को जाकर देखने के लिए कहा.

खिड़की से कमरे के अंदर एक शव पड़ा देखकर पड़ोसियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी. जब पुलिस ने दरवाजा तोड़कर घर में प्रवेश किया, तो उन्हें राधिका का शव बिस्तर पर पड़ा मिला, जबकि ठाकुर फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला. पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि ठाकुर ने अपनी पार्टनर की हत्या की और उसके बाद खुद फांसी लगाकर अपनी जान दे दी.

फूलों से सजी कार में दूल्हे की हत्या, विंडशील्ड को पार कर सीने में धंसी गोली... दुल्हन का रिश्तेदार दे चुका था धमकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जौनपुर। शादी का घर रोशनी से जगमगा रहा था. ढोल-नगाड़ों की थाप पर रिश्तेदार झूम रहे थे. फूलों से सजी कार में दूल्हा आजाद बिंद अपनी जिंदगी के सबसे खूबसूरत सफर पर निकला था. कौन सोच सकता था कि यह सफर सात फेरों तक नहीं, बल्कि मौत के दरवाजे तक जाएगा. कार में सवार होकर निकले दूल्हे की घर से 5 किलोमीटर दूर गोली मारकर जान ले ली गई. इस वारदात को दुल्हन के रिश्तेदार ने अंजाम दिया था. सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के बड़अउर गांव के रहने वाले आजाद बिंद की शादी खेतासराय थाना क्षेत्र के बीबीपुर गांव की लड़की से तय हुई थी. घर में उत्सव का माहौल था. बारात धूमधाम से निकली. दूल्हा फूलों से सजी कार में बैठा था और परिवार के लोग पीछे-पीछे चल रहे थे. लेकिन घर से करीब पांच किलोमीटर दूर नेशनल हाइवे पर पहले से घात लगाए बदमाश इंतजार कर रहे थे. जैसे ही दूल्हे की कार वहां पहुंची, बाइक सवार हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी. एक गोली कार की विंडशील्ड को चीरते हुए सीधे आजाद के सीने में जा धंसी.



दूसरी गोली जबड़े में लगी. कुछ ही सेकंड में खुशियों से भरी कार चीखों से गूंज उठी. बाराती कुछ समझ पाते, उससे पहले हमलावर अंधेरे में फरार हो चुके थे. खून से लथपथ आजाद को तुरंत निजी अस्पताल ले जाया गया. हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. दूल्हे की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया. जिस घर में शहनाइयां बजनी थीं, वहां मातम पसर गया. दो दिन पहले मिली थी धमकी पुलिस ने जब इस मामले की जांच की तो पता चला कि दुल्हन का एक रिश्तेदार प्रदीप बिंद इस शादी से नाराज था. उसने आजाद को दो दिन पहले ही आजाद को शादी न करने को लेकर धमकी दी थी. पूछताछ के लिए दुल्हन को भी थाने बुला लिया गया. पुलिस टीम ने दुल्हन से घंटों पूछताछ की. दुल्हन का मोबाइल भी खंगाला गया. पूछताछ के दौरान दुल्हन ने खुलासा किया कि उसका रिश्तेदार प्रदीप शादी से नाराज था, इसीलिए उसने अपने दोस्त के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया. प्रदीप बिंद का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है. उस पर आरोप है कि वह पहले भी हत्या कर चुका है. जौनपुर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र में रहने वाले गोपाल शर्मा की जनवरी 2025 में सुपारी देकर हत्या कराई गई थी. प्रदीप ने अपने 2 साथियों के साथ 8 लाख रुपये में वारदात को अंजाम दिया था. घटना को अंजाम देने के लिए 28 हजार रुपये में पिस्टल और 600 रुपये का कारतूस खरीदा गया था. प्रदीप जमानत पर बाहर था.

पुलिस ने घोषित किया इनाम

मुख्य आरोपी प्रदीप बिंद और रवि यादव फरार हैं. दोनों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है. तीसरे आरोपी भोला राजभर की तलाश भी जारी है. जौनपुर पुलिस की कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं दो डॉक्टर के पैनल द्वारा आजाद का पोस्टमार्टम शनिवार शाम करीब 5 बजे वीडियोग्राफी के साथ कराया गया. इसमें पता चला कि आजाद को दो गोलियां लगी थीं. एक गोली पीठ से होकर सीने में फंस गई थी, जबकि दूसरी जबड़े को चीरते हुए बाहर निकल गई. शनिवार शाम कड़ी सुरक्षा के बीच शव का अंतिम संस्कार कराया गया. अब पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है. वहीं, परिवार सदमे में है. जौनपुर एसपी कुंवर सिंह कहना है कि शादी से नाखुश दुल्हन के रिश्तेदार ने वारदात को अंजाम दिया है. परिजन से मिली तहरीर के आधार पर प्रदीप और दो आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है. आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया है. तीसरे आरोपी की पहचान जपटापुर के रहने वाले भोला राजभर के रूप में हुई है. प्रदीप बिंद और रवि यादव बारात निकलने के बाद लगातार भोला से लोकेशन ले रहे थे.

UP में जल्द हो सकता है मंत्रिमंडल विस्तार : दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक दिल्ली पहुंचे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार जल्द ही हो सकता है। पश्चिम बंगाल चुनाव नतीजों के बाद योगी आदि?यनाथ सरकार में कुछ नए मंत्री शामिल हो सकते हैं। शनिवार को दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी दिल्ली रवाना हो गए। सूत्रों के अनुसार, तीनों राष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात करेंगे। इससे यूपी में बड़े बदलावों की चर्चा फिर तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कई बदलावों पर मंत्रणा हो सकती है। चुनाव की तैयारी, यूपी मंत्रिमंडल विस्तार के साथ क्षेत्रीय संतुलन पर मंथन हो सकता है। खासतौर से पश्चिमी यूपी के समीकरण साधने और क्षेत्रीय संतुलन पर चर्चा होगी। मंत्रिमंडल में शामिल हो सकते हैं नए चेहरे पश्चिम बंगाल चुनाव निपटाने के बाद भाजपा का पूरा ध्यान अब उत्तर प्रदेश पर है। सूत्रों का कहना है कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कई मंत्रियों के विभागों में बदलाव हो सके हैं। मंत्रिमंडल में कुछ नए चेहरों को भी शामिल किया जा सकता है। इसके साथ ही पंकज चौधरी के नेतृत्व वाली यूपी बीजेपी संगठन में भी एक नई टीम देखने को मिल सकती है। बताया जा रहा है कि जिन नेताओं ने संगठन को मजबूत करने में अहम योगदान दिया है, उनको सरकार में जगह मिल सकती है। इसके अलावा संगठन को और मजबूत करने, बूथ स्तर पर पकड़ बनाने और चुनावी मुद्दों को धार देने पर चर्चा होगी।



अप्रैल में विनोद तावड़े ने सीएम योगी से की थी मुलाकात

बीते अप्रैल में भाजपा भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक विनोद तावड़े ने सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। माना गया कि तावड़े ने सीएम से प्रदेश भाजपा की नई टीम, निगम-आयोग में खाली पदों पर नियुक्ति के साथ मंत्रिमंडल विस्तार में शामिल होने वाले संभावित चेहरों को लेकर चर्चा की। वह वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा से भी मिले थे।

खराब कामकाज वाले मंत्रियों को संगठन में भेजा जा सकता है

कई मंत्रियों के कामकाज से संगठन खुश नहीं है। माना जा रहा है कि जिनका काम खराब है, उन्हें संगठन में भेजा जा सकता है। कुछ को केंद्रीय संगठन और कुछ को प्रदेश संगठन में मौका मिल सकता है। वहीं, संगठन में जिन्हें एमएलसी या विधायक बनाया जा चुका है, उन्हें संगठन के काम से मुक्त किया जा सकता है।

'नई पहचान' का खेल: चोरी की कारों का बड़ा सिंडिकेट बेनकाब, मास्टरमाइंड समेत 10 गिरफ्तार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: चोरी की गई लग्जरी कारों को 'नई पहचान' देकर देशभर में बेचने वाले संगठित नेटवर्क का क्राइम ब्रांच ने भंडाफोड़ किया है। यह हाई-टेक रैकेट चोरी की गाड़ियों के चेसिस और इंजन नंबर बदलकर फर्जी दस्तावेज तैयार करता था और उन्हें असली गाड़ियों की तरह दोबारा रजिस्टर कर बेच देता था। पुलिस ने इस सिंडिकेट के 10 मेंबरों को गिरफ्तार किया है और इनके पास से 31 हाई-एंड गाड़ियां बरामद की गई हैं। डीसीपी (क्राइम) आदित्य गौतम के अनुसार, इस रैकेट का खुलासा अगस्त 2025 में पीतमपुरा से चोरी हुई एक हुंडई क्रेटा की जांच के दौरान हुआ। एसीपी रमेश लांबा की देखरेख में इंस्पेक्टर मनमीत मलिक की टीम ने जांच में पाया कि गैंग पहले चोरी या लोन डिफॉल्ट गाड़ियां हासिल करता था। इसके बाद एक्सपर्ट मिकैनिक की मदद से चेसिस और इंजन नंबर बदलकर नई पहचान दी जाती थी। फिर फर्जी फॉर्म-21, नकली बैंक एनओसी और अन्य दस्तावेज तैयार कर गाड़ियों को वैध दिखाया जाता था। जांच में सामने आया कि ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के कुछ कर्मचारी और एजेंट भी इसमें शामिल थे, जो 'वाहन' पोर्टल पर इन गाड़ियों को वैध दिखाकर दोबारा रजिस्ट्रेशन कराते थे। इसके बाद इन्हें असली बताकर खरीदारों को बेच दिया जाता था। यह सिंडिकेट अब तक 1000 से ज्यादा गाड़ियां बेच चुका है। इससे आम लोगों, बैंकों और फाइनेंस कंपनियों को भारी नुकसान हुआ है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। गिरोह का मास्टरमाइंड दमनदीप सिंह उर्फ लकी (42) है, जो जालधर में सेकंड हैंड कारों का कारोबार करता था। वही चोरी की गाड़ियों की खरीद, चेसिस नंबर बदलने, फर्जी कागजात तैयार कराने, रजिस्ट्रेशन और बिक्री तक पूरे नेटवर्क को ऑपरेट करता था। इस नेटवर्क में सॉफ्टवेयर इंजिनियर से एजेंट बने लोग, ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट का क्लर्क, कार डीलर, मिकैनिक और बिचौलिए शामिल थे। यह रैकेट लंबे समय तक पुलिस से बचकर करोड़ों रुपये का कारोबार करता रहा।

अल फलाह ट्रस्ट पर ED का बड़ा एक्शन, ?493 करोड़ की अवैध कमाई का खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली. लाल किला ब्लास्ट के बाद जांच के घेरे में आई 'अल फलाह ट्रस्ट' मनी लॉन्ड्रिंग केस में शनिवार को साकेत कोर्ट ने जवाद अहमद सिद्दीकी की रेगुलर बेल अर्जी खारिज कर दी। उन्होंने मनी लॉन्ड्रिंग केस में रेगुलर बेल मांगी थी। ED ने उनके खिलाफ पहले ही चार्जशीट फाइल कर दी है। इस केस में ED के आधिकारिक सूत्रों NBT को पता चला है कि अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़े पैमाने पर वित्तीय और शैक्षणिक अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। यह जांच PMLA के तहत शुरू की गई, जो लाल किला ब्लास्ट केस से जुड़ी दिल्ली पुलिस की एफआईआर के आधार पर दर्ज हुई थी। ईडी की जांच में सामने आया कि यूनिवर्सिटी के तहत संचालित मेडिकल कॉलेज अल फलाह स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर में बड़े घपले किए गए। यहां 'ऑन-पेपर' फैकल्टी, फर्जी रिकॉर्ड, फेक मरीजों और इंस्पेक्शन में की गई धांधली के जरिए 'नेशनल मेडिकल कमिशन' से मंजूरी हासिल की गई।



493.24 करोड़ की अवैध कमाई

ईडी के मुताबिक यह पूरा सिस्टम छात्रों, अभिभावकों और रेगुलेटरी बॉडी को गुमराह करने के लिए बनाया गया था। जिससे गलत जानकारी के आधार पर एडमिशन लेकर भारी फीस वसूली जा सके। ED के मुताबिक अल फलाह यूनिवर्सिटी ने 'नेशनल असेसमेंट एंड एक्रिडिएशन काउंसिल' की समाप्त हो चुकी मान्यता को वैध बताकर प्रचारित किया। इसके अलावा यूनिवर्सिटी ग्रांट कमिशन एक्ट की धारा 12 के तहत मान्यता होने का भी फर्जी दावा किया। ED के मुताबिक, इस फ्रॉड के जरिए अब तक करीब 493.24 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की पहचान की गई है। इनमें से 179.4 करोड़ रुपये की संपत्ति को ईडी ने कुर्क कर लिया है। कुर्क की गई संपत्तियों में यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग और जमीन, आरोपियों के आवासीय परिसर, बैंक बैलेंस, फिक्स्ड डिपॉजिट और शेयर होल्डिंग शामिल हैं। दूसरे लोगों की भी हो रही पहचान ED के मुताबिक यूनिवर्सिटी का चांसलर एक अन्य एफआईआर में भी आरोपी है, जो यूएपीए के तहत दर्ज है। जिसके तहत विस्फोटक सामग्री तैयार करने और आतंकियों को पनाह देने जैसे गंभीर आरोप हैं। ये आतंकी लाल किला ब्लास्ट से जुड़े हुए थे। ED ने बताया कि जांच जारी है और एजेंसी इस पूरे नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों और संपत्तियों की भी पहचान कर रही है। यह मामला न केवल वित्तीय धोखाधड़ी बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर पहलुओं को भी उजागर करता है।

कोई बेड से नहीं उठ सका, कोई सीढ़ियों पर झुलसा... दिल्ली AC

कोई बेड से नहीं उठ सका, कोई सीढ़ियों पर झुलसा... दिल्ली



महानगर मेट्रो ब्यूरो

विवेक विहार। दिल्ली के विवेक विहार में एक चार मंजिला इमारत में भयंकर आग लग गई. इस हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत हो गई है और कई घायल है. आग इतनी तेज थी कि बिल्डिंग में सो रहे लोगों को अपनी जान बचाने का मौका तक नहीं मिला. किसी का शव बेड पर मिला तो कोई सीढ़ियों पर खाक पाया गया. इमारत के सेकेंड फ्लोर में पीछे की तरफ लगे एसी में ब्लास्ट हो गया था. इसकी वजह से तड़के करीब 3:30 बजे आग लग गई. आग इतनी तेज थी कि इसने तीसरे फ्लोर को अपनी चपेट में लिया. लोगों ने अपनी जान बचाने की कोशिश तो की, लेकिन वो कामयाब नहीं हो पाए. तीसरे फ्लोर में रहने वाला परिवार अपनी जान बचाने के लिए छत की तरफ भागे थे. लेकिन छत का दरवाजा बंद था जिसकी वजह से वो वहीं फंसे रह गए और उनकी सीढ़ियों पर ही झुलसकर मौत हो गई. जिस फ्लोर पर आग लगी, वहां भी चार लोग मौजूद थे जिनकी भी जलकर मौत हो गई. बिल्डिंग के आगे की तरफ रहने वाले लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया, लेकिन पीछे की तरफ रहने वाले लोग रेस्क्यू नहीं कर पाए. मृतकों की बॉडी इस हद तक झुलस गई है कि शवों की पहचान करना मुश्किल हो गया है. फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि तीन लोगों का शव बिस्तर पर मिला है, इसका मतलब आग इतनी भीषण थी कि उन्हें बिस्तर से उठने का भी मौका नहीं मिला और जलने से उनकी मौत हो गई. पुलिस ने अब तक 9 लोगों की मौत की पुष्टि की है और ये आंकड़ा बढ़ सकता है. यहां रात को 3 बजे के करीब आग लगी थी और बहुत तेज आग थी जब मैं 5 बजे उठकर आया और मैंने देखा तो बहुत तेज आग थी. मैंने वीडियो भी बनाया था. पीछे सरिया काटकर दो-तीन लोगों को बाहर निकाला गया, एक बच्ची और एक महिला को सुरक्षित निकाला गया. पुलिस कह रही है

अटल सेतु के उल्वे से गेटवे ऑफ इंडिया तक तैरकर पार किया समुद्र, 9 साल की अनैया ने तैराकी में बनाया रेकॉर्ड



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नवी मुंबई। डोंबिवली निवासी 9 साल की अनैया जगदीश कुंती कारकर ने उल्वा से गेटवे ऑफ इंडिया तक लगभग 17 किलोमीटर का समुद्री सफर तैरकर 4 घंटे इतिहास रच दिया है। ओमकार इंटरनैशनल स्कूल में कक्षा पांचवीं की छात्रा बचपन से ही तैराकी का शौक है। जब वह लगभग छह वर्ष की थीं, तो परिजनों ने उनका ऐडमिशन डोंबिवली के एक स्विमिंगक्लास में कराया था।

हालांकि, पारिवारिक दिक्कतों के चलते बीच में कुछ समय के लिए अनैया को तैराकी की ट्रेनिंग रोकनी पड़ी। लेकिन जब उन्होंने दोबारा तैरना शुरू किया, तो समंदर पारने जैसा साहसी कार्य कर हमउम्र बच्चों के लिए प्रेरणा बन गईं।

रात 2 बजे तैराना शुरू किया

हालिया कारनामे में अनैया ने 1 मई की रात करीब 2 बजे अटल सेतु के पास उल्वे से अपना तैराकी का सफर शुरू किया और सुबह करीब 6 बजे वह गेटवे ऑफ इंडिया पहुंच गई। इतनी कम उम्र में इतना बड़ा समुद्री सफर तय करने पर अनैया के साहस की चौतरफा सराहना हो रही है।

हमें अपनी बिटिया पर नाज है। अनैया अब इंग्लिश चैनल पार करने की तैयारी में है। वह जो भी चुनौती स्वीकार करेगी, मैं हर हाल में उसका साथ दूंगी। कुंती कारकर (अनैया की मां)

6 महीने से रोज साढ़े तीन घंटे तैर रही थीं अनैया

इस चुनौती के लिए वह पिछले 6 महीने से लगातार तैयारी कर रही थीं और इससे पहले चार बार समंदर में अभ्यास कर चुकी थीं। अब उनकी इच्छा इंग्लिश चैनल पार करने की है, जिसकी तैयारी वह शुरू कर चुकी हैं। अनैया के ट्रेनर विलास माने और रवि नवले ने बताया है कि वह 6 महीने से रोजाना 3 से साढ़े 3 घंटे तक कड़ी प्रैक्टिस कर रही थीं। डोबिवली के यश जिमखाना स्विमिंग पूल में उनकी नियमित ट्रेनिंग होती थी। विलास और रवि ने उनके हौसले को सैल्यूट करते हुए कहा कि जिमखाने के बाहर 'ओपन सी' कॉम्पिटिशन से जुड़े पोस्टर लगे रहते थे। छह महीने की कड़ी मेहनत के बाद अनैया ने समंदर पर 17 किलोमीटर का लंबा सफर तय किया है। अनैया की इस उपलब्धि ने गौरवान्वित किया है। वह रोजाना साढ़े 3 घंटे कड़ी प्रैक्टिस करती थी, तब जाकर यह सफलता मिली है। विलास माने/रवि नवले (अनैया के ट्रेनर)

अनैया रोजाना ये पोस्टर देखा करती थी, वहीं से प्रेरणा लेकर उन्होंने अपने परिजनों से कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेने की इच्छा जाहिर की थी। उनके पैरंट्स ने भी उन्हें लगातार हौसला दिया, फिर उन्होंने तैराकी जोरदार तैयारी शुरू की और यह बड़ा कारनामा कर दिखाया।

मुंबई में 30 घंटे पानी की सप्लाई बंद! 5 से 6 मई तक 6 वार्ड होंगे प्रभावित, कुर्ला, घाटकोपर और परेल समेत पूरी लिस्ट देखें



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबईकरों को गर्मी के मौसम के ठीक बीच में पानी के संकट का सामना कर रहा है। क्योंकि कई इलाकों में पानी की सप्लाई पूरे 30 घंटों के लिए बंद रहेगी। नगर निगम ने वडाला के अमर महल से लेकर प्रतीक्षा नगर तक एक नई पानी की पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया है। इसके चलते 5 और 6 मई को खास तौर पर अगले मंगलवार और बुधवार को कुछ वार्डों में 30 घंटे की पानी की कटौती लागू की जाएगी।

कौन से वार्ड प्रभावित होंगे? इन इलाकों में 30 घंटों तक पानी की सप्लाई बंद रहेगी : उत्तरी मुंबई में माटुंगा, सायन और वडाला, दक्षिण में परेल और सेवरी, 'ऱु' वार्ड में कुर्ला और साकी नाका, पूर्व में गोवंडी और मानखुर्द, पश्चिम में चेंबूर और 'ह्' वार्ड में घाटकोपर, विक्रोली और विद्याविहार। पानी की सप्लाई में यह पूरी तरह से रुकावट मंगलवार 5 मई को सुबह 10:00 बजे से लेकर बुधवार 6 मई को शाम 4:00 बजे तक रहेगी।

टनल बनाने के काम के लिए सप्लाई बंद

मुंबई नगर निगम ने वडाला के अमर महल से लेकर प्रतीक्षा नगर तक एक नई टनल बनाने का काम शुरू किया है। यह नई टनल परेल-ट्रॉम्बे जलाशय से जुड़ेगी। इसके अलावा इस टनल का विस्तार टर्भे में स्थित हाई-लेवल जलाशय तक किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट में 1,800 मिमी व्यास वाली एक टनल के निर्माण के साथ-साथ अन्य संबंधित कार्य भी शामिल हैं।

निगम ने लोगों से की अपील

इस टनल के निर्माण को आसान बनाने के लिए टर्भे में स्थित हाई-लेवल और लो-लेवल जलाशयों से होने वाली पानी की सप्लाई को कुछ समय के लिए बंद कर दिया जाएगा। यह काम इन 30 घंटों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद पानी की सप्लाई फिर से शुरू कर दी जाएगी। इसलिए नगर निगम ने लोगों को सलाह दी है कि वे पहले से ही पर्याप्त मात्रा में पानी जमा करके रख लें और इस दौरान पानी का बहुत ही सावधानी से इस्तेमाल करें।

किन डिवीजनों में सप्लाई बंद रहेगी?

F/नॉर्थ वार्ड: प्रतीक्षा नगर, शास्त्री नगर, संजय गांधी नगर, शांति नगर, एचएम रोड, केडी गायकवाड़ नगर, वडाला ट्रक टर्मिनस, न्यू कफ परेड, अल्मेडा कॉम्प्लेक्स, सायन पूर्व और पश्चिम।

एफ/साउथ वार्ड: डॉ बाबासाहेब अंबेडकर मार्ग, दिनशॉ पेटिट मार्ग, परमार गुरुजी मार्ग, गोखले मार्ग, दादासाहेब फाल्के मार्ग, गोविंदजी केनी मार्ग, जेरबाई वाडिया मार्ग, बीजे देओरुखकर मार्ग, सेंट पॉल मार्ग, सेंट जेवियर मार्ग, खाशाबा मार्ग, महादेव पालव मार्ग, जिजीभोय लेन, आचार्य डोंडे मार्ग, विट्ठल चव्हाण मार्ग, जगन्नाथ भटनकर मार्ग, बटलीवाला गली, शिरोडकर मार्ग, चिवड़ा गली, साने गुरुजी मार्ग, आनंद मालवंकर मार्ग, गैस कंपनी गली।

एल वार्ड: सेबल नगर, संतोषी माता नगर, क्रांतिनगर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, न्यू तिलक नगर, कुरेशी नगर, हिल मार्ग, ताड़ी पेठ, मुक्तादेवी मार्ग, गावदेवी मंडल, पंचशील नगर, नेहरू नगर, शिव सृष्टि मार्ग, नाइक नगर, मदर डेयरी मार्ग, एस.जी. बर्वे मार्ग, कुर्ला पूर्व केदारनाथ मंदिर रोड, नवारे बाग, कामगार नगर, हनुमान नगर, पुलिस कॉलोनी, कुर्ला कार शेड, रेलवे कॉलोनी, तक्षशिला नगर, चाफे गली, राहुल नगर, एवरर्ड नगर, पान बाजार, त्रिमूर्ति मार्ग, वी.एन. पूरव मार्ग, उमरवाड़ी मार्ग, अली दादा स्ट्रीट, स्वदेशी मिल चॉल, चूनाभट्टी फाटक, म्हाडा कॉलोनी, समर्थ नगर। यहां भी होगी दिक्कत इन इलाकों के अलावा नगर निगम के एम/ईस्ट वार्ड और एम/वेस्ट वार्ड में भी पीने के पानी की सप्लाई बाधित होने की संभावना है।

'वर्दी पहनने से जनता को डराने का हक नहीं मिलता', ट्रैफिक जाम में मंत्री से भिड़ने वाली महिला ने बताई उस दिन की पूरी कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें एक महिला ट्रैफिक जाम के बीच महाराष्ट्र के एक मंत्री से बहस करती दिख रही थी. इस वीडियो को लाखों लोगों ने देखा और महिला की तारीफ भी हुई. अब उस महिला ने खुद सामने आकर पूरी कहानी बताई है. उनका नाम है टीना चौधरी. उन्होंने बताया कि डेढ़ घंटे तक पुलिस ने उनकी एक नहीं सुनी, उनकी बच्ची अकेली इंतजार कर रही थी और तब जाकर यह नौबत आई. टीना ने बताया कि उन्होंने वहां मौजूद हर पुलिसवाले के पास जाकर मदद मांगी. लेकिन किसी ने कोई जवाब नहीं दिया,कि 'मैं हर एक पुलिस अधिकारी के पास गई, कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, किसी ने नहीं सुना.' वीडियो में एक पल था जब उन्होंने एक बोतल जमीन पर पटकी. उन्होंने इसकी वजह बताई कि यह पुलिस का ध्यान खींचने की कोशिश थी क्योंकि कोई दूसरा तरीका काम नहीं कर रहा था. टीना चौधरी उस दिन अपनी बेटी को म्यूजिक क्लास छोड़ने गई थीं. शाम 4 बजे उन्होंने बेटी को छोड़ा और 4 बजकर 45 मिनट पर वापस लेने जाना था. लेकिन जब वो वापस निकलीं तो एक जगह के पास उनकी गाड़ी ट्रैफिक जाम में फंस गई. 25 मिनट तक गाड़ी में बैठी रहीं लेकिन कोई हलचल नहीं हुई. तब वो गाड़ी से उतरकर देखने गईं कि माजरा क्या है. पता चला कि दो बसें रास्ते में खड़ी हैं और हिल नहीं रही हैं.

मंत्री से मुलाकात कैसे हुई?

शाम 6 बजकर 15 मिनट हो चुके थे. टीना को अपनी बेटी की चिंता सता रही थी जो अकेले इंतजार कर रही थी. तब उनका सामना महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन से हुआ जो उसी इलाके में किसी रैली में थे. टीना ने कहा कि 'उस पूरी रैली में मिस्टर महाजन अकेले ऐसे इंसान थे जिन्होंने कम से कम मेरी बात सुनने की कोशिश की.' और महाजन के कहने पर ही दोनों बसें हटाई गईं और रास्ता खुला.

फौजी परिवार से हैं टीना

टीना ने अपने परिवार के बारे में भी बताया. उनके दादा ने भारतीय सेना में सेवा की. उनके पिता ने भारतीय सेना में सेवा की और दो युद्ध लड़े. उनके पूरे परिवार में 8 लोग सेना में रहे हैं. उन्होंने यह इसलिए बताया ताकि पुलिस और सरकारी सेवा को लेकर अपनी बात समझाई जा सके. उनका कहना था कि 'जब आप वर्दी पहनते हैं तो आप जनसेवा में होते हैं. इससे आपको बेइज्जती करने या डराने



का अधिकार नहीं मिलता.'

वायरल होने के बाद क्या कहा?

टीना को बहुत सारे संदेश आए. लोग उनकी सुरक्षा की चिंता कर रहे थे. उन्होंने बताया कि वो ठीक हैं और सबके प्यार और समर्थन के लिए आभारी हैं. उन्होंने लोगों से अपील की कि इस घटना को किसी एक पार्टी के खिलाफ हथियार मत बनाओ. उनके शब्द थे कि 'मेरे कंधे का इस्तेमाल निशाना लगाने के लिए मत करो.

13 माह के मासूम के गले में फंसा कोल्ड्रिंक का ढक्कन, 2 घंटे तक अटकी रही सांसे, डॉक्टरों ने समय रहते बचाई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के कसरावद क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब 13 माह के एक मासूम बच्चे ने खेलते-खेलते कोल्ड ड्रिंक की बोतल का ढक्कन निगल लिया। यह ढक्कन बच्चे के गले में करीब दो घंटे तक फंसा रहा, जिससे उसे सांस लेने में गंभीर दिक्कत होने लगी। हालांकि, जिला अस्पताल के डॉक्टरों की तत्परता और सूझबूझ से समय रहते सफल उपचार कर बच्चे की जान बचा ली गई। शनिवार शाम बच्चे को स्वस्थ हालत में डिस्चार्ज कर दिया गया।

शादी समारोह में मचा हड़कंप

जिला अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शशिकांत पटीदार के अनुसार



कसरावद तहसील के ग्राम बेजापुर निवासी प्रवीण पटेल अपनी पत्नी और 13 माह के बेटे शिवाय के साथ ग्राम सिलोटिया में एक रिश्तेदार के यहां आयोजित शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। शुक्रवार को समारोह के दौरान खेलते समय बच्चे ने पास पड़ी कोल्ड ड्रिंक की बोतल का ढक्कन उठाकर मुंह में डाल लिया, जो अचानक उसके गले में फंस गया। इसके बाद बच्चे को तेज खांसी और घुटन होने लगी, जिससे परिजन घबरा गए।

जिला अस्पताल में किया रेफर

परिजनों ने पहले अपने स्तर पर ढक्कन निकालने का प्रयास किया, लेकिन इससे स्थिति और बिगड़ गई और ढक्कन गले में और अंदर फंस गया। बच्चे की हालत बिगड़ती देख उसे तत्काल टांडाबरूड़ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल खरगोन रेफर कर दिया। जिला अस्पताल के पीआईसीयू वार्ड में भर्ती किए जाने के बाद शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. शशिकांत पाटीदार और उनकी टीम ने तुरंत उपचार शुरू किया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बिना समय गंवाए विशेष प्रक्रिया अपनाई गई। डॉक्टरों ने कैथेटर की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे के लैरिंक्स (स्वरयंत्र) में फंसे ढक्कन को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सूज गया था गला ढक्कन निकलते ही बच्चे की सांस सामान्य हो गई.

दरिंदगी के बाद हत्या, शव छिपाया... पुणे केस में NCW की एंट्री, क्या-क्या हुआ अब तक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे से आई एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है. 4 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है. इस घटना ने एक बार फिर देश में बच्चियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. राष्ट्रीय महिला आयोग ने इस वीभत्स घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह न सिर्फ एक जघन्य अपराध है बल्कि बच्चों के अधिकारों का गंभीर उल्लंघन भी है. आयोग ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग से भी मामले की निगरानी करने को कहा है. राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने अपने एक्स हैंडल पर कहा कि इस मामले में सख्त कार्रवाई जरूरी है और दोषियों को जल्द सजा मिलनी चाहिए. साथ ही, पीड़ित परिवार को तुरंत सहायता और मुआवजा देने पर भी जोर दिया गया है.

क्या है पूरा मामला

पुलिस के अनुसार यह घटना पुणे जिले की है. यहा रहने वाला एक 65 वर्षीय मजदूर ने कथित तौर पर बच्ची को खाने का लालच देकर अपने साथ ले गया. इसके बाद उसने एक पशुशाला में उसके साथ दुष्कर्म किया और हत्या कर दी. आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे 7 मई तक पुलिस कस्टडी में भेजा गया है. पुलिस का कहना है कि आरोपी का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है. जब बच्ची अचानक लापता हुई तो परिवार ने तलाश शुरू की. जांच के दौरान पास के एक घर के ष्ठष्टञ्जङ्क फुटेज में आरोपी बच्ची को ले जाते हुए दिखाई दिया. इसी आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया. बाद में बच्ची का शव पशुशाला में छिपा हुआ मिला. घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा देखा गया. सैकड़ों ग्रामीणों ने पुलिस चौकी के बाहर प्रदर्शन किया और आरोपी को फांसी देने की मांग की. प्रदर्शनकारियों ने मुंबई-बेंगलुरु हाईवे को जाम कर दिया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ. लोगों ने पोस्टमार्टम से पहले ही न्याय की मांग करते हुए पुलिस के खिलाफ नाराजगी जताई. पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले में 15 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल की जाएगी और केस को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाएगा. यह मामला पोस्को



एक्ट और भारतीय न्याय संहिता के तहत दर्ज किया गया है. फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई की तैयारी इस घटना पर कई राजनीतिक नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है और आरोपी के लिए सबसे कठोर सजा की मांग की है. साथ ही, राज्य में सख्त कानून लागू करने की जरूरत पर भी जोर दिया गया है. पुणे की यह घटना सिर्फ एक आपराधिक मामला नहीं, बल्कि समाज की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल है. एनसीडब्लू की सक्रियता से उम्मीद जरूर जगी है, लेकिन असली चुनौती है ऐसे अपराधों को रोकना और बच्चियों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करना.

देर रात मध्य प्रदेश में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी, 62 IPS अधिकारियों के ट्रांसफर, 21 जिलों के SP बदले गए

IPS Transfers मध्य प्रदेश सरकार ने शनिवार देर रात बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की है। मध्य प्रदेश में 62 IPS अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। 21 जिलों के SP को भी बदला गया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने शनिवार देर रात बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की है। राज्य के 62 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। कई जिलों के पुलिस अधीक्षक भी बदल दिए गए हैं। शनिवार देर रात गृह विभाग द्वारा जारी लिस्ट में ष्ठ्ठ से लेकर DIG, SP और DCP लेवल के अधिकारी शामिल हैं। सरकार ने 21 जिलों के पुलिस अधीक्षक बदले दिए हैं। इसके साथ ही पुलिस मुख्यालय स्तर पर भी फेरबदल किया गया है।

13 पुलिस अधीक्षक पदोन्नत

एडीजी प्रशिक्षण राजा बाबू सिंह को एडीजी रेल बनाया गया है। वही एडीजी रेल रवि गुप्ता को प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी गई है। छह जिलों के पुलिस अधीक्षकों को दोबारा कप्तानी मिली है। जिन पुलिस अधीक्षकों को



बदल गया है, उन में कुछ ऐसे भी हैं जिनमें तीन वर्ष पूरे हो गए थे। साथ ही 13 पुलिस अधीक्षक डीआईजी के पद पर पदोन्नति होने के कारण उनकी जगह नई पदस्थापना की गई है।

सिंगरौली SP भी हटाए गए

सिंगरौली बैंक डकैती कांड के बाद SP मनीष खत्री को हटा दिया गया है। उन्हें AIG PHQ बनाया गया है। सिवनी जिले के हवाला कांड के बाद SP सुनील मेहता को भी हटा दिया गया है। उन्हें DCP इंदौर बनाया गया है। मध्य प्रदेश में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी 62 IPS अधिकारियों के तबादले देर रात जारी हुई ट्रांसफर लिस्ट कई जिलों के बदले गए पुलिस अधीक्षक

किसे किस जिले की मिली जिम्मेदारी

सूरज वर्मा को भिंड, यांगचेन डोलकर को शिवपुरी, गुरकरण सिंह को रीवा, अनुराग सुजानिया को सागर, सचिन शर्मा को धार, धर्मराज मीणा को मुरैना, रजत सकलेचा को छतरपुर, अनूप जैन को खंडवा, राजेश व्यास को नीमच, प्रकाश चन्द्र परिहार को पांढुर्ना, दिलीप कुमार सैनी को आगर मालवा, विक्रांत मुरावे को अनूपपुर, सुरेन्द्र कुमार जैन को मऊगंज, आशीष खरे को डिंडोरी, राजेश रघुवंशी को मंडला, मयूर खंडेलवाल को दतिया, सोनाक्षी सक्सेना को सीहोर, शिराज केएम को सिंगरौली, आनंद कलादगी को दमोह और कृष्ण लांछनदानी को सिवनी और देवेंद्र कुमार पाटीदार को झाबुआ जिले का एसपी बनाया गया है।

अंतरराष्ट्रीय तनाव का फायदा उठाकर ऊंचे दाम पर बेचते थे गैस, पुलिस ने पकड़ा गिरोह



महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल. राजधानी की रातीबड़ पुलिस ने एक ऐसे शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जिसने अपने दोस्त के साथ मिलकर केवल घरेलू गैस सिलेंडरों की चोरी का 'बिजनेस' बना लिया था। ताज्जुब की बात यह है कि इन चोरों ने ईरान-इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव का फायदा उठाया, क्योंकि इससे गैस की सप्लाई प्रभावित हुई और इन्हें सिलेंडर के ऊंचे दाम मिलने लगे।

दिनदहाड़े सूने मकानों पर 'सर्जिकल स्ट्राइक'

रातीबड़ थाना प्रभारी आरबी शर्मा के मुताबिक, आरोपी सतीश राजपूत (24) और उसका फरार साथी राहुल शर्मा दिन के समय सूने घरों की रेकी करते थे। जैसे ही इन्हें पता चलता कि घर में कोई नहीं है, ये ताला तोड़कर अंदर घुसते और केवल गैस सिलेंडर लेकर चंपत हो जाते। सिलेंडर को बेचना और नकदी में बदलना इनके लिए आसान था। यह मामला 1 मई को तब सामने आया जब एक पीड़ित परिवार विदिशा में शादी अटेंड कर लौटा और घर के ताले टूटे मिले। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए करीब 125 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी सर्विलांस और मुखबिरों की मदद से सतीश को धर दबोचा गया।आरोपी ने पूछताछ में कबूला है कि वह और उसका साथी महंगी शराब पीने और अपनी लाइफस्टाइल को मेंटेन करने के लिए यह चोरियां करते थे। आरोपी पहले भी गैस सिलेंडर चोरी के मामले में जेल जा चुका है। आरबी शर्मा, थाना प्रभारी, रातीबड़ ईरान-इजरायल जंग का उठाया फायदा पुलिस की पूछताछ में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ। आरोपियों ने बताया कि ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध के कारण मार्केट में गैस की किल्लत की खबरें थीं। इस स्थिति का फायदा उठाकर वे चोरी के सिलेंडर को ऊंचे दामों पर ब्लैक में बेच देते थे।

भोपाल वालों को बिजली कटौती से मिलेगी राहत, बदले जा रहे हैं शहर के 162 ट्रांसफार्मर, MD ऋषि गर्ग ने दिए सख्त निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो



भोपाल। राजधानी के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। राजधानी में बढ़ती गर्मी और बिजली की भारी डिमांड को देखते हुए मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कमर कस ली है। शहर के सभी 27 जोनों में बिजली सप्लाई को बेहतर बनाने के लिए एक हफ्ते का सुधार अभियान शुरू किया गया है।

बिजली सिस्टम का फुल चेकअप

अक्सर गर्मी के मौसम में एसी और कूलर चलने से लोड बढ़ जाता है, जिससे ट्रांसफार्मर फुंकने और ट्रिपिंग की समस्या बढ़ जाती है। इसी का समाधान निकालने के लिए कंपनी ने 162 पुराने और खराब ट्रांसफार्मर बदलने का फैसला किया है। साथ ही 648 यूनिट्स पर 'लोड बैलेंसिंग' का काम भी हो रहा है ताकि किसी एक लाइन पर ज्यादा दबाव न पड़े।

छुट्टी के दिन भी एक्टिव रही टीमें

बिजली कंपनी के एमडी ऋषि गर्ग ने इस काम को एक हफ्ते के भीतर पूरा करने के सख्त निर्देश दिए हैं। आलम यह था कि 1 मई को सार्वजनिक अवकाश होने के बावजूद कर्मचारी और अधिकारी मैदान में डटे रहे। अभियान के पहले ही दिन 35 ट्रांसफार्मर बदले गए और 24 यूनिट्स की लोड बैलेंसिंग पूरी कर ली गई।

हमारा लक्ष्य शहर के सभी 162 ट्रांसफार्मर को बदलने और 648 यूनिट्स की लोड बैलेंसिंग का काम अगले तीन दिनों में पूरा करने का है। इससे तकनीकी खामियां कम होंगी और लोगों को बिना रुकावट बिजली मिल सकेगी। : बिजली कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार

क्या होगा इस मुहिम का फायदा?

अधिकारियों का मानना है कि इस कवायद के बाद बिजली का अघोषित रूप से जाना बंद हो जाएगा। बार-बार वोल्टेज कम-ज्यादा होने की वजह से जो उपकरण खराब होने का डर रहता था, उससे भी राहत मिलेगी। बिजली विभाग के बड़े अधिकारी खुद जमीन पर उतरकर इस काम की मॉनिटरिंग कर रहे हैं ताकि जनता को कम से कम परेशानी हो।

मैडम को चाहिए सामने वाले को थप्पड़ मारने वाला असिस्टेंट' MP की लेडी अफसर की पोस्ट पर हंगामा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश अजब है, सबसे गजब है ये बात एक बार फिर सही साबित हो रही है. इस बार गजब खबर राजधानी भोपाल से सामने आई है. भोपाल में पदस्थ मध्य प्रदेश राज्य प्रशासनिक सेवा की लेडी अधिकारी लक्ष्मी गामड़ का एक सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो रहा है. जिसमें उनको एक ऐसे असिस्टेंट की तलाश है जो उनके इशारे पर जरूरत के हिसाब से सामने वाले को दो चमाट (थप्पड़) रसीद कर सके. लक्ष्मी गामड़ ने सोशल मीडिया पर इसकी वैकेंसी ओपन बताते हुए संपर्क करने के लिए कहा है. उनकी इस पोस्ट पर उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल भी किया जा रहा है. एक यूजर ने लिखा कि आप प्रशासनिक अधिकारी हैं. आपको ऐसे पोस्ट मीडिया में डालने से बचना चाहिए. हालांकि, वहीं कई यूजर्स बोले बताइए मैडम जी कब से ज्वाइन करना है नौकरी?

पोस्ट पर अब लक्ष्मी गामड़ की आई सफाई

इस पोस्ट पर सफाई देते हुए लक्ष्मी गामड़ ने एक पोस्ट किया है. जिसमें उन्होंने लिखा कि मेरी एक चमाट वाली पोस्ट ने तहलका मचा दिया. कुछ लोग मुझे जज करने लग गए कि मुझे अपनी मर्यादा में रहना चाहिए. महिला ऑफिसर हूं इसलिए हदें होनी चाहिए. क्यों भाई अपने सम्मान और छेड़छाड़ के लिए नहीं बोलना चाहिए. मेरा मकसद ये संदेश ऐसे घटिया लोगों तक पहुंचाना था. वैसे मैं सफाई देने में विश्वास नहीं करती पर चुप रहने से लोग आपको कायर समझ लेते हैं और उनको और बढ़ावा मिल जाता है. आपको बता दें कि लक्ष्मी ने सफाई में एक व्यक्ति के मैसेज का स्क्रीन शॉट भी लगाया है. साथ ही उन्होंने लिखा कि आप बताओ अब ऐसे लोगों के लिए मैं तो गुस्सा कंट्रोल कर दो चमाट ही बोली.... आप क्या करते बाद में डिलीट कर दिया पोस्ट सोशल मीडिया पर जैसे ही यह पोस्ट वायरल हुई तो महिला अधिकारी ने चुपचाप इसे डिलीट कर दिया. आपको बता दें कि लक्ष्मी अलग-अलग रील बनाकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहती हैं.

क्रूज हादसा : चौथे दिन मिले चाचा-भतीजे के शव, अब मरने वालों की संख्या हुई 13

-मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल, अभी भी जारी सर्चिंग ऑपरेशन

धनबाद (एजेंसी)। जबलपुर,(ईएमएस)। जबलपुर के बरगी क्रूज हादसे में रविवार सुबह कामराज आर का शव निकाला गया। इससे पहले सुबह करीब 6 बजे उनके 8 साल के भतीजे मयूरन की डेडबॉडी मिली थी। वह त्रिची (तमिलनाडु) से आया था। हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले शनिवार शाम 6 बजे दो बच्चों के शव मिले थे। इनमें से एक की पहचान श्रीतमिल पिता कामराज (5) और विराज पिता कृष्ण सोनी (5) के रूप में हुई थी। हादसे के पहले दिन 4 शव, दूसरे दिन 5, तीसरे दिन 2 और चौथे दिन दो शव मिले। मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल हैं। सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि एहतियात के तौर पर आज दिनभर सर्चिंग अभियान चलाया जाएगा। बता दें 30 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे मप्र टूरिज्म का पर्यटकों से भरा क्रूज बरगी डैम में डूब गया था। उसमें करीब 47 पर्यटक सवार थे, जबकि टिकट सिर्फ 29 लोगों की ही कटी थी। हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ था। उस वक्त हवा की रफ्तार करीब 74 किमी/घंटा थी। बरगी क्रूज हादसे में जान गंवाने वाले तमिलनाडु के पर्यटकों के शव उनके गृह राज्य भेजे गए। जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट से कार्गो विमान के जरिए शवों को त्रिची रवाना किया गया। शुरुआत में तकनीकी कारणों से एक कार्गो विमान में दिक्कत आई, जिसके बाद शवों को दूसरे विमान से भेजा गया। मृतकों के परिजन भी साथ में गए। प्रशासन की ओर से अन्य शवों को भी उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है।

हैदराबाद में खौफनाक घटना, कार के बोनट पर व्यक्ति को 2 किमी तक घसीटा

-पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की

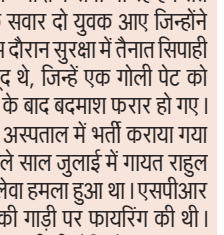
हैदराबाद, (एजेंसी)। हैदराबाद के मीरपेट इलाके में सड़क में हुए विवाद के बाद एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। दरअसल यू-टर्न को लेकर हुए झगड़े के बाद एक कार चालक ने एक व्यक्ति को लगभग 2 किलोमीटर तक कार के बोनट पर घसीट दिया। यह घटना 1 मई की रात की बताई जा रही है। पुलिस ने मीडिया को बताया, कि पीड़ित व्यक्ति अपने बेटे के साथ दोपहिया वाहन पर जा रहा था। बेटे ने यू-टर्न लेने के लिए इंडिकेटर दिया था, जिस पर पीछे से आ रहे कार चालक से बहस हो गई। विवाद बढ़ने पर कार चालक ने कथित तौर पर युवक के बाल पकड़ लिए, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। अपने बेटे को बचाने के लिए पिता कार के बोनट पर चढ़ गया, लेकिन चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय उसे लेकर आगे तेजी से बढ़ता चला गया। आरोपी कार चालक मीरपेट से बालापुर तक लगभग 2 किलोमीटर तक पीड़ित को बोनट पर घसीटता रहा और बाद में मौके से फरार हो गया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। पीड़ित की शिकायत पर मीरपेट पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

गायक फाजिलपुरिया के मैनेजर के घर पर फायरिंग, सुरक्षाकर्मी को लगी गोली

गुरुग्राम (एजेंसी)। सेक्टर 40 थाना क्षेत्र के कन्हई गांव में शनिवार रात बाइक सवार बदमाशों ने गायक राहुल फाजिलपुरिया के मैनेजर के घर के बाहर फायरिंग की। यहां चार राउंड फायरिंग की गई। इसमें एक गोली घर के बाहर सुरक्षा में तैनात सिपाही को लगी। सूचना मिलते ही पुलिस के साथ-साथ अपराध शाखा और फॉरेंसिक की टीमें मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक सौरभ यादव को पहले ही दीपक नांदल गैंग की तरफ से धमकी मिली थी। उसे काफी समय से विदेशी नंबर से वॉट्सएप कॉल आ रहे थे। सौरभ पहले राहुल फाजिलपुरिया के मैनेजर थे और उसके सबसे ज्यादा करीबी भी रहे हैं। रात करीब साढ़े 11 बजे बाइक सवार दो युवक आए जिन्होंने चार राउंड फायरिंग की। इस दौरान सुरक्षा में तैनात सिपाही कुलबीर घर के बाहर मौजूद थे, जिन्हें एक गोली पेट को छूकर निकल गई। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए। घायल सिपाही कुलबीर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें इससे पहले पिछले साल जुलाई में गायत राहुल फाजिलपुरिया पर भी जानलेवा हमला हुआ था। एसपीआर रोड पर दो बदमाशों ने उनकी गाड़ी पर फायरिंग की थी। इसके बाद गायक के फाइनेंसर की भी गोलियों मारकर हत्या कर दी गई थी। बताया जाता है कि दीपक नांदल और राहुल फाजिलपुरिया के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है। दीपक ने सभी मामलों में सोशल मीडिया पर पोस्टर जारी कर घटना की जिम्मेदारी ली थी और पैसे वापस करने के लिए धमकी दी थी।

चंडीगढ़ में चली आंधी-तूफान, घरेलू उड़ानों पर पड़ा असर, उड़ानें देरी से हुई रवाना

चंडीगढ (एजेंसी)। रविवार सुबह अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी तूफान के साथ भारी बारिश ने चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया। इसका सीधा असर चंडीगढ़ इंटरनेशनल एअरपोर्ट की उड़ानों पर पड़ा, जहां कई घरेलू उड़ानों को देर से रवाना होना पड़ा। जानकारी के मुताबिक सुबह 7:50 बजे हैदराबाद के लिए रवाना होने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-1862 को मौसम की खराब स्थिति के कारण करीब एक घंटे देरी यानी 9:02 बजे चंडीगढ़ एअरपोर्ट से उड़ान भर सकी। इस तरह सुबह 8:10 बजे बेंगलुरु के लिए इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6634 भी प्रभावित हुई और यह विमान 9:18 बजे रवाना हुआ। वहीं सुबह 8:20 बजे मुंबई के लिए प्रस्थान करने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-472 भी समय पर उड़ान नहीं भर सकी और यह 9:09 बजे मुंबई के लिए रवाना हुई। हालांकि, एअरपोर्ट पर आने वाली उड़ानों पर इस मौसम का ज्यादा प्रभाव नहीं देखा गया। इसका मुख्य कारण एअरफोर्स द्वारा लगाया गया नोटम बताया जा रहा है। इस नोटम के तहत रविवार को सुबह 7:40 बजे से पहले और दोपहर 1:30 बजे के बाद आगमन की अनुमति तय की गई थी, जिससे लैंडिंग संचालन नियंत्रित और सुरक्षित रहा। एअरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक खराब मौसम के बावजूद सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता देते हुए उड़ानों का संचालन सावधानीपूर्वक किया गया।



चेहरा बदलने से सरकार का चरित्र नहीं बदलेगा, नीतीश की तर्ज पर चलेगा बिहार

डिप्टी सीएम बोले- मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं, जेडीयू का ट्रिपल सी पर फोकस

पटना (एजेंसी)। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी ने कहा कि मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं है। चुनाव से पहले 25 से 30 फिर से नीतीश का नारा दिया गया था। अगले पांच साल बिहार उसी तर्ज पर चलेगा, जैसा नीतीश कुमार चाहते हैं नीतीश के मन मुताबिक ही बीजेपी ने सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाया है। सम्राट चौधरी का बैकग्राउंड भी बीजेपी वाला नहीं है। पटना से चंपारण तक अचानक प्रेसवार्ता कर ताबड़तोड़ सुरक्षा वाली गारंटी दी?

सियासी गलियारे में सवाल पूछे जा रहे हैं कि अचानक ऐसा क्या हुआ, जो प्रेस के जरिए गारंटी दी जाने लगी है? राजनीतिक संशयों के बीच उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा और विकास का भरोसा दिलाया। उन्होंने साफ किया कि सत्ता का शीर्ष चेहरा बदलने से सरकार का चरित्र नहीं बदलेगा। पटना जेडीयू प्रदेश कार्यालय में मीडिया से मुखातिब विजय चौधरी ने कहा कि भले ही कमान सम्राट चौधरी के हाथों में है, लेकिन सरकार का एजेंडा वही रहेगा जो नीतीश कुमार ने पिछले दो दशकों में स्थापित किया है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी के नाम का डर दिखाकर अल्पसंख्यकों को गुमराह करना अब संभव नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजय चौधरी ने जोर देकर कहा कि चुनाव से पहले दिया गया 25 से 30 फिर से नीतीश का नारा सरकार के लिए प्रतिबद्धता है। अगले पांच साल बिहार का शासन उसी तर्ज पर चलेगा जैसा नीतीश कुमार चाहते हैं। सीएम सम्राट चौधरी ने भी विधानसभा में साफ कर दिया है कि उनकी सरकार क्राइम, करप्शन और कम्युनलिज्म (3सी) से कोई समझौता नहीं करेगी। सांप्रदायिकता के खिलाफ सरकार की नीति पूरी तरह स्पष्ट है। चौधरी ने आरजेडी का नाम लिए बिना 2005 से पहले की सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारें अल्पसंख्यकों को सिर्फ सुरक्षा का डर दिखाकर सत्ता हासिल करती थीं। सरकार का दायित्व केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों की माली हालत सुधारना भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष केवल बीजेपी का डर दिखाकर अल्पसंख्यकों का राजनीतिक शोषण करता रहा है। चौधरी यहीं नहीं रूके। उन्होंने नीतीश कुमार के शासनकाल में अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए उठाए गए कामों को भी गिनाया।

नीतीश कुमार के कार्यकाल में मदरसों की ढांचागत और शैक्षणिक स्थिति में अभूतपूर्व सुधार हुआ। छात्र क्रेडिट कार्ड और पोशाक योजना जैसी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के मुस्लिम समाज को मिला। कमजोर तबके के उत्थान के लिए चलाई गई योजनाओं ने अल्पसंख्यकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाया। सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सरकार हमेशा अपनी जीरो टॉलरेंस नीति पर अडिग रही। दरअसल 2023 की बिहार जाति आधारित गणना के मुताबिक राज्य में मुस्लिम आबादी 17.7फीसदी है। इनमें अनुमान के मुताबिक 12-14फीसदी मुस्लिम जेडीयू को और 70-75फीसदी आरजेडी को वोट डालते हैं। जो मुस्लिम जेडीयू को वोट देते हैं, वो सिर्फ और सिर्फ नीतीश पर भरोसा करते हैं। अब कुर्सी बदल गई तो उसे मेंटेन रखना एक चुनौती है। अब सीएम की कुर्सी नीतीश से खिसककर बीजेपी के सम्राट चौधरी के पास पहुंच गई है। आरजेडी कुछ गेम न कर दे, इसे लेकर पहले की तैयारी के तौर पर जेडीयू के प्रेस कॉन्फ्रेंस को देखा जा रहा है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गातापार को भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण प्रदान किया गया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खैरागढ़। जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गातापार को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। यह प्रमाण पत्र सरकारी अस्पतालों की स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए लागू एक व्यापक ढांचा है। स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं को बेहतर और विश्वसनीय बनाने के लिए इसे प्रदान किया जाता है। यह प्रमाण-पत्र बेहतर प्रदर्शन करने वाले सरकारी अस्पतालों को दिया जाता है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गातापार यह प्रमाण प्राप्त करने वाला जिला का दूसरा और विकासखंड छुईखदान का पहला अस्पताल है। जिला केसीजी का पहला अस्पताल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मरकामटोला है जिसने इस प्रमाण पत्र को प्राप्त किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का लक्ष्य मार्च 2026 तक 50' से अधिक सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को प्रमाणित करना है। जिसके अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गातापार भी इसमें शामिल हुआ है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आशीष शर्मा, खंड चिकित्सा अधिकारी मनीष बघेल एवं सभी अधिकारी कर्मचारियों ने टीम पीएचसी गातापार को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।



भाजपा नेता की हत्या के मामले में कांग्रेस विधायक कुलकर्णी की सदस्यता रद्द



-धारवाड़ विधानसभा सीट रिक्त घोषित

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में भाजपा नेता योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया है। कर्नाटक विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, कुलकर्णी की सदस्यता 15 अप्रैल 2024 से समाप्त मानी गई है, जिस दिन विशेष अदालत ने उन्हें दोषी करार दिया था। यह कार्रवाई भारतीय संविधान के अनुच्छेद 191(1)(ई) और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के तहत की गई है।

विधानसभा सचिव एम.के. विशालाक्षी द्वारा जारी इस आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अयोग्यता न केवल उनकी सजा की अवधि के दौरान प्रभावी रहेगी, बल्कि जेल से रिहाई के बाद भी अगले छह वर्षों तक लागू रहेगी। यह प्रतिबंध तभी हट सकता है जब किसी उच्च या सक्षम अदालत द्वारा उनकी दोषसिद्धि और सजा पर रोक लगा दी जाए। इस फैसले के बाद धारवाड़ विधानसभा सीट को आधिकारिक तौर पर रिक्त घोषित कर दिया गया है। यह मामला वर्ष 2016 का है, जब 15 जून को धारवाड़ के एक जिम में भाजपा नेता योगेश गौड़ा की निर्मम हत्या कर दी गई थी। गौड़ा को विनय कुलकर्णी का राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी माना जाता था। घटना के समय कुलकर्णी सिद्धारमैया सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। शुरुआत में उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन भाजपा द्वारा इसे बड़ा मुद्दा बनाए जाने और जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपे जाने के बाद कुलकर्णी की मुश्किलें बढ़ गईं। सीबीआई जांच में उन्हें हत्या की साजिश रचने का मुख्य आरोपी पाया गया। बेंगलुरु की विशेष अदालत ने 15 अप्रैल को कुलकर्णी समेत 16 अन्य लोगों को इस हत्याकांड में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने शुरुआत में सजा की आधिकारिक सूचना मिलने तक कार्रवाई में देरी की बात कही थी, लेकिन विपक्षी दलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के बढ़ते दबाव के बाद यह अधिसूचना जारी की गई। कुलकर्णी, जो वर्तमान में कर्नाटक अर्बन वॉटर सप्लाई एंड ड्रेनेज बोर्ड के अध्यक्ष भी थे, ने इस सजा के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दाखिल की है। फिलहाल वह बेंगलुरु सेंट्रल जेल में बंद हैं। इस घटनाक्रम ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है, क्योंकि एक रसूखदार नेता को अपने ही राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की हत्या के षड्यंत्र में पद गंवाना पड़ा है।

पश्चिम बंगाल चुनाव: मतगणना से पहले फाल्टा में भारी बवाल

अभिषेक बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर साधा निशाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों की आहट के बीच प्रदेश का सियासी पारा चरम पर पहुंच गया है। 4 मई 2026 को होने वाली मतगणना से ठीक पहले दक्षिण 24 परगना जिले का फाल्टा विधानसभा क्षेत्र भारी तनाव और हिंसा के आरोपों का केंद्र बन गया है। फाल्टा में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान के करीबी सहयोगी इस्राफील चौकीदार के खिलाफ स्थानीय जनता का गुस्सा फूट पड़ा है। ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं ने सड़कों पर उतरकर टीएमसी नेताओं पर डराने-धमकाने और घर जलाने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

यह विवाद तब और गहरा गया जब भाजपा आईटी सेल की ओर से सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि फाल्टा में मतदाताओं को धमकाने के आरोप में अतीबुर शेख, हबीब शेख और हबीब मोल्ला को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन मुख्य आरोपी इस्राफील चौकीदार अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। भाजपा ने सवाल उठाया कि क्या बंगाल पुलिस कार्रवाई के लिए सत्ताधारी दल के निर्देशों का इंतजार कर रही है। स्थानीय महिलाओं का आरोप है कि उन्हें धमकी दी गई है कि यदि भाजपा चुनाव जीतती है, तो उनके घर जला दिए जाएंगे और खून-खराबा होगा।



विवाद उस समय व्यक्तिगत हमले में बदल गया जब निर्वाचन आयोग ने शिकायतों के आधार पर फाल्टा में फिर से चुनाव कराने का निर्णय लिया। इस फैसले के बाद टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर सीधा निशाना साधते हुए उन्हें कठपुतली तक कह डाला। अभिषेक बनर्जी ने विपक्षी नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि उनके डायमंड हार्बर मॉडल को कोई नुकसान नहीं पहुँचा सकता। उन्होंने विरोधियों को फाल्टा में आकर चुनाव लड़ने की खुली चुनौती दी।

निर्वाचन आयोग की इस कार्रवाई और अभिषेक बनर्जी के कड़े तेवरों ने चुनाव की निष्पक्षता को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। जहां विपक्षी दल इसे सत्ता की हताशा बता रहे हैं, वहीं टीएमसी इसे राज्य की छवि खराब करने की साजिश करार दे रही है। फिलहाल फाल्टा में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पूरे राज्य की नजरें 4 मई को आने वाले जनादेश पर टिकी हैं।

अखिलेश यादव ने बीजेपी को बताया 'झूठ की सोन पपड़ी' : फाल्टा में पुनर्मतदान के फैसले पर उठाए सवाल, टीएमसी की जीत का दावा

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। फाल्टा विधानसभा सीट पर पुनर्मतदान के फैसले को लेकर उन्होंने बीजेपी की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह पार्टी 卐झूठ की सोन पपड़ी卐 की तरह है, जो एक झूठ के ऊपर दूसरा झूठ चढ़ाती है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि बीजेपी अपनी संभावित हार से बचने के लिए बहाने ढूंढ रही है। उन्होंने कहा कि फाल्टा में दोबारा मतदान कराने का फैसला इसी दिशा में एक कदम है। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उनके अनुसार, पुनर्मतदान का फैसला मीडिया रिपोर्ट्स और टीवी प्रसारण के आधार पर लिया गया, जो कई गंभीर सवाल खड़े करता है। अखिलेश ने कहा कि यदि मतदान केंद्रों के अंदर तक मीडिया की पहुंच थी, तो यह नियमों के विपरीत है, खासकर तब जब सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सपा प्रमुख ने यह भी कहा कि यदि बूथ कैप्चरिंग जैसी आशंका जताई गई है, तो चुनावी पर्यवेक्षकों की भूमिका की जांच होनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि किसी अधिकारी की लापरवाही के कारण पुनर्मतदान की नौबत आई है, तो उसके खर्च की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने दावा किया कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को स्पष्ट बढ़त मिल रही है और जनता ने पहले ही उसे आगे कर दिया है। उन्होंने बीजेपी पर 卐षड्यंत्र卐 रचने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता हर कोशिश को नाकाम कर देंगे। अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि जब तक जीत का आधिकारिक प्रमाण हाथ में न आ जाए, तब तक पूरी तरह चौकन्ना रहना जरूरी है।

बंगाल में फिर 'दीदी' का दबदबा: टीएमसी को प्रचंड बहुमत का अनुमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के अंतिम चरणों के बाद अब सबकी निगाहें नतीजों पर टिकी हैं। चुनावी गलियारों में भारी हलचल के बीच 'महानगर मेट्रो' का सटीक विश्लेषण सामने आया है, जो राज्य की राजनीतिक दिशा को स्पष्ट कर रहा है। हमारे ज़मीनी सर्वे और डेटा विश्लेषण के अनुसार, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस एक बार फिर सत्ता के सिंहासन पर काबिज होने जा रही है।



प्रमुख आंकड़ेः किसे कितनी सीटें?

महानगर मेट्रो के विश्लेषण के मुताबिक, बंगाल की 294 सीटों के समीकरण कुछ इस तरह बैठ रहे हैं:

- **TMC: 157 — 175 सीटें**
- **BJP: 60 — 80 सीटें**
- **कांग्रेस: 04 — 08 सीटें**
- **लेफ्ट: 02 सीटें**
- **अन्य: 10 सीटें**

• **विश्लेषण का सार:** 294 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 148 है। हमारा विश्लेषण संकेत देता है कि TMC न केवल बहुमत पार करेगी, बल्कि 175 सीटों तक पहुंचकर विपक्ष को करारी शिकस्त दे सकती है।

क्यों चल रहा है 'दीदी' का जादू?

महानगर मेट्रो के विश्लेषण में तीन मुख्य कारण उभरकर आए हैं:

1.कल्याणकारी योजनाएं: 'लक्ष्मी भंडार' और 'द्वारे सरकार' जैसी योजनाओं ने ग्रामीण और महिला मतदाताओं के बीच TMC की पकड़ को अभेद्य बना दिया है।

2.मज़बूत कैडर: ज़मीनी स्तर पर ज़रूष्ट का संगठन विपक्षी दलों की तुलना में अधिक सक्रिय और संगठित नज़र आया।

3.विपक्ष में बिखरावः बीजेपी ने कड़ी चुनौती तो पेश की है, लेकिन स्थानीय चेहरों की कमी और कांग्रेस-लेफ्ट के कमजोर प्रदर्शन का सीधा फायदा ज़रूष्ट को मिलता दिख रहा है।

विपक्ष की स्थितिः संघर्ष और सिमटता वजूद

जहाँ बीजेपी 60 से 80 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी दल के रूप में अपनी जगह बरकरार रखेगी, वहीं कांग्रेस और लेफ्ट के लिए यह चुनाव 'अस्तित्व बचाने' की लड़ाई साबित हो रहा है। कांग्रेस 8 सीटों के भीतर सिमटती दिख रही है, जबकि लेफ्ट को मात्र 2 सीटों पर संतोष करना पड़ सकता है। महानगर मेट्रो का यह विश्लेषण स्पष्ट करता है कि बंगाल की जनता ने एक बार फिर 'स्थानीय नेतृत्व' और 'विकास के बंगाल मॉडल' पर भरोसा जताया है। अगर ये आंकड़े नतीजों में बदलते हैं, तो यह ममता बनर्जी की हैट्रिक के बाद चौथी सबसे बड़ी जीत होगी।

इंदौर में जैन प्रतिष्ठा महोत्सवः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया संबोधन, अहिंसा और संस्कारों की परंपरा को बताया राष्ट्र की शक्ति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर, (प्रदीप जैन)। इंदौर के तिलक नगर स्थित श्री राजेंद्रसूरी आराधना भवन में आयोजित भव्य जैन प्रतिष्ठा महोत्सव में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सहभागिता करते हुए श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उनके आगमन से आयोजन में उत्साह और गरिमा का वातावरण और अधिक बढ़ गया। यह प्रतिष्ठा महोत्सव गच्छाधिपति आचार्य श्री परम पूज्य आचार्य श्रीमद् विजय ऋषभचंद्रसूरीश्वरजी म.सा. की पाट परंपरा पर विराजमान आचार्य श्री हितेशचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. (मोहनखेड़ा) आदि ठाणा की मंगल निश्रा में संपन्न हुआ। उनके पावन सान्निध्य एवं आशीर्वचनों से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने उद्बोधन में जैन धर्म की मूल शिक्षाओं–अहिंसा, सत्य, तप, संयम और सेवा–की सराहना करते हुए कहा कि ये सिद्धांत न केवल व्यक्ति के जीवन को श्रेष्ठ बनाते हैं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि जैन समाज ने हमेशा से देश के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में अग्रणी योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें अल्प समय में ही आचार्य श्री हितेशचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. का दूसरी बार आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने बताया कि अक्षय तृतीया के अवसर पर वे मोहनखेड़ा तीर्थ में आचार्य श्री के दर्शन कर चुके हैं और आज पुनः मां अहिल्या की पावन नगरी इंदौर में उनका सान्निध्य प्राप्त हुआ। उन्होंने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि 'मोहनखेड़ा' नाम से उनका विशेष लगाव है और उनकी गहरी आस्था इससे जुड़ी हुई है। मुख्यमंत्री ने समाजजनों से आग्रह किया कि वे इस प्रकार के आयोजन निरंतर करते रहें और उन्होंने भविष्य में भी अपनी सहभागिता का विश्वास दिलाया।



महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

नए स्क्रैप नियमों से ऑटो उद्योग को 2026 में 25,000 करोड़ के नुकसान की आशंका

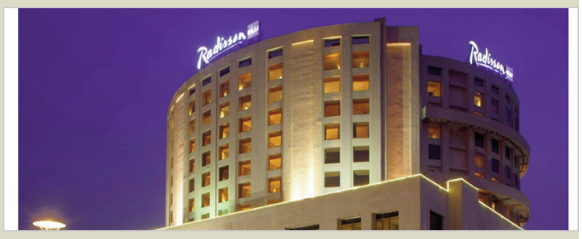
कंपनियों को पिछले दशकों के वाहनों की ईपीआर देनदारी के लिए करना होगा बड़ा बजटीय प्रावधान

नई दिल्ली।

भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग को वित्त वर्ष 2025-26 में 25,000 करोड़ का बड़ा वित्तीय झटका लग सकता है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित पर्यावरण संरक्षण (उपयोग समाप्त हो चुके वाहन) नियमावली, 2025 में एक नए प्रावधान ने उद्योग की चिंता बढ़ा दी है, जिसके तहत वाहन निर्माताओं को अतीत में बेचे गए वाहनों के लिए विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी (ईपीआर) हेतु बजटीय प्रावधान करना होगा। उद्योग अधिकारियों के अनुसार यह समस्या जनवरी 2025 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित नियमावली के नियम 4 (6) से उपजी है। यह नियम कहता है कि यदि विनिर्माता अपना परिचालन बंद कर देता है, तो उसे परिचालन बंद होने तक बाजार में पहले से उपलब्ध कराए गए सभी वाहनों के संबंध में अपनी विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी (ईपीआर) का पालन करना होगा। यह प्रावधान शुरू में सीधा-सादा लग सकता था, लेकिन ऑडिटरों द्वारा इसकी गंभीरता की ओर इशारा करने पर वाहन विनिर्माता सकते में आ गए। एक प्रमुख उद्योग कार्यकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह नियम लेखा मानक इंड एएस एएस 37 - प्रावधान, आकस्मिक देनदारियां और आकस्मिक संपत्ति को सीधे सक्रिय करता है। इसका सीधा अर्थ है कि वाहन निर्माताओं को पिछले 20 वर्षों में बेचे गए निजी वाहनों और 15 वर्षों में बेचे गए वाणिज्यिक वाहनों के लिए ईपीआर प्रमाणपत्रों की अनुमानित लागत हेतु बड़ा वित्तीय प्रावधान करना होगा। एक अन्य उद्योग अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भले ही कंपनियों का बाजार से बाहर निकलने का कोई इरादा न हो, यह नियम उन्हें ऐसे प्रावधान करने पर मजबूर करेगा, जिससे बड़ी धनराशि फंस जाएगी और उनका लाभ बुरी तरह प्रभावित होगा। यह स्थिति उद्योग के वित्तीय स्वास्थ्य के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। इस गंभीर चिंता को लेकर उद्योग निकाय सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने भी मंत्रालय के समक्ष अपनी बात रखी है। उद्योग के विशेषज्ञों का मानना है कि एक बार जब कंपनियों के बहीखातों में ये बड़े प्रावधान दर्ज हो जाएंगे, तो वित्त वर्ष 2025-26 में पूरे भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग का लाभ काफी कम हो जाएगा, जिससे क्षेत्र के विकास और निवेश पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

रेडिसन भारत में बढ़ाएगा होटल चेन, 2026 तक 160 का लक्ष्य

2030 तक 500 होटलों का लक्ष्य, मेट्रो शहरों में देखी जा रही हल्की सुस्ती



नई दिल्ली ।

वैश्विक आतिथ्य श्रृंखला रेडिसन होटल ग्रुप भारत में अपने परिचालन का तेजी से विस्तार करने की तैयारी में है। कंपनी ने दिसंबर 2026 तक देश में अपने परिचालन वाले होटलों की संख्या 157-160 तक और कमरों की संख्या 19,000-19,500 तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। समूह 2030 तक भारत में 500 होटलों के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। वर्तमान में रेडिसन भारत में 142 होटलों (17,000 कमरों) का संचालन करता है, जबकि 84 अन्य निर्माणाधीन हैं। कंपनी के दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी के मुताबिक इस साल 18 और होटल खुलने से 2,000-2,500 अतिरिक्त कमरे जुड़ेंगे। मांग के माहौल पर उन्होंने पश्चिम एशिया संकट के मिश्रित प्रभावों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि प्रमुख शहरी बाजारों में कुछ सुस्ती देखी गई, लेकिन टियर-2 और टियर-3 शहरों पर इसका ज्यादा असर नहीं पड़ा। मार्च में कुछ चुनिंदा महानगरों में प्रति उपलब्ध कमरे के राजस्व में 27-28 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सुधार का आकलन करने के लिए अप्रैल के रुझान महत्वपूर्ण होंगे।

विधानसभा चुनाव और कच्चा तेल इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करेंगे

पांच राज्यों के चुनावी नतीजों पर रहेगी निवेशकों की पैनी नजर, तिमाही नतीजे भी बाजार को देंगे दिशा

मुंबई । इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों की दिशा मुख्य रूप से पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह अनुमान व्यक्त किया है कि ये दोनों कारक मिलकर निवेशकों की धारणा और बाजार की चाल पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार इस सप्ताह शेयर बाजार में मुख्य रूप से दो बड़े घटनाक्रमों पर निवेशकों की नजर रहेगी - पहला, पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम और दूसरा, पश्चिम एशिया में तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव। सोमवार, 4 मई से पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी के पांच विधानसभा चुनावों के लिए मतों की गिनती शुरू होगी। एक बाजार विश्लेषक ने बताया कि सबसे तात्कालिक कारक इन चुनावों के परिणाम होंगे। निवेशक विशेष रूप से यह देखने में उत्सुक हैं कि क्या केंद्र में सत्ताधारी दल पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को चुनौती दे पाता है और उन राज्यों (केरल, तमिलनाडु) में सार्थक पैठ बना पाता है जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की इस समय सीमित उपस्थिति है। उन्होंने कहा कि कच्चा तेल सबसे महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक कारक बना हुआ है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव के बीच ब्रेंट तेल की कीमतें लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जिससे भारत जैसी आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था के लिए मुद्रास्फीति का जोखिम बढ़ गया है। कच्चे तेल की लगातार ऊंची कीमतें रुपये पर दबाव डालती हैं और कॉर्पोरेट मार्जिन तथा राजकोषीय गतिशीलता पर भी असर डालती हैं। इसके अलावा कई महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक आंकड़े भी इस सप्ताह जारी होंगे, जिनमें एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई (4 मई), सेवा और कंपोजिट पीएमआई (6 मई) और विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े (8 मई) शामिल हैं। अंबुजा सीमेंट्स, बीएचईएल, हीरो मोटोकॉर्प, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज ऑटो जैसी प्रमुख कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजे भी घोषित किए जाएंगे, जो निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

केंद्र की हरी झंडी, 37,500 करोड़ से कोयला गैसीकरण को मिलेगा बंपर प्रोत्साहन

स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, आयात निर्भरता घटाने और आत्मनिर्भरता बढ़ाने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली।

द्रीय मंत्रिमंडल जल्द ही कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे सकता है। सूत्रों ने बताया कि इस योजना का वित्तीय परिव्यय 37,500 करोड़ रुपये होगा, जिसका मुख्य उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना और देश की आयात निर्भरता को कम करना है। सूत्रों के अनुसार, कोयला मंत्रालय ने इस योजना का कैबिनेट नोट पहले ही तैयार कर लिया है। प्रस्तावित योजना का मकसद देश भर में सतह कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं में तेजी लाना है। इसका लक्ष्य एलएनजी, यूरिया, अमोनियम नाइट्रेट, अमोनिया, कोकिंग कोल, मेथनॉल और डीएमई जैसी महत्वपूर्ण वस्तुओं पर आयात निर्भरता घटाकर आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही यह ईंधन और रसायनों के उत्पादन के लिए घरेलू कोयला और लिग्नाइट संसाधनों के उपयोग को बढ़ाएगा, जिससे 2030 तक 10 करोड़ टन कोयला गैसीकरण क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। यह एक एकीकृत योजना है जिसमें कोई श्रेणी नहीं है, और एक एकल परियोजना के लिए अधिकतम 3,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। गौरतलब है कि पिछली प्रोत्साहन योजना में निजी क्षेत्र को अधिकतम 1,000 करोड़ रुपये और पीएसयू को 1,350 करोड़ रुपये प्रति परियोजना दिए जाते थे।

बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में तेजी का रुख, सरसों-पाम ऑयल उछले, मूंगफली फिसली

सस्ती सरसों की मांग बढ़ी, औद्योगिक मांग से पाम तेल मजबूत, सरकार को स्टॉक बनाने की सलाह

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन मंडियों में सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और बिनौला तेल के दाम में सुधार देखा गया। सस्ते भाव और बढ़ी मांग के चलते यह तेजी आई। हालांकि, ऊंचे भाव के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज की गई, जबकि सोयाबीन तेल स्थिर रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार सोयाबीन तेल से सस्ता होने के कारण सरसों तेल की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है, खासकर कम आय वर्ग में। समीक्षाधीन सप्ताह में आवक कम रहने से सरसों तेल-तिलहन के दाम सुधर गए। हालांकि, विशेषज्ञों ने बढ़ती खपत पर चिंता जताते हुए सरकार को सरसों का बफर स्टॉक बनाने की सलाह दी है, ताकि भविष्य में कमी से बचा जा सके। सटोरियों की सक्रियता पर भी नजर रखने को कहा गया है। सोयाबीन तिलहन में डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग बढ़ने से सुधार आया, लेकिन आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली के कारण सोयाबीन तेल स्थिर रहा। दूसरी ओर, ऊंचे दामों के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज हुई। सरकार को मूंगफली और सोयाबीन का भी स्टॉक बनाने की सलाह दी गई है। सरकार द्वारा आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि और गर्मियों में औद्योगिक मांग बढ़ने से कच्चा पामतेल और पामोलीन के दाम भी बढ़े। उपलब्धता कम रहने के बीच बिनौला तेल के दाम में भी सुधार आया। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 160 रुपये के सुधार के साथ 7,000-7,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 14,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,400-2,500 रुपये और 2,400-2,545 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 375-375 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 6,525-6,575 रुपये और 6,175-6,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर मांग की कमी और आयातित सोयाबीन डीगम तेल की लागत से कम दाम पर बिकवाली होने के बीच, दिल्ली में सोयाबीन तेल 16,000 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए।दूसरी ओर, मूंगफली तिलहन का दाम 100 रुपये की गिरावट के साथ 6,650-7,125 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये की गिरावट के साथ 15,750 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये की गिरावट के साथ 2,500-2,800 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 225 रुपये के सुधार के साथ 13,650 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 100 रुपये बढ़कर 15,450 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 150 रुपये की मजबूती के साथ 14,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सुधार के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 15,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सीआईएल-सैम को जयपुर मेट्रो से 918 करोड़ का ऑर्डर मिला

नई दिल्ली ।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनी सीगल इंडिया लिमिटेड के संयुक्त उद्यम सीआईएल-सैम इंडिया को जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएमआरसी) से 918.04 करोड़ रुपये का एक महत्वपूर्ण ऑर्डर मिला है। यह अनुबंध जयपुर मेट्रो के फेज-2 विस्तार के डिजाइन और निर्माण कार्यों से संबंधित है। सीगल इंडिया ने रविवार को बताया कि उसके संयुक्त उद्यम सीआईएल-सैम इंडिया को यह ठेका दिया गया है। इसमें जयपुर मेट्रो फेज-2 के तहत 10.8 किलोमीटर के ऊंचे वायडक्ट और दस एलिवेटेड मेट्रो स्टेशनों का डिजाइन व निर्माण शामिल है। सीआईएल-एसएएम इंडिया में सीगल इंडिया की 74 फीसदी और सैम इंडिया बिल्टवेल प्राइवेट लिमिटेड की 26 फीसदी हिस्सेदारी है। परियोजना की कुल बोली लागत 918.04 करोड़ रुपए (18 फीसदी जीएसटी सहित) है, जिसे 34 महीने की समय सीमा में पूरा किया जाना है।

शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.20 लाख करोड़ बढ़ा

भारती एयरटेल, टीसीएस और बजाज फाइनेंस को फायदा, जबकि कई बैंकों को हुआ नुकसान

मुंबई ।

छुट्टियों के चलते कम कारोबारी सत्रों वाला पिछला सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए मिली-जुली तस्वीर लेकर आया। जहां एक ओर बीएसई सेंसेक्स ने मामूली बढ़त दर्ज की, वहीं देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार मूल्यांकन में भारी उछाल दर्ज किया गया। इन चार कंपनियों ने संयुक्त रूप से 2.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बाजार पूंजीकरण जोड़ा, जिसमें दिग्गज रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे बड़ी लाभार्थी बनकर उभरी। हालांकि, बैंकिंग और कुछ अन्य प्रमुख क्षेत्रों की छह कंपनियों को सामूहिक रूप से 1.24 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों के बावजूद देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 2.20 लाख करोड़ रुपये का भारी उछाल दर्ज किया गया। इस अवधि में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन अकेले 1,39,655.8 करोड़ रुपये बढ़कर 19,36,303.30 करोड़ रुपये पर पहुँच गया, जिससे यह देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही।

भारती एयरटेल ने भी शानदार प्रदर्शन किया, जिसका मूल्यांकन 43,503.51 करोड़ रुपये बढ़कर 11,49,222.13 करोड़ रुपये हो गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और बजाज फाइनेंस भी लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल रहे, जिससे इन चार कंपनियों के संयुक्त मूल्यांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। हालांकि, सभी कंपनियों के लिए यह सप्ताह फायदेमंद नहीं रहा। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में कुल मिलाकर 1.24 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। आईसीआईसीआई बैंक को सर्वाधिक 45,364.62 करोड़



रुपये का नुकसान हुआ, जिससे इसका बाजार पूंजीकरण घटकर 9,04,980.78 करोड़ रुपये रह गया, जबकि एसबीआई का मूल्यांकन 30,922.57 करोड़ रुपये गिरकर 9,85,829.96 करोड़ रुपये पर आ गया। वर्तमान में रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और भारतीय स्टेट बैंक का स्थान आता है।

डी-मार्ट का मुनाफा 19 प्रतिशत बढ़कर 656.42 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।



वित्त वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में खुदरा श्रृंखला डी-मार्ट का स्वामित्व और संचालन करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड का मुनाफा सालाना आधार पर 19.17 प्रतिशत बढ़कर 656.42 करोड़ रुपये हो गया। एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने शेयर बाजार को बताया कि उसने एक साल पहले की जनवरी-मार्च तिमाही में 550.79 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान परिचालन से राजस्व 18.9 प्रतिशत बढ़कर 17,683.86 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह आंकड़ा 14,871.86 करोड़ रुपये था। कंपनी ने अपने तिमाही नतीजों में बताया था कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कर पश्चात लाभ (पीटीए) मार्जिन 3.7 प्रतिशत रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में यह 3.7 प्रतिशत था।÷मार्च तिमाही में एवेन्यू सुपरमार्ट्स का कुल खर्च 18.5 प्रतिशत बढ़कर 16,797.86 करोड़ रुपये रहा।

मारुति सुजुकी की रिकॉर्ड बिक्री बाजार हिस्सेदारी 42 फीसदी पहुंची

अप्रैल में 1.91 लाख से अधिक वाहनों की बिक्री

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया ने नए वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत दमदार तरीके से की है। कंपनी ने अप्रैल में रिकॉर्ड 1,91,122 इकाइयों की घरेलू बिक्री दर्ज करते हुए अपनी बाजार हिस्सेदारी को पिछले वित्त वर्ष के 39 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर लिया है। उद्योग के अनुमानों के मुताबिक, अप्रैल महीने में कंपनी ने अपनी बाजार हिस्सेदारी में लगभग तीन प्रतिशत अंकों की वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि कंपनी की यात्री कारों के साथ-साथ एसयूवी सेगमेंट के महत्वपूर्ण योगदान से संभव हुई है। मारुति सुजुकी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि इस प्रदर्शन के साथ कंपनी ने नए वित्त वर्ष की शानदार शुरुआत की है और बाजार हिस्सेदारी भी हासिल की है। अप्रैल में यात्री कारों की बिक्री 96,725 इकाई रही, जबकि एसयूवी सेगमेंट ने 55,065 इकाइयों की अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की तुलना में



141.6 प्रतिशत अधिक है। कंपनी एसयूवी बाजार में भी शीर्ष स्थान के करीब पहुंच गई है। इससे पहले कंपनी की सर्वाधिक घरेलू बिक्री दिसंबर 2025 में 1,82,165 इकाई थी।

एनपीएस में बड़ा बदलाव, जुलाई 2026 से जेब पर बढ़ेगा बोझ, जानें नए चार्ज नियम

टियर-2, डॉर्मेंट खातों और विभिन्न निवेश स्कीम्स पर पड़ेगा सीधा असर



नई दिल्ली ।

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में निवेश करने वाले करोड़ों सब्सक्राइबर्स के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है। पेंशन फंड रेगुलेटर पीएफआरडीए ने एनपीएस खातों पर लगने वाले सालाना मेंटेनेंस चार्ज (एएमसी) में बदलाव की घोषणा की है, जो जुलाई 2026 से लागू होंगे। 29 अप्रैल को जारी इस सर्कुलर का मकसद शुल्कों में एकरूपता लाना और मौजूदा विसंगतियों को दूर करना है।

इन नए नियमों का सीधा असर आपके टियर-1, टियर-2 और निष्क्रिय (डॉर्मेंट) खातों पर पड़ेगा, जिससे आपकी रिटायरमेंट प्लानिंग की लागत में बदलाव आ सकता है। टियर-1 और टियर-2 खाते हुए बराबर एनपीएस सब्सक्राइबर्स के लिए एक अहम बदलाव टियर-2 खातों से संबंधित है। अब तक टियर-1 और टियर-2 खातों के मेंटेनेंस कि टियर-2 खाते पर भी वही सालाना मेंटेनेंस चार्ज लगेगा जो उसी सेक्टर के टियर-1 खाते पर लागू होता है। यह उन निवेशकों के लिए मायने रखता है जो टियर-2 को बचत के एक लचीले विकल्प के तौर पर देखते थे, क्योंकि अब इसकी लागत बढ़ जाएगी। हालांकि, छोटे निवेशकों को राहत देते हुए, अगर किसी तिमाही के अंत में टियर-2 खाते का बैलेंस 1,000 रुपये या उससे कम है, तो कोई मेंटेनेंस चार्ज नहीं लिया जाएगा। हर स्कीम पर अलग चार्ज इसके अलावा पीएफआरडीए ने स्पष्ट किया है कि एक ही पीआरएएन (परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नंबर) के तहत हर पेंशन स्कीम को अब एक अलग खाता माना जाएगा। इसका मतलब है कि यदि आपने इक्विटी, कॉर्पोरेट बॉन्ड और सरकारी सिक्योरिटी जैसी विभिन्न स्कीम्स में पैसा लगाया है, तो हर स्कीम पर अलग से मेंटेनेंस चार्ज लग सकता है।

एलपीजी की महंगाई का झटका, दिल्ली के खाने का स्वाद होगा महंगा

- दिल्ली के फूड वेंडर्स बेहाल, रेस्टोरेंट्स रेट बढ़ाने की तैयारी में! छंटनी का भी खतरा



नई दिल्ली ।

दिल्ली के लजीज पकवानों का स्वाद अब महंगा होने वाला है। वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हुई रिकॉर्ड 50 प्रतिशत की वृद्धि ने शहर के होटल और रेस्टोरेंट उद्योग को गहरे संकट में डाल दिया है। इस अप्रत्याशित बढ़ोतरी के चलते कारोबारियों ने मेन्यू कार्ड के दाम बढ़ाने की चेतावनी दी है, जिससे आम आदमी की जेब पर सीधा असर पड़ेगा। राजधानी के खाद्य व्यापार पर इस वक्त एक तरह का आर्थिक शॉक लगा है, जिसने तंदूर की आंच से ज्यादा व्यापारियों के माथे पर चिंता की लकीरें गरम कर दी हैं। 19 किलो पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता इसका मुख्य कारण है। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया का कहना है कि उद्योग पहले से ही बढ़ती लागत से जूझ रहा था, ऊपर से इस भारी इजाफे ने कमर तोड़ दी है। उन्होंने बताया कि बाजार में गैस सिलेंडरों की भारी कमी और कालाबाजारी की खबरें हैं। जो सिलेंडर पहले 1,300-1,600 रुपये में मिलते थे, अब खुले बाजार में 3,000-4,000 रुपये में बिक रहे हैं। एक मध्यम आकार का रेस्टोरेंट प्रतिदिन 2 से 5 सिलेंडर का उपयोग करता है, जिससे दैनिक परिचालन लागत हजारों रुपये बढ़ गई है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो छोटे ढाबे और रेस्टोरेंट बंद

एक सप्ताह में 24 कैरेट सोना 2,960 और 22 कैरेट 2,850 तक लुढ़का

नई दिल्ली ।

देश के सर्राफा बाजार में इस सप्ताह सोने की कीमतों में जोरदार गिरावट दर्ज की गई है, जिसने शादी-ब्याह के सीजन में खरीदारी करने वालों को बड़ी राहत पहुंचाई है। पिछले एक हफ्ते में 24 कैरेट सोना 2,960 रुपए प्रति 10 ग्राम कीमत में 2,180 रुपए की कमी दर्ज की गई है। इस गिरावट के चलते अब सोना खरीदना पहले से अधिक किफायती हो गया है। र विवार 3 मई को राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,51,230 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, वहीं 22 कैरेट 1,38,500 और 18 कैरेट 1,13,500 रुपए प्रति 1,50,930 प्रति 10 ग्राम उपलब्ध है, जबकि 22 कैरेट 1,38,350 पर मिल रहा है। हालांकि, चेन्नई में 24 कैरेट सोने का भाव सर्वाधिक 1,52,730 प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है। अहमदाबाद और भोपाल में 24 कैरेट सोना 1,51,030 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। बाजार



की कीमत में करीब 2,000 रुपए की तेजी दर्ज की गई थी, जिसके बाद सोना 1,54,800 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया था। शुक्रवार को शानदार तिमाही और



घर ले आएं लक्ष्मी चरण पादुका

न-संपदा की प्राप्ति हेतु लक्ष्मी के पूजन का विधान है। ऐसा माना जाता है कि दीपावली की रात लक्ष्मी जी घर में आती हैं। इसीलिए लोग दहलीज से लेकर घर के अंदर जाते हुए लक्ष्मी जी के पांव बनाते हैं। इसी मान्यता के चलते हम लक्ष्मी जी को स्थाई करने हेतु घर में लक्ष्मी जी के चरणों का प्रतीक लक्ष्मी चरण पादुका स्थापित करते हैं।

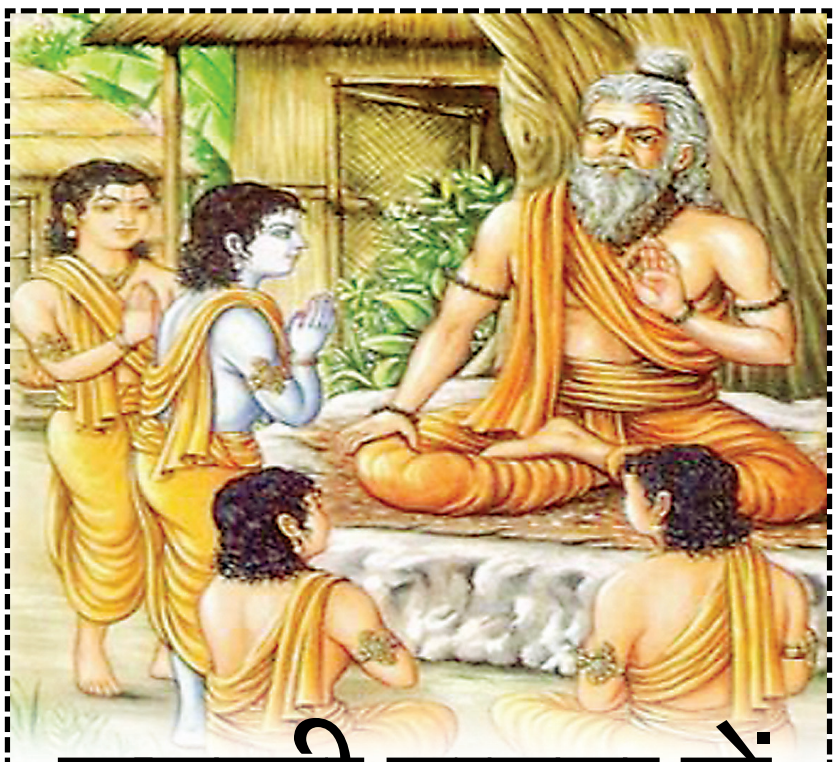
लक्ष्मी जी के चरणों का रहस्य : शास्त्रों के अनुसार महालक्ष्मी के चरणों में सोलह शुभ चिन्ह होते हैं। यह चिन्ह अष्ट लक्ष्मी के दोनों पावों से उपस्थित 16 (षोडश) चिन्ह है जो के 16 कलाओं का प्रतीक हैं। शास्त्रों में मां लक्ष्मी को षोडशी भी कहकर पुकारा जाता है। ये सोलह कलाएं हैं 1.अन्नमया, 2. प्राणमया, 3.मनोमया, 4.विज्ञानमया, 5. आनंदमया, 6. अतिशयिनी, 7. विपरिनाभिमी, 8.संक्रमिनी, 9.प्रभवि, 10. कुंथिनी, 11 विकासिनी, 12.मर्यदिनी, 13. सन्हालादिनी, 14.आह्लादिनी, 15.परिपूर्ण, 16.स्वरुपवस्थित।

शास्त्रों में चंद्रमा की सोलह कलाओं का भी वर्णन आता है। चंद्रमा की सोलह कलाएं हैं अमृत, मनदा, पुष्प, पुष्टि, तुष्टि, ध्रुति, शाशनी, चंद्रिका, कांति, ज्योत्सना, श्री, प्रीति, अंगदा, पूर्ण और पूर्णामृत का उल्लेख है। वास्तवकिता में ये सोलह कलाएं सोलह तिथियां हैं जिसके क्रम में अमावस्या एकम से लेकर चतुर्दशी तथा पूर्णिमा। लक्ष्मी चरण पादुका के लक्ष्मी के षोडशी रूप के 16 चिन्ह इस प्रकार हैं 1 प्राण, 2.श्री, 3.भू, 4.कीर्ति, 5.इला, 5 लीला, 6.कांति, 7.विद्या, 8 विमला, 8.उत्कर्शिनी, 9.ज्ञान, 10 क्रिया, 11. योग, 12.प्रहवि, 13. सत्य, 14. इसना 15. अनुग्रह, 16. नाम। अष्ट लक्ष्मी के दोनों चरणों में इस सोलह कलाओं के प्रतीक चिन्ह स्थापित होते है। सोलह कलाओं वाली श्री लक्ष्मी षोडशी का रहस्य : जो श्री विद्या सोलह कलाएं प्रदान करे वही षोडशी है। लक्ष्मी का यह स्वरुप ऐश्वर्य, धन, पद जो भी चाहिए सभी कुछ प्रदान करता है। इनके श्री चक्र को श्रीयंत्र कहा जाता है। इनका एक नाम श्री महा त्रिपुरा सुंदरी यां ललिता भी है। त्रिपुरा समस्त भुवन मे सर्वाधिक सुन्दर है। महालक्ष्मी का यह स्वरुप जीव को शिव बना देता है। यह श्री कुल की विद्या है। इनकी पूजा से साधक को पूर्ण समर्थ प्राप्त होता है। लक्ष्मी चरण पादुका इन्हीं ललिता श्री देवी के चरणों का प्रतीक है जिसमें सोलह चिन्ह बने होते हैं। लक्ष्मी चरण पादुका जहां भी स्थापित कि जाती है वहां से समस्याओं का नाश होता है। इसकी स्थापना से धनाभाव खत्म होकर स्थाई धन संपत्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। इसे मकान, दुकान, आफिस या कहीं भी दरवाजे पर चिपकाना भी शुभ होता है। अष्ट धातु से निर्मित यह चरण पादुका सुख-समृद्धि हेतु निश्चित ही उपयोगी सामग्री है।

घर-कार्यस्थल पर न रखें श्रीगणेश की ये मूर्तियां

भगवान श्रीगणेश मंगलकारी देवता हैं। जहां श्रीगणेश का नित पूजन-अर्चन होता है, वहां रिद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ का वास होता है। वास्तु शास्त्र में भगवान श्रीगणेश को महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया गया है। धन से संबंधित जो भी बाधाएं आती हैं उसका दोष घर अथवा दुकान में ही मौजूद होता है। बहुत कुछ ऐसा होता है जिनकी अनजाने में अनदेखी हो जाती है। वास्तु दोष-विघ्न दूर करते हैं विनायक। जिस घर के मुख्य द्वार पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर होती है, वहां रहने वालों की दिनों-दिन उन्नति होती है। आम, पीपल और नीम से बनी श्रीगणेश की मूर्ति घर के मुख्य दरवाजे पर लगाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। घर के मुख्य द्वार पर चौखट के ऊपर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर लगानी चाहिए। उनके आस-पास सिंदूर से उनकी दोनों पत्नियों के नाम रिद्धि-सिद्धि लिखने की परम्परा है। घर में पूजा के लिए भगवान श्रीगणेश की शयन या बैठी हुई मुद्रा में मूर्ति शुभ मानी जाती है। कार्यस्थल पर खड़ी हुई मुद्रा में भगवान श्रीगणेश की मूर्ति लगाएं। इससे स्फूर्ति और उमंग बनी रहती है। ध्यान रहे कि खड़े हुए श्रीगणेश जी के दोनों पैर जमीन को स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आती है। घर में भगवान श्रीगणेश का चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। घर में भगवान श्रीगणेश की ज्यादा मूर्तियां या तस्वीरें नहीं होनी चाहिए।





इनकी शरण में गए थे भगवान के ये अवतार

भगवद् गीता जी में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, विगतेच्छा भय क्रोधो य : सदा मुक्त एव स : जो इच्छा, भय और क्रोध से रहित है वह सदा मुक्त ही है। इस उपरोक्त ज्ञान रूप तप से पवित्र होकर बहुत से भक्त भगवान के स्वरूप को प्राप्त कर चुके हैं। जो मनुष्य सदैव कामनाओं के अधीन रहता है उसमें सदैव भय व्याप्त रहता है। कामनाओं में विघ्न पड़ने से क्रोध उत्पन्न होता है और क्रोध से विवेक रूपी ज्ञान शक्ति का नाश होता है। इसलिए हे अर्जुन। न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला नि :संदेह कुछ भी नहीं है। भगवान के नाम का आश्रय लेने वाला सदैव भय मुक्त रहता है। असुरराज रावण, जिसे ब्रह्मा जी से वर प्राप्त था, भगवान शिव की जिस पर विशेष कृपा थी, समस्त देवतागण, नवग्रह जिसके अधीन थे। केवल भगवान श्री राम नाम का आश्रय लेकर ज्ञानियों में अग्रगण्य श्री हनुमान जी ने उसकी लंका को भस्मीभूत कर दिया। बाली पुत्र अंगद ने अपने प्रभु के नाम के बल पर ही रावण की सभा में बड़े-बड़े योद्धाओं को अपने पृथ्वी पर जमाए हुए पैर को हिलाने के लिए आमंत्रित किया। भय मुक्त अंगद के मुख पर जो आत्मविश्वास था, वह केवल भगवद् नाम की ही कृपा थी जिस कारण रावण सहित सभी योद्धाओं को अपमानित होना पड़ा था। जब तक मनुष्य के मन में भय समाया रहता है तब तक उसमें निश्चयात्मिका बुद्धि का अभाव रहता है। जब तक अर्जुन के मन में युद्ध के प्रति भय था, कि कहीं उसके हाथों अपने गुरुजनों का वध हो जाने से, अधर्म न हो जाए, वह इस निर्णय को लेने में अक्षम थे कि युद्ध करने, अथवा न करने में सही विकल्प कौन-सा है। भगवान की शरण प्राप्त करने से ही वह श्रेष्ठ निर्णय लेने में सफल रहे, जब उन्होंने स्वयं को भगवान का शिष्य मान लिया। शिष्यस्तेहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम। इस प्रकार अर्जुन ने सभी प्रकार से भगवान की शरण प्राप्त कर ली। मनुष्य जीवन में निर्णय-अनिर्णय की स्थिति सदैव बनी रहती है। विवेक शक्ति से युक्त होकर ही मनुष्य सही निर्णय का चुनाव करता है। भय से युक्त मन में विवेक शक्ति का अभाव होता है। मार्कण्डेय ऋषि मां भगवती से अभय प्रदान करने के लिए स्तुति करते हैं : सर्व स्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति समन्विते। भयभयस्त्राहि नो देवि दुर्गे देवि नमोस्तुते। हे मां! आप सर्वस्वरूपा, सर्वेश्वरी, सभी शक्तियों से सम्पन्न हैं। आप मुझे भय से मुक्त करें। हे देवि! आपको नमस्कार है। मां आदि शक्ति सभी प्रकार के भय का नाश करने वाली है।

षोड वर्ष के बालक मार्कण्डेय ने मृत्यु को समीप जान, जब मृत्युंजय भगवान शिव जी की चंद्रशेखरमाश्रय मम किं करिष्यति वै यम : से स्तुति कर भगवान शिव को प्रसन्न कर न केवल आश्रय प्राप्त किया अपितु भगवान शिव से अमरत्व भी प्राप्त किया। भय नाम अंधकार का है। यह अंधकार अज्ञानता, अश्रद्धा और संशययुक्त बुद्धि से उत्पन्न होता है। इसी से जीव का नाश होता है।

योगी और भोगी दोनों को अंतिम समय का भय होता है परन्तु दोनों के भय में अंतर है। भोगी जीवन भर सांसारिक पदार्थों का संग्रह करता है ताकि बुढ़ापे के समय उसका जीवन कष्टमय न हो। योगी जीवन पर्यन्त यह अभ्यास करता है कि प्रयाण काल (शरीर छोड़ते समय) में उसकी चित्त वृति परमात्मा में स्थिर रहे क्योंकि यह नियम है कि परमेश्वर के ध्यान के अभ्यास रूप योग से युक्त, दूसरी ओर न जाने वाले चित्त से निरंतर चिंतन करता हुआ मनुष्य परम प्रकाश रूप दिव्य पुरुष को अर्थात परमेश्वर को ही प्राप्त होता है। जटायु, बाली, भीष्म पितामह ने अंतिम समय में अपनी चित्त वृत्तियों को भगवान के श्रीमुख पर स्थिर कर परमधाम प्राप्त किया।

श्री राम चंद्र कृपालु भज मन।
हरण भव भय दारूणम

भगवान श्री राम अत्यंत कृपालु हैं तथा सांसारिक बंधनों के भय से मुक्त करने वाले हैं इसलिए हे मन। तू केवल उनका नाम ही भज।

वंदे विष्णुं

सभी लोकों के एकमात्र स्वामी भव भय हरने वाले भगवान विष्णु की हम वंदना करते हैं। उपरोक्त स्तुतियों में भय से मुक्ति हेतु ही भगवान की वंदना भक्तों द्वारा की जाती है। काक भुशुण्डि जी श्रीराम की कृपा से, भागवत प्रवक्ताओं में अग्रगण्य शुकदेव मुनि जी भगवान श्री कृष्ण जी की कृपा से ही निर्भय होकर इस संसार में विचरण करते हैं। माया के बंधन में बंधा जीव सदैव भय से युक्त रहता है। केवल भगवद् नाम का आश्रय ही जीव की बुद्धि को निर्भय बनाता है। उसके लिए आवश्यक है कि मनुष्य भगवान की दिव्य लीलाओं का स्वाध्याय करे अथवा श्रवण परायण होकर रसास्वादन करे। कलिकाल में केवल गोविंद नाम ही सब प्रकार के भय का नाश करने वाला है।





पीपल की पूजा का रहस्य

दधीचि पुत्र पिप्पलाद ने जब माता से अपने पिता की देवताओं द्वारा अस्थियां मांगे जाने और उनसे बने वज्र से अपने प्राण बचाने का पौराणिक विवरण सुना तो उनके मन में देवताओं के प्रति घृणा उपजी। मैं इनसे पिता को 'सताने' का बदला लूंगा। ऐसा संकल्प करके पिप्पलाद तप करने लगे। कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और बोले, वर मांगो।

पिप्पलाद ने नमन किया और बोले, प्रभु! अगर आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो कृपा करके अपना रौद्र रूप प्रकट कीजिए और इन देवताओं को जलाकर भस्म कर दीजिए। शिव यह अनुरोध सुन कर स्तब्ध रह गए, परंतु वचन तो पूरा करना ही था। देवताओं को जलाने के लिए तीसरा नेत्र खोलने का उपक्रम करने लगे। इस आरंभ की प्रथम परिणति यह हुई कि पिप्पलाद का रोम-रोम जलने लगा। वह चिल्लाए और बोले, प्रभु! यह क्या हो रहा है? देवता नहीं, उल्टा मैं ही जला जा रहा हूं। शिव ने कहा, देवता तुम्हारी देह में ही समाए हुए हैं। अवयवों की शक्ति उन्हीं की सामर्थ्य है। देव जलें और तुम अछूते बचे रहो यह तो संभव नहीं है। पिप्पलाद ने अपनी याचना वापस ले ली तो शिव ने कहा, देवताओं ने त्याग का अवसर देकर तुम्हारे पिता को कृत-कृत्य और तुम्हें गौरवान्वित किया है। मरण तो होता ही है, न तुम्हारे पिता बचते और न काल के ग्रास से वृत्रासुर बचा रहता। यश, गौरव प्राप्त करने का लाभ प्रदान करने के लिए देवताओं के प्रति कृतज्ञ होना ही उचित है। पिप्पलाद का भ्रम दूर हो गया। उनकी तपस्या आत्म-कल्याण की दिशा में मुड़ गई। पिप्पलाद को ही पीपल कहते हैं। उनके त्याग, साधना और परोपकार की भावना के कारण उन्हें पूजा जाने लगा। पीपल समस्त वृक्षों में सबसे पवित्र इसलिए माना गया है क्योंकि स्वयं भगवान श्रीहरि विष्णु पीपल में निवास करते हैं। श्रीमद् भागवत गीता में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपने श्रीमुख से उच्चारित किया है कि,वृक्षों में मैं 'पीपल' हूं।

स्कंद पुराण के अनुसार पीपल के मूल (जड़) में विष्णु, तने में केशव, शाखाओं में नारायण, पत्तों में भगवान हरि और फलों में समस्त देवताओं से युक्त भगवान सदैव निवास करते हैं। ऑक्सीजन 'प्राण-वायु' कही जाती है। प्रत्येक जीवधारी ऑक्सीजन लेता है व कार्बन डाईआक्साइड छोड़ता है। ऑक्सीजन देने के अतिरिक्त पीपल में अनेक विशेषताएं हैं जैसे इसकी छाया सर्दी में गर्मी देती है और गर्मी में शीतलता देती है। इसके अतिरिक्त पीपल के पत्तों से स्पर्श करने से वायु में मिले संक्रामक वायरस नष्ट हो जाते हैं। इसकी छाल, पत्तों और फल आदि से अनेक प्रकार की रोगनाशक दवाएं बनती हैं। इस दृष्टि से भी पीपल पूजनीय है।

भगवान शिव ने कब, कहां और किसे दिया अमरत्व का वरदान



भारत विभिन्न संस्कृति और धर्मों का घर है। हमारे देश में भिन्न-भिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। भारत के प्रसिद्ध धार्मिक पूजा स्थलों में से एक अमरनाथ धाम है। अमरनाथ हिंदुओं का प्रमुख तीर्थस्थल है। कश्मीर राज्य के उत्तर पूर्व से 135 हजार मीटर की दूरी पर अमरनाथ की गुफा स्थित है। अमरनाथ गुफा भगवान शिव के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। कहा जाता है कि इसी गुफा में भगवान शिव ने मां पार्वती को अमर कथा का रहस्य बताया था। एक बार पार्वती द्वारा अमर होने की कथा सुनने की जिद्द करने पर भगवान शिव पार्वती को अमर कथा सुनाने के लिए समुद्रतल से 13,600 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस स्थान पर लाए। गुफा में प्रवेश करने से पहले भगवान शिव ने अपने गले में सुशोभित नाग और सिर पर सजे चांद को उतार दिया। ताकि माता पार्वती के अलावा कोई और कथा न सुन सके। यहां आकर उन्होंने माता पार्वती को कथा सुनानी आंरभ की लेकिन माता को कथा के मध्य में ही नींद आ गई। इस दौरान इस गुफा में कबूतरों के दो बच्चों ने जन्म लिया, जिन्होंने अमर कथा सुन अमरता प्राप्त की। जब शिव जी को यह ज्ञात हुआ तो वह क्रोधित हो गए और उन्हें मारने के लिए आगे बढ़े। तभी कबूतरों ने भगवान शिव को कहा कि अगर वे उन्हें मारेंगे तो अमर कथा झूठी साबित हो जाएगी। तब शिव जी ने अपने क्रोध को शांत कर उन्हें वरदान दिया कि युगों-युगों तक तुम दो कबूतरों का जोड़ा शिव-पार्वती का प्रतीक बन कर इस गुफा में निवास करेगा। उसी समय से यह स्थान अमरनाथ गुफा के नाम से प्रचलित हुआ। मान्यता है कि इन कबूतरों के दर्शन करने से शिव-पार्वती के दर्शनों जितना पुण्य मिलता है। इनके दर्शनों से वंचित रहने वाले हर व्यक्ति की यात्रा असफल मानी जाती है।

कोच जयवर्धने ने बुमराह, सूर्यकुमार सहित सीनियर खिलाड़ियों का बचाव किया

चेन्नई ।

आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे लगातार हार झेलने पड़ी है। सीएसके के खिलाफ अहम मैच में भी टीम हार गयी। इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की राह तकरीब बंद हो गयी है। टीम के खराब प्रदर्शन का कारण स्टार खिलाड़ियों का असफल होना भी रहा है, जिससे वे प्रशंसकों के निशाने पर है हालांकि टीम के मुख्य कोच मेहेला जयवर्धने टीम के शीर्ष खिलाड़ियों का बचाव करते हुए कहा कि टीम की हार के लिए जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव जैसे स्टार खिलाड़ियों को दोष देना गलत है। साथ ही कहा कि फार्म हासिल करने के लिए इन खिलाड़ियों के लिए एक ही मैच भी पर्याप्त है। इस सत्र में मुम्बई 9 में से 7 मैच हारकर टीम अंक तालिकाा में 8वें पायदान पर है। उसे सीएसके के खिलाफ मैच में भी हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं। प्रशंसक जानना चाहते हैं कि आखिर क्यों फ्रेंचाइजी अपने शीर्ष खिलाड़ियों बुमराह, सूर्यकुमार और तिलक वर्मा से अच्छा प्रदर्शन नहीं ले पा रही है। इसी को लकर जयवर्धने ने इन खिलाड़ियों का बचाव किया है।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सुपर जायंट्स में मुकाबला

मुंबई ।

मुम्बइ इंडियंस आईपीएल में सोमवार को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से मुकाबला करेगी। मुंबई इंडियंस का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। मुम्बई अभी नौवे नंबर पर है और उसके केवल चार अंक हैं। मुम्बई अभी अंक तालिका में नौवें स्थान पर है, जिसने नौ मैचों में से सिर्फ दो में जीत हासिल की है।

उसके लिए जीत हालांकि आसान नहीं होगी क्योंकि पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से टीम को 8 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह दबाव में है। उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें तभी बनी रहेंगी जब वह बचे हुए सभी मैच बड़े अंतर से जीते।

मुम्बई के लिए ये आसन नहीं होगा उसके बल्लेबाजसूर्यकुमार यादव फार्म में नहीं है, तिलका वर्मा का प्रदर्शन ही केवल अच्छा रहा है। कप्तान हार्दिक पंड्या भी गेंद औ बल्ले दोनो से ही विफल रहे है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह भी फ्लॉप साबित हुए हैं जिससे टीम बड़े स्कोर का भी बचाव नहीं कर पा रही।

वहीं दूसरी ओर इस बीच, सुपरजायंट्स की टीम आठ मैचों में दो जीत के साथ ही अंक तालिका में सबसे नीचे है। अब टीम का लक्ष्य किसी प्रकार ये मैच जीतकर अपनी प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने पर रहेंगी। उसके लिए ये आसान नहीं रहेगा क्योंकि टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी अब तक विफल रही है। आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 8 मुकाबले हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 2 जबकि लखनऊ ने 6 जीते हैं। दोनो की ही संभावित टीमें इस प्रकार हैं मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), विल जैक, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार



यादव, नमन धीर, तिलक वर्मा, रॉबिन मिंज, ट्रेंट बोल्ट, कृष भगत, जसप्रीत बुमराह, एएम गजनफर। इम्पैक्ट प्लेयर- शार्दुल ठाकुर लखनऊ सुपर जायंट्स- ऋषभ पंत (कप्तान/विकेटकीपर), मुकुल चौधरी, जोश इंग्लिस, आयुष बडोनी, मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, जॉर्ज लिंडे, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान

इम्पैक्ट प्लेयर- हिम्मत सिंह

आईपीएल सीएसके मुम्बई को सबसे अधिक बार हराने वाली पहली टीम बनी

चेन्नई ।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। अब सीएसके की टीम मुंबई इंडियंस को 20 वीं बार हराने वाली पहली टीम बन गयी है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 41 आईपीएल मैच खेले गए हैं, जिसमें से सीएसके ने 20 में जीत हासिल की है, जबकि मुंबई इंडियंस ने 21 मैचों जीत हासिल की है। मुंबई के खिलाफ सर्वाधिक जीत दर्ज करने वाली टीमों की सूची में चेन्नई के बाद पंजाब किंग्स का नाम आता है, जिसने 35 मैचों में 17 जीत दर्ज की हैं, जिसमें एक सुपर ओवर की जीत भी शामिल है। इस जीत ने चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंचा दिया है। अब नौ मैचों में 8 अंकों के साथ ही सीएसके प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है।

अगर वह अपने बचे हुए पांच मैचों में से चार में जीत हासिल कर लेते हैं, तो उनके लिए प्लेऑफ की राह बन सकती है। वहीं मुंबई इंडियंस को इस हार से करारा झटका लगा है। वह अब नौवें स्थान पर बनी हुई है। आईपीएल 2024 में खेले गए नौ मैचों में से उसे केवल सिर्फ दो में जीत मिली है। इससे अब उसके



शीर्ष-4 में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं। अगर मुंबई इंडियंस अपने बाकी बचे सभी पांच मैच भी जीत जाती है, तो लीग स्टेज के अंत में उनके पास केवल 14 अंक होंगे। हालांकि, पिछले चार आईपीएल सीजन के आंकड़ों पर गौर करें तो सिर्फ एक बार ऐसा हुआ है जब किसी टीम ने लीग स्टेज में 14 अंक लेकर प्लेऑफ में जगह बनाई हो।

भारतीय टीम शायद ही बांग्लादेश दौरे पर जाये - सैकिया

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का बांग्लादेश दौरा संकट में पड़ता नजर आ रहा है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के बांग्लादेश दौरे को लेकर ताजा बयान से ये ही संकेत मिले हैं। सैकिय ने कहा, आईपीएल के बाद हमारा घरेलू शेड्यूल काफी व्यस्त है। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज है, उसके बाद इंग्लैंड का दौरा है। इस दौरे के बाद हम सत्र के बाकी हिस्से पर विचार करेंगे।

बीसीसीआई सचिव के इस बयान को भारतीय टीम के आगामी व्यस्त कार्यक्रम से और बल मिलता है। आईपीएल 2026 के 31 मई को समाप्त होने के बाद, भारत का शेड्यूल इस प्रकार है- 6 से 10 जून तक मोहाली में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट। इसके बाद 14 से 20 जून के बीच धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी। फिर टीम इंडिया जून के अंत में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच और 1 से 19 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलने के लिए इंग्लैंड एगी। इंग्लैंड में व्हाइट-बॉल सीरीज के बाद, भारत 23 से 26 जुलाई तक जिम्बाब्वे में तीन टी20 मैच खेलेगा। भारत का घरेलू सीजन 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की सीरीज से शुरू होगा, और इससे पहले श्रीलंका दौरे पर भी जाने की संभावना है।

यह स्पष्ट है कि भारतीय टीम का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है, और ऐसे में बांग्लादेश के साथ सीरीज के लिए समय निकाल पाना एक बड़ी चुनौती होगी। इससे साफ है कि जिस प्रकार बांग्लादेश बोर्ड ने बीसीसीआई से संबंध खराब किये थे। उसे अब उनकी कीमत अदा करनी पड़ेगी।

राजस्थान रॉयल्स को त्तलसमूह और अदार पूनावाला ने 13,750 करोड़ रुपये में खरीदा

मुम्बई ।

आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स का मालिकाना अधिकार अब स्टील किंग के नाम से लोकप्रिय लक्ष्मी निवास मित्तल, उनके बेटे आदित्य मित्तल और वैक्सीन निर्माता अदार पूनावाला समूह को मिला है। मित्तल और पूनावाला ने इस फ्रेंचाइजी और इसकी सहयोगी टीमों का अधिग्रहण किया है। यह सौदा लगभग 1.65 अरब डॉलर (लगभग 13,750 करोड़ रुपये) में हुआ है, जिससे टीम को एक नया मालिक मिला है।

इससे पहले अमेरिका के एक भारतीय मूल के कारोबारी काल सोमानी ने 1.63 अरब डॉलर (15,290 करोड़ रुपये) में रॉयल्स को खरीदने के लिए सौदा किया था पर धन जुटाने के साथ ही नियामक अनिश्चितताओं और अन्य बाधाओं के कारण यह करार पूरा नहीं हो पाया। इससे अब मित्तल परिवार और अदार पूनावाला रॉयल्स को खरीदे सामने आये।

इस सौदे के 2026 की तीसरी तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है।

इसके लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई), भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की मंजूरी मिलना जरुरी रहेगा। नये मालिकाना ढांचे के तहत मित्तल परिवार के पास टीम की लगभग 75 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि अदार पूनावाला के पास लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा रहेगा। वहीं वर्तमान मालिक मनोज बडाले सहित मौजूदा निवेशक शेष हिस्सेदारी अपने पास रखेंगे।

नए बोर्ड में लक्ष्मी मित्तल, आदित्य मित्तल, वनीशा मित्तल-भाटिया, अदार पूनावाला और मनोज बडाले शामिल होंगे। मनोज बडाले, जिन्होंने 2008 में मात्र 67 मिलियन डॉलर में टीम खरीदी थी, अब एक सलाहकार की भूमिका में टीम से जुड़े रहेंगे।

इस अधिग्रहण पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए लक्ष्मी एन मित्तल ने कहा कि उन्हें क्रिकेट से बेहद प्यार है और उनका परिवार राजस्थान से जुड़ा है, ऐसे में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बनकर वे बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि वे बचपन से क्रिकेट खेलते और इस खेल को देखते आ रहे हैं।

वहीं आदित्य मित्तल ने भी आईपीएल टीम का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी व्यक्त की है जबकि अदार पूनावाला, जिन्होंने



पहले आरसीबी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) के लिए बोली लगाई थी, उन्होंने आदित्य मित्तल के साथ साझेदारी करने पर प्रसन्नता जताई। पूनावाला ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स एक शानदार आईपीएल टीम है और वे इसकी भविष्य की तरक्की में अपना योगदान देने के लिए उत्सुक हैं।

टी20 विश्व कप टीम के लिए टीम चयन से संतुष्ट हैं हरमनप्रीत अमनजोत की कमी खलेगी



मुम्बई ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि आईसीसी टी20 विश्कप के लिए जो टीम उन्हें मिली है। वह अच्छी टीम है और अब उनका लक्ष्य टी20 विश्व कप 2026 जीतना रहेगा। विश्वकप 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में शुरु हो रहा है। हरमनप्रीत ने कहा कि पिछले साल एकदिवसीय विश्वकप में मिली जीत से प्रेरित होकर उनकी टीम इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। भारतीय टीम ग्रुप ए में है और विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नीदरलैंड्स और दक्षिण अफ्रीका जैसी काफी अच्छी टीमें भी शामिल हैं।

हरमनप्रीत ने टीम की घोषणा के बाद कहा, मैं निश्चित रूप से इस टीम को जीत का प्रबल दावेदार मानती हूं। आज हमने जिस टीम को चुना है, उसमें चैंपियन बनने की पूरी क्षमता है। किसी पर कोई दबाव नहीं, कोई अति-आत्मविश्वास नहीं। टी20 क्रिकेट का मतलब सिर्फ अच्छा क्रिकेट खेलना है।

इस टीम के चयन में सबसे बड़ी चुनौती ऑलराउंडर अमनजोत कौर की अनुपस्थिति रही, जो पिछले कुछ महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। हरमनप्रीत ने कहा कि ये एक बड़ा झटका बताया क्योंकि इस खिलाड़ी का विकल्प तलाशना बेहद कठिन हालांकि, टीम संतुलन बनाए रखने के लिए अनुभवी स्पिनर राधा यादव को टीम में शामिल किया गया है।

राधा ने हाल के महीनों में इंडिया ए टीम के साथ खेलते हुए प्रभावी प्रदर्शन किया था। हरमनप्रीत ने कहा, अमनजोत हमारी एक अहम खिलाड़ी हैं, लेकिन वह अभी उपलब्ध नहीं हैं। वह पिछले 4-5 महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। उनकी जैसी खिलाड़ी ढूंढना मुश्किल था पर हम कोशिश कर रहे हैं। हमने राधा को टीम में वापस बुलाया है, वह भी एक ऑलराउंडर हैं।

वहीं इसके अलावा हरलीन देओल के स्थान पर भारती फुलमाली को शामिल किया गया है। टीम ने मध्यक्रम में अधिक आक्रामक बल्लेबाजी के लिए भारती को अवसर दिया है। हरमनप्रीत ने कहा कि टी20 मे मध्यक्रम की जरुरतों को देखते हुए ही भारती को शामिल करना अधिक सही रहेगा। हरलीन हालांकि अभी भी टेस्ट टीम का हिस्सा बनी हुइ हैं।

हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज हारने के बावजूद, कप्तान का ध्यान खेल के महत्वपूर्ण चरणों में अपनी रणनीति को सही ढंग से लागू करने पर है। उन्होंने टी20 में पावरप्ले की भूमिका को अहम बताया, जहाँ बल्लेबाजी करते हुए अधिकतम रन बनाना और गेंदबाजी करते हुए विकेट लेना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, हम पावरप्ले और मिडिल-ओवर्स, दोनों के लिए कड़ी मेहनत करना चाहते हैं, क्योंकि ये भी खेल में बड़ी भूमिका निभाते हैं। हमारे पास एक योजना है और हमने दक्षिण अफ्रीका के दौरे से जो कुछ भी सीखा है, उसे हम यहां लागू करेंगे। हरमनप्रीत ने टीम चयन में निरंतरता बनाए रखने पर भी जोर दिया और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी खिलाड़ियों का समर्थन करते हुए कहा कि वे आगे भी अच्छा प्रदर्शन करती रहेंगी।

अब प्लेऑफ में पहुंचने मुम्बई इंडियंस को खेल से अधिक चमत्कार की जरुरत

मुम्बई ।

आईपीएल के 19 सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली आठ विकेट की करारी हार से मुम्बई इंडियंस की टीम को एक और बड़ा झटका लगा है।

इससे अब टीम के पलेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं भी तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। ऐसे में प्रशंसक ये जानना चाहते हैं कि क्या टीम की अब भी कोई संभावना बची है तो उसका जवाब है कि ये राह बेहद कठिन ओर संशयपूर्ण है।

इस हार के बाद अब टीम को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए किसी चमत्कार और अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भरता की जरूरत है। यह मौजूदा सीजन में मुंबई इंडियंस की नौ मैचों में सातवीं हार थी, जिसने वह अंक तालिका में नौवे स्थान पर फिसल गयी है।

इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, प्लेऑफ के लिए उनका गणितीय समीकरण बेहद कठिन हो गया है। यदि मुंबई इंडियंस अपने बाकी बचे सभी पांचों मैच जीत भी लेती है, तब भी वे लीग चरण में उसके अधिकतम 14 अंकों ही हो पाएंग। ऐसे में आईपीएल के 10-टीम फॉर्मेट में 14 अंक के साथ शीर्ष 4 में जगह बनाना संभव नहीं है। इसलिए, मुंबई को न केवल अपने सभी मैच जीतने होंगे, बल्कि उन्हें यह भी उम्मीद करनी होगी कि कोई अन्य टीम 14 अंकों के साथ बेहतर नेट रन रेट के साथ उनसे आगे न निकले। मुंबई इंडियंस के लिए आने वाले दिन किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं हैं।

उनका अगला मुकाबला 4 मई को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े में लखनऊ सुपरजायंट्स से है, जो उनके लिए 'करो या मरो' की स्थिति है।

यदि वे यह मैच हार जाते हैं, तो वे आधिकारिक तौर पर आईपीएल 2024 प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन सकते हैं। लखनऊ के बाद उनका सफर और भी कठिन होने वाला है। 10 मई को उन्हें मौजूदा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना करना है, जिनसे वे इस सीजन में पहले ही 18 रनों से हार चुके हैं।

इसके बाद, मुंबई को अपने अंतिम तीन मैचों में 14 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ धर्मशाला में, 20 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स में, और 24 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर खेलना है। इन मैचों में कप्तान हार्दिक पंड्या और उनकी टीम जीत पाती है या नहीं ये देखना होगा।

साइ ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों का नाम हटाया

चयन ट्रायल में भाग नहीं ले सकेंगे

नई दिल्ली । भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों के नाम हटा दिये हैं। इससे अब इनके राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए चयन ट्रायल में भाग लेने पर संशया छा गया है। इससे खिलाड़ियों के साथ ही भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएआई) की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। बीएआई की पिछले साल दिसंबर में जारी चयन नीति के अनुसार, 30 मार्च से 5 अप्रैल तक आयोजित चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कप में 20 भार वर्गों (पुरुष और महिला दोनों में 10-10) में शीर्ष दो स्थान हासिल करने वाले कुल 40 मुक्केबाजों को राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया जाना था। वहीं इन मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और विश्व मुक्केबाजी कप दो के लिए भारतीय टीमों के चयन हेतु मूल्यांकन परीक्षणों के लिए पात्र माना गया था। इन सभी खिलाड़ियों ने महासंघ द्वारा तय की गई प्रक्रिया का पालन करते हुए शिविर में अपनी जगह बनायी थी। महासंघ ने माना है कि सूची में 40 नाम नहीं हैं और वे इस मामले को सुलझाने के लिए साइ के साथ लगातार संपर्क में हैं पर अभी तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। इस गंभीर स्थिति के कारण 5 मई को शुरू होने वाली मूल्यांकन प्रक्रिया को एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है, और अब यह 6 मई से शुरू होगी। यह देरी सीधे तौर पर इन मुक्केबाजों के भविष्य पर असर डाल रही है, क्योंकि चयन प्रक्रिया की समय-सीमा नजदीक आ रही है। वहीं जिन मुक्केबाजों में से एक ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, हमें बताया गया था कि सीओएएस कप जीतने पर हमें शिविर में जगह मिल जाएगी। पिछले साल भी यही नीति थी, इसलिए मुझे समझ नहीं आ रहा कि समस्या क्या है। चोट के कारण राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाने के बाद, शिविर में शामिल होना और राष्ट्रमंडल व एशियाई खेलों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मेरे लिए एकमात्र तरीका है। यह स्थिति उन एथलीटों के लिए सबसे बड़ी मुश्किले है जिन्होंने इन बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीदें पाल रखी हैं।यह घटना ऐसे समय में हुई है जब राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से 2 अगस्त तक बर्मिंघम, इंग्लैंड में होने वाले हैं, जबकि एशियाई खेल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची और नागोया में निर्धारित हैं।

सीएसके की जीत के बाद कार्तिक ने धोनी के अंदाज में किया गन सेलिब्रेशन

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से नये खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने आईपीएल के 19 वें सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुम्बई इंडियंस के खिलाफ अपनी टीम की आठ विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई है। कार्तिक ने इस मैच में तेजी से खेलते हुए शानदार अर्धशतक लगाया। इस युवा बल्लेबाज ने न केवल अपना पहला आईपीएल अर्धशतक लगाया बल्कि जीत के बाद पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के ही अंदाज में गन सेलिब्रेशन किया। कार्तिक ने 40 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाकर अपनी टीम को जीत के लक्ष्य तक पहुंचाया। अपनी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न उन्होंने एक अनोखे अंदाज में मनाया, जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है। उन्होंने बताया कि यह सेलिब्रेशन उन्होंने पहले से ही सोच रखा था हालांकि, धोनी के इस जेस्चर से प्रेरित होने की अटकलों को इस युवा बल्लेबाज ने खारिज करते हुए कहा कि ये उनका अपना ही अंदाज था। इस बल्लेबाज ने कहा, मैंने पहले ही तय कर लिया था कि अगर आज रन बनाऊंगा तो ऐसे ही जश्न मनाउंगा। उनके अनुसार, यह उनकी कड़ी मेहनत और व्यक्तिगत सफलता का जश्न मनाने का उनका तरीका था, जिसमें किसी और का कोई प्रभाव नहीं था।

विनेश ने राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में बृजभूषण से सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी बोली किसी भी अप्रिय घटना के लिए सरकार होगी जिम्मेदार

नई दिल्ली ।

खेल में वापसी कर रहीं शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि गोंडा में होने वाले आगामी राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट के दौरान वह अपनी और अपनी टीम की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। विनेश के अनुसार वह उन छह महिला पहलवानों में से एक हैं जिन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप में मामला दर्ज कराया था। गोंडा क्षेत्र में बृजभूषण का प्रभाव है और ऐसे में वह उनके या उनकी टीम के खिलाफ कोई किसी प्रकार की साजिश रच सकता है। विनेश ने सरकार को चेताया है कि अगर प्रतियोगिता के दौरान कोई भी अप्रिय घटना घटती है, तो इसके लिए केन्द्र सरकार जिम्मेदार होगी। डेढ़ साल के बाद संन्यास से वापसी कर रही विनेश ने एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि गोंडा में बृजभूषण का दबदबा है। उन्होंने आशंका जतायी की बृजभूषण के करीबी व्यक्ति प्रतियोगिता में गड़बड़ी कर परिणामों को बदल सकते हैं, जिसमें रेफरी की नियुक्ति, अंकों का निर्धारण और मैट चेयरमैन का चुनाव जैसी महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। विनेश ने कहा, यह टूर्नामेंट ऐसी जगह आयोजित किया जा रहा है जहां उनका (बृजभूषण का) काफी प्रभाव है। किसी मुकाबले में कौन रेफरी होगा, कितने अंक दिए जाएंगे, मैट चेयरमैन कौन होगा, सब कुछ उनके और उनके लोगों के नियंत्रण में है। विनेश ने कहा, मैं उन छह महिला पहलवानों में से एक हूं जिन्होंने ब्रजभूषण के शिकायत दर्ज कराई है। मामला अभी अदालत में है और गवाहों से पूछताछ चल रही है। उससे जुड़े किसी स्थान पर प्रतिस्पर्धा करना, जहां अधिकतर लोग उससे संबंधित हो सकते हैं, मुझ पर अत्याधिक मानसिक दबाव बनाता है। उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि ऐसे माहौल में वह अपना सौ फीसदी प्रदर्शन कर पाएंगी।

विनेश ने कहा कि वह देश के लिए फिर से पदक जीतना चाहती हैं पर वापसी की इस स्पर्धा में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को लेकर उन्हें संदेह है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी विशेष विशेषाधिकार की अपेक्षा नहीं है, केवल यह चाहती हैं कि परिणाम उनके प्रदर्शन के अनुकूल हों। विनेश ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मीडिया और खेल समुदाय से आयोजन स्थल पर उपस्थित रहने का आग्रह किया। विनेश गोंडा में महिलाओं के 57 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जबकि इससे पहले वह 50 किलोग्राम और 53 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर चुकी हैं।

पांड्या ने माना मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन हर क्षेत्र में खराब रहा

चेन्नई ।मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में मिली हार पर निराशा जतायी है। पांड्या ने ये भी माना है कि इस हार से उनकी टीम की प्लेऑफ की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। सीएसके से मिली 8 विकेट की हार से मुम्बई के अब प्लेऑफ में पहुंचने बचे हुए सभी मैच जीतने के अलावा रन रेट को भी काफी बेहतर बनाना होगा। इसके अलावा अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजरें रखनी होंगी। इस हार के साथ ही मुम्बई अब तक खेले गए नौ मैचों में केवल दो जीत ही पाई है। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, टीम के कप्तान पांड्या ने माना है कि उनकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पांड्या ने कहा कि उनकी टीम हर क्षेत्र में सीएसके से पीछे रही। उन्होंने कहा, सीएसके ने हमसे बेहतर गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग की। पांड्या ने हालांकि ये भी दिया कि टीम ने पूरे सत्र में खराब नहीं खेला। उन्होंने कहा कि इस पिच पर 180-190 का स्कोर एक अच्छा प्रतिस्पर्धी लक्ष्य माना जाता पर हमारी टीम शुरुआती ओवरों से ही पिछड़ गयी और पूरे मैच के दौरान दबाव में रही। अभी तक के मैचों में टी के खराब प्रदर्शन को भी ये एक कारण रहा है।वहीं अपनी टीम की रणनीति को सही बताते हुए हार्दिक ने कहा कि उन्होंने उपलब्ध गेंदबाजी विकल्पों के साथ ही योजना बनाई थी पर उस योजना को मैदान पर सही तरीके से अमल में नहीं लाया जा सका। यह एक गंभीर समस्या है, जो न केवल योजना बनाने पर बल्कि उसे निष्पादित करने की टीम की क्षमता पर भी सवाल उठाती है। उन्होंने निराशा के साथ कहा, गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में वे हमसे बेहतर थे। हमने जो विकल्प थे, उसी के साथ गए, लेकिन अमल सही नहीं हो पाया। इस हार ने मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ में पहुंचने के गणितीय समीकरण को लगभग असंभव बना दिया है।



पेड पीआर बंद होना चाहिए

निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने हाल ही में अपने लोकप्रिय टीवी शो 'कॉफी विद करण' के नए सीजन की घोषणा की। इससे शो के फैंस काफी उत्साहित हैं। अब निर्माता ने इंडस्ट्री में होने वाले पेड पीआर को लेकर बात की। उन्होंने पेड पीआर कल्चर को बंद करने की बात कहते हुए कहा कि बॉलीवुड को अपने काम को ही बोलने देना चाहिए और प्रचार-प्रसार कम करना चाहिए। हाल ही में एक चर्चा में करण जौहर शामिल हुए। यहां एक कंटेस्टेंट ने जाह्नवी कपूर और शनाया कपूर जैसी अभिनेत्रियों द्वारा अपनी हालिया फिल्मों 'परम सुंदरी' और 'तू या मैं' के लिए 'मेथड मार्केटिंग' करने का जिक्र किया। उन्होंने पूछा कि क्या पीआर का यह चलन बॉलीवुड में भी फैल सकता है? इस पर करण ने जवाब दिया कि मुझे लगता है कि बॉलीवुड को पीआर करना बंद कर देना चाहिए। यह कहीं बेहतर होगा। उन्हें अपनी उपलब्धियों को खुद बोलने देना चाहिए क्योंकि दुर्भाग्य से आजकल सारा पीआर पेड पीआर ही है। इसलिए अगर आप यह कहना चाहते हैं कि आप खूबसूरत दिख रहे हैं, तो आपको पैसे देने होंगे। अगर आपको यह कहना है कि आप धरती पर सबसे अच्छे अभिनेता हैं, तो आपको पैसे देने होंगे। मुझे लगता है कि पीआर के मामले में हम हद से ज्यादा सक्रिय हैं। इसलिए, वे मेथड मार्केटिंग कर रहे हैं या नहीं, यह मायने नहीं रखता। उन्हें खुद की मार्केटिंग करना बंद कर देना चाहिए और अपने काम को बोलने देना चाहिए। यहां हर चीज पैसे देकर मिलती है इस दौरान करण ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका निशाना कोई खास कलाकार नहीं था, बल्कि वे आम चलन की बात कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि मेरा मतलब उन लोगों से नहीं है, जिनके बारे में आप बात कर रहे हैं। मेरा मतलब आम तौर पर सभी से है। पीआर और मार्केटिंग काम की महत्वपूर्ण कैटेगरी हैं और इन्हें उसी के हिसाब किया जाना चाहिए। किन अब हर चीज पैसे देकर मिलती है और यह बात बेहद परेशान करने वाली हो सकती है। क्योंकि तब आप यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि क्या लोगों को पसंद आ रहा है और क्या नहीं। अब आप हर चीज को इस नजरिए से देखते हैं, 'क्या लोग सच में इसे पसंद कर रहे हैं या उन्हें पसंद करने के लिए पैसे दिए गए हैं?'



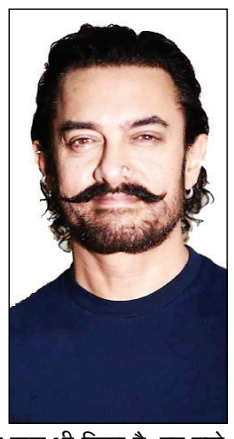
हिंदी के लिए साई पल्लवी ने मांगी माफी, बॉलीवुड डेब्यू से पहले नर्वस हैं एक्ट्रेस

साई पल्लवी आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ 'एक दिन' फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू को तैयार हैं। रिलीज से पहले फिल्म को लेकर एक इवेंट हुआ, जिसमें आमिर खान समेत फिल्म की कास्ट भी मौजूद रही। इस इवेंट में साई पल्लवी भी पहुंचीं, जहां उन्होंने इमोशनल स्पीच दिया। इस दौरान साई ने अपनी कमजोर हिंदी के लिए माफी मांगते हुए कहा कि वह उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ी घबराई हुई भी हैं।

कमजोर हिंदी के लिए मांगी माफी

कार्यक्रम के दौरान जब साई पल्लवी को मंच पर बोलने के लिए बुलाया गया, तो एक्ट्रेस ने हिंदी पर अपनी सीमित पकड़ के लिए माफी मांगी। साथ ही उन्होंने वहां मौजूद लोगों को आगाह किया कि बोलते समय उनसे ग्रामेटिकल मिस्टेक हो सकती है। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए साई ने स्वीकार किया कि उन्होंने हिंदी में बोलने की तैयारी नहीं की थी। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता था कि हमें इस कार्यक्रम में बोलना होगा। कम से कम मैं हिंदी में कुछ सीख तो लेती, लेकिन कृपया मुझे माफ कर दीजिएगा। व्यक्तिगत रूप से मैं आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं। फिल्म की कास्ट और क्रू की तारीफ करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि आप सब अविश्वसनीय थे, हर एक व्यक्ति, आप सभी बहुत ही सुंदर कहानीकार हैं। मैं आपकी भावनाओं को महसूस कर सकती थी, मैं अपने सामने के सीन को देख सकती थी। यह सचमुच बहुत खूबसूरत था।

आमिर का जताया आभार



साई ने इंडस्ट्री में अपने सफर को लेकर कहा कि मुझे नहीं पता कि मैं वास्तव में थिएटर जाने वाली, ऐसी जगह जाने वाली थी जहां इतनी प्रतिभाओं का संगम हो। लेकिन मैंने जो कुछ भी किया है, वह मुझे यहां तक ले आया है और मैं इस पूरी यात्रा के लिए बहुत आभारी हूं। आमिर खान को धन्यवाद देते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि आमिर सर, मुझे इस तरह का मौका देने और इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए चुनने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। जब भी आप सब प्यार की बात करते थे, मैं आपके चेहरे पर चमक देख सकती थी। यह मेरी पहली हिंदी फिल्म होने जा रही है। मैं सचमुच बहुत घबराई हुई हूं। लेकिन यह एक बेहद खूबसूरत सफर है। पूरी टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद।



मेरे करियर में मेहनत से ज्यादा भाग्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म सिनेमाघरों में बनी हुई है। हाल ही में अक्षय कुमार का कहना है कि सफलता के लिए मेहनत जरूरी होती है। लेकिन मेरे करियर में मेहनत से ज्यादा भाग्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं अभिनेता अपने फिल्मी सफर को लेकर भी बात की। क्विज रियलिटी शो 'व्हील्स ऑफ फॉर्च्यून' को होस्ट कर रहे अक्षय कुमार ने मेहनत और भाग्य को लेकर अपनी राय रखी। शो में अक्षय ने कहा कि मैं अपने अनुभवों के आधार पर ऐसा मानता हूं कि मेहनत की जरूरत तो है और मैं पूरी लगन से मेहनत करता हूं। लेकिन मेरे करियर में या अक्षय कुमार ने फिल्म सेट पर अपने रोजमर्रा के अनुभवों के आधार पर आगे बताया कि उन्हें नियमित रूप से हजारों ऐसे युवा, महत्वाकांक्षी अभिनेता मिलते हैं जो उनसे अधिक प्रतिभाशाली या दिखने में बेहतर होते हैं। लेकिन फिर भी गुमनाम रह जाते हैं, क्योंकि इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए तमाम कोशिशों के बावजूद किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया है।

तीन दशकों से इंडस्ट्री में सक्रिय हैं अक्षय

अक्षय कुमार तीन दशकों से अधिक समय से हिंदी सिनेमा में सक्रिय हैं और अब उनकी गिनती इंडस्ट्री के टॉप लीडिंग स्टार्स में होती है। उन्होंने लगभग 150 से भी अधिक फिल्में की हैं। इनमें कई ब्लॉकबस्टर और सुपरहिट फिल्में रही हैं। इनमें 'हेरा फेरी', 'केसरी', 'जॉली एलएलबी', 'हाउसफुल' और 'खिलाड़ी' सीरीज जैसी कई हिट फिल्में शामिल हैं।

अक्षय की पाइपलाइन में हैं ये बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय की 'भूत बंगला' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फिल्म से अक्षय और प्रियदर्शन की हिट जोड़ी ने 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है।

जानकारी की अधिकता आज की युवा पीढ़ी के लिए चुनौती बन गई है

आज की तेजी से बदलती दुनिया और तकनीक के विस्तार ने युवाओं की जीवनशैली को पूरी तरह से बदल दिया है। अक्सर सोशल मीडिया पर अपने अनोखे रिलेशनशिप ट्रेंड्स और नए 'स्लैंग' के कारण चर्चा में रहने वाली जेनजी को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने अपने विचार शेयर किए। अभिनेत्री ने एक पॉडकास्ट का क्लिप इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें काजोल ने अपनी और जेनजी के बीच की बुनियादी अंतर को स्पष्ट करते हुए बताया कि कैसे जानकारी की अधिकता आज की युवा पीढ़ी के लिए चुनौती बन गई है। उनका मानना है कि आज की युवा पीढ़ी को इंटरनेट से मिलने वाले 'शोर' से बाहर निकलकर खुद के लिए फैसला लेने की क्षमता विकसित करनी होगी। केवल सोशल मीडिया के ट्रेंड्स को फॉलो करना काफी नहीं है, बल्कि अपने मूल्यों और सीमाओं को खुद परिभाषित करना ही असल परिपक्वता है। काजोल कहती हैं, 'मुझे लगता है कि जेनजी इस समय 'जानकारी के ओवरलोड' से गुजर रही है। हम ऐसे समय में बड़े हुए जब जानकारी बहुत सीमित हुआ करती थी। इसलिए हमें अपनी नैतिकता, सीमाएं और सही-गलत का फैसला खुद अपनी सोच से करना पड़ता था।' अभिनेत्री ने बताया कि आज के युवाओं के पास हर चीज के बारे में जवाब उपलब्ध हैं। हर कोई जानता है कि क्या सही है और क्या गलता, लेकिन वे इसमें इस कदर खोए हुए हैं कि वे यह तय नहीं कर पा रहे कि उनके लिए व्यक्तिगत रूप से क्या सही है।



बॉबी देओल की फिल्म 'बंदर' का टॉक्सिक से होगा मुकाबला



बॉबी देओल अपनी आगामी फिल्म 'बंदर'/ 'मंकी इन अ केज' को लेकर चर्चा में हैं। बीते साल सितंबर में इसका प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। इस साल फरवरी में फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया गया था। यह फिल्म 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी। मगर, अब दर्शकों को इसके लिए इंतजार करना होगा।

फिल्म 'बंदर' अब मई में नहीं, बल्कि जून में रिलीज होगी। दिलचस्प बात यह है कि सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' से इसकी टक्कर होगी। समाचार एजेंसी के मुताबिक फिल्म 'बंदर' 05 जून को दुनियाभर के थिएटर्स में दस्तक देने जा रही है। बता दें कि यश की मेगा बजट फिल्म 'टॉक्सिक' 04 जून, 2026 को रिलीज हो रही है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी, बॉबी देओल, सान्या मल्होत्रा, सबा आजाद और सपना पब्बी अभिनीत फिल्म 'बंदर' को निखिल द्विवेदी ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर बीते साल जुलाई में रिलीज किया किया गया था। तब इस फिल्म का सलेक्शन टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। अब यह फिल्म भारतीय दर्शकों तक पहुंच रही है।



दोस्ती शादी को सरल बनाती है



टीवी, फिल्में और ओटीटी पर अपनी यादगार भूमिकाओं से पहचान बनाने वाली कृतिका कामरा हाल ही में शादी के बाद काम कर लौट आई हैं। पिछले दिनों जाने -माने वीजे और क्रिकेट होस्ट गौरव कपूर के साथ अपने सादगी भरी शादी को लेकर चर्चा में रहने वाली कृतिका इन दिनों ओटीटी की वेब सीरीज 'मटका किंग' से खबरों में हैं। इस मुलाकात में वे अपने काम के अलावा अपनी शादी और शादी के बाद होम मैनेजमेंट जैसे मुद्दों पर दिल खोलकर बात करती हैं

कृतिका बताती हैं कि उनके प्यार को शादी की मंजिल तक पहुंचाने में उनके बीच की दोस्ती का बड़ा हाथ रहा। वे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि दो पार्टनर के बीच दोस्ती एक ऐसी चीज है, जो दोनों के रिश्ते को सरल बनाती है। वो हमारे बीच शुरू से ही थी। उसके अलावा हम दोनों ही एक-दूसरे की निजता की इज्जत करते हैं। हमारे काम की, हमारे सफर की। मेरी तरह गौरव भी मुंबई से नहीं हैं। हम दोनों ही बाहर से आए और हमने अपनी जगह बनाई, तो हम एक-दूसरे से रिलेट कर पाते हैं। गौरव और मैंने दोनों ने यंग एज से काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने जिस इज्जत और मेहनत से अपना मुकाम बनाया है, मैं उसकी बहुत कद्र करती हूं। मुझे पता है कि आपको किस तरह से अपने वैल्यूज को बरकरार रखते हुए समझौते भी करने होते हैं। हम अपने वर्क एथिक्स पर बहुत ध्यान देते हैं। हम दोनों ही बहुत सारी चीजें साथ में करना पसंद करते हैं, पर अपने-अपने काम को लेकर हम इंडिविजुअल हैं।'

घर का काम मिल-जुलकर करते हैं

अपने होम मैनेजमेंट के बारे में कृतिका कहती हैं, 'हम लोग सालों से मुंबई में अकेले रहते आए हैं, तो घर चलाना गौरव को भी आता है और मुझे भी। अब जैसे मेरी सीरीज के प्रमोशन्स के दौरान गौरव का आईपीएल चल रहा था, तो उनकी शाम की शिफ्ट थी। उस दौरान लंच में क्या होगा, वो देख लेंगे। जो जिस वक्त वे घर पर होते हैं, वे देख लेते हैं और हम मिल-जुलकर काम करते हैं। हम दोनों ही खाना पकाना जानते हैं, ये अलग बात है अभी बनाते नहीं हम। मगर ये सच है कि हमारे रोल ट्रेडिशनली डिफाइन नहीं हैं। अब जैसे मेरी मम्मी भी वर्किंग वुमन थीं और उन्हें घर और ऑफिस के दोनों काम करने पड़ते थे। मगर मैं घर का खयाल उन दिनों रखती हूं, जिन दिनों मैं घर पर होती हूं। घर चलाना मेरी अकेले की जिम्मेदारी नहीं है।

जब दिल और दिमाग ने कहा, तब शादी की

कृतिका और गौरव लंबे समय से एक-दूसरे को जानते थे। फिर बात शादी तक कैसे पहुंची? इस सवाल पर वे कहती हैं, 'मुझे मैरिज इंस्टिट्यूशन पर हमेशा से बहुत गहरा विश्वास रहा है और मैंने इसे कभी हलके में नहीं लिया। चूंकि मैं शादी की अहमियत को समझती हूं, तो मुझे हमेशा से लगा था कि मेरा दिल और दिमाग जब दोनों हां बोलेंगे, तो मैं शादी के लिए तैयार समझूंगी खुद को। हर लड़की को इसी तरह से सोचना चाहिए। हम लोग शादी करने के लिए नहीं मिले थे, मगर फिर धीरे-धीरे हम एक-दूसरे को जानने लगे। मैंने गौरव की कई छोटी-छोटी बातें नोट कीं।'

तेज गर्मी में बूफोन लुक चुनौतीपूर्ण

टीवी से ओटीटी की दुनिया में आईं कृतिका कहती हैं, 'टीवी छोड़े हुए मुझे काफी समय हो गया है, मगर मैंने टीवी पर जितना भी काम किया है, यादगार रोल किए। ओटीटी की मेरी जर्नी तांडव से शुरू हुई थी। उसके बाद मुझे कई बड़े और अच्छे डायरेक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला। कई बार ऐसा भी हुआ कि वो उनकी पहली वेब सीरीज थी। जैसे ये नागराज मंजुले



की पहली वेब सीरीज है। मैं बहुत खुश हूं।' अपनी नई सीरीज मटका किंग में कृतिका 60-70 के दशक के लुक में हैं। उनका कहना है कि मेकअप को सेट करने में बहुत वक्त लगता था। बकौल कृतिका, 'इससे पहले कई सीरीज में मैं नो मेकअप लुक में भी रही हूं, पर इस रोल में सिक्टीज के लुक में सजने -संवारने के पूरे मौके थे, तो मजा भी खूब आया, मगर इस लुक के लिए मुझे सेट पर दो घंटे पहले आना पड़ता था। मुझे याद है कि हम रेसकोर्स का सीन शूट कर रहे थे, जिसमें मेरा हेयरस्टाइल बूफोन लुक था। उस लुक में सिर पर एक पफ बनाना पड़ता है। उस पर मैंने हैट भी पहनी थी और हाथों में ग्लव्ज भी। पीक गर्मी में इस लुक के साथ शूट करना बहुत ही चनौतीपर्ण था।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका का मानना, समुद्री नाकेबंदी से ईरान को हुआ 456 अरब रुपए का नुकसान : रिपोर्ट

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी की समुद्री नाकाबंदी के कारण ईरान को तेल राजस्व में लगभग 4.8 अरब डॉलर (456 अरब रुपए) का नुकसान हुआ है। एक्सियोस के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है। रिपोर्ट में बताया गया है कि नाकेबंदी के दौरान दो टैंकर जब्त किए गए। इसके अलावा, अधिकारियों ने दावा किया कि लगभग 53 मिलियन बैरल तेल ले जा रहे 31 टैंकर इस समय 'खाड़ी में फंसे हुए हैं,' जिससे ईरान के तेल निर्यात में आई भारी गिरावट का अंदाजा लगाया जा सकता है। कथित तौर पर इसी वजह से उसे 4.8 अरब डॉलर (करीब 45,600 करोड़ रुपए) का नुकसान झेलना पड़ रहा है। ईरान के समुद्र में अमेरिकी नाकाबंदी पूरी ताकत से लागू है, जिससे ईरान की फंडिंग क्षमता को बड़ा झटका लगा है। इन्हीं अधिकारियों के अनुसार, कुछ जहाज अब 'अमेरिकी नाकेबंदी के डर से चीन को तेल पहुंचाने के लिए एक महंगा और लंबा रास्ता चुन रहे हैं,' जिससे पता चलता है कि अमेरिकी सेना की सख्त कार्रवाई के डर से जहाजों के आने-जाने के तरीकों में बदलाव आया है। यह नाकेबंदी अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों पर एक अस्थायी संघर्षविराम के दौरान लगाई थी। इसका मकसद ईरान पर दबाव डालना था ताकि वह पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुए उस युद्धविराम को मान ले, जिससे इजरायल, अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष हमेशा के लिए खत्म हो जाए। ईरान ने पिछले महीने कहा था कि इजरायल और लेबनान में सशस्त्र समूह हिज्बुल्लाह के बीच 10 दिन के संघर्ष विराम की घोषणा के बाद होर्मुज को व्यापारिक जहाजों के लिए पूरी तरह से फिर से खोल दिया है। हालांकि, बाद में इस जलमार्ग पर फिर से पाबंदी लगा दी गई, जब अमेरिका ने अपनी नाकेबंदी हटाने से इनकार कर दिया। अमेरिका का कहना था कि जब तक ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए कोई पक्का समझौता नहीं हो जाता, तब तक ये पाबंदियां जारी रहेंगी। अमेरिका की समुद्री नाकाबंदी से ईरान को करीब 4.8 अरब डॉलर यानी लगभग 456 अरब रुपये (करीब 45,600 करोड़ रुपये) के तेल राजस्व का नुकसान हुआ है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है।

क्यूबा ने नए अमेरिकी प्रतिबंधों को 'एकतरफा दबाव' की कार्रवाई बताया

हवाना , एजेंसी। क्यूबा ने अमेरिका द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें 'एकतरफा दबाव डालने की कार्रवाई' बताया और कहा है कि ये कदम क्यूबा की जनता को सामूहिक रूप से सजा देने की कोशिश हैं। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिग्ज ने सोशल मीडिया पर कहा, 'हम अमेरिकी सरकार द्वारा अपनाए गए इन एकतरफा दबावकारी तरीकों को पूरी तरह खारिज करते हैं।' उन्होंने कहा कि ये कदम क्यूबा के लोगों के खिलाफ सामूहिक दंड की मंशा को दर्शाते हैं। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने रोड्रिग्ज के हवाले से बताया कि इन प्रतिबंधों की घोषणा इंटरनेशनल वर्कर्स डे के दिन की गई, जब क्यूबा के लाखों नागरिक सड़कों पर उतरकर अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोध कर रहे थे। रोड्रिग्ज ने कहा कि ये कदम अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ हैं और संयुक्त राष्ट्र के चार्टर का उल्लंघन करते हैं। उनके अनुसार, अमेरिका को क्यूबा या किसी तीसरे देश पर ऐसे प्रतिबंध लगाने का अधिकार नहीं है। यह प्रतिक्रिया तब आई जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस आदेश के तहत अमेरिका में मौजूद या अमेरिकी नियंत्रण में आने वाली उन व्यक्तियों और संस्थाओं की संपत्तियां फ्रीज कर दी जाएंगी। ये सब क्यूबा की अर्थव्यवस्था के ऊर्जा, रक्षा, धातु व खनन, वित्तीय सेवाओं या सुरक्षा जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं। इसके अलावा, आदेश का उद्देश्य क्यूबा की वैश्विक बैंकिंग प्रणाली तक पहुंच को सीमित करना भी है। इसमें उन विदेशी बैंकों और वित्तीय संस्थानों पर भी कार्रवाई का प्रावधान है, जो क्यूबा से जुड़े पहले से प्रतिबंधित व्यक्तियों या संस्थाओं के साथ लेनदेन करते हैं।

सीरिया में शिया धर्मगुरु की हत्या

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया की राजधानी दमिश्क के पास शुक्रवार को हमलावरों ने एक शिया धर्मगुरु की हत्या कर दी। हमलावरों ने उनकी कार में ग्रेनेड फेंका, जिससे उनकी मौत हो गई। मारे गए धर्मगुरु का नाम फरहान अल-मंसूर था। वह दमिश्क के बाहरी इलाके सैयदा जैनब में स्थित एक प्रसिद्ध शिया दरगाह के मुख्य उपदेशक थे। सरकारी समाचार एजेंसी 'साना' और सरकारी टीवी के अनुसार, इस हमले के पीछे किसका हाथ है, यह अभी साफ नहीं हो पाया है। घटना के बाद दमिश्क के दक्षिणी उपनगरों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा बलों ने संदिग्धों को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी है। सैयदा जैनब इलाका साल 2011 में शुरू हुए सीरियाई संघर्ष के दौरान भीषण झड़पों का केंद्र रहा है। यहां पैगंबर मोहम्मद की पोती की दरगाह है, जिन्हें शिया मुसलमान धैर्य और साहस का प्रतीक मानते हैं। दिसंबर 2024 में बशर असद की सरकार गिरने के बाद से यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भारी कमी आई है।

ईरान में ऑर्डनेंस क्लियरेंस के दौरान बड़ा हादसा... आईआरजीसी के 14 जवानों की मौत, 2 घायल



तेहरान, एजेंसी। ताजा ख़बरों के अनुसार ईरान में एक बेहद दर्दनाक हादसा हुआ है जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। ईरान के जंजान प्रांत में ऑर्डनेंस क्लियरेंस मिशन के दौरान एक भयानक विस्फोट होने से इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के 14 जवानों की मौत हो गई और 2 अन्य सैनिक घायल हो गये हैं। यह हादसा उस दौरान हुआ जब जवान न फटे हुए पुराने बम और गोला बारूद को जमीन से सुरक्षित निकलने का काम कर रहे थे। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब ईरान और अमेरिका युद्ध शांत करने के लिए शांति वार्ता पर बातचीत कर रहे हैं। समाचार एजेंसियों के अनुसार करीब 12000 हेक्टेयर खेती की जमीद पर बिखरे हुए न फटे बमों का भारी खतरा मंडरा रहा है। इस हादसे के बाद आईआरजीसी ने अमेरिका पर बाधा डालने की नीति का बहुत गंभीर आरोप लगाया है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान से नए बातचीत प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया और बातचीत को उलझा दिया है।

ईरान के जंजान प्रांत में एक भयावह हादसा हुआ है जिसमें इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के 14 जवान मारे गये हैं और 3 घायल हैं। खेती वाली जमीन पर पड़े और दबे हुए युद्ध के हथियारों की सफाई के दौरान एक बम फट गया जिसके कारण यह हादसा हुआ है। यह टीम खेती लायक जमीन को सुरक्षित और साफ कर रही थी तभी हुए विस्फोट ने हलचल मचा दी।

अमेरिका पर बड़े आयोप : हादसे के बाद आईआरजीसीने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अमेरिका की नीतियों पर सीधा और बड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की सरकार अब दुनिया की ऊर्जा पर काबू रखने की जगह बाधा डालने का काम कर रही है। अमेरिका की होर्मुज की नाकेबंदी चीन, रूस और यूरोप को रोकने की बड़ी योजना के तहत थी लेकिन यह योजना नाकाम हो गई है।

ईरान नेतृत्व में बिखराव का माहौल : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इरान के अंदरूनी हालात पर बात करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बहुत ज्यादा बिखराव मौजूद है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में कई गुट हैं नेताओं के जो देश को अलग तरीके से चलाना चाहते हैं। ये अलग-अलग दिशाओं में देश को खींच रहे हैं। इस बिखराव के कारण समझौता सम्भव नही हो पा रहा है।

रूसी विदेश मंत्री लावरोव से मिले अराघची, होर्मुज स्ट्रेट और परमाणु मुद्दे पर हुई गहन चर्चा : रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के साथ फोन पर बातचीत की, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) में नौवहन स्वतंत्रता और ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। यह जानकारी रूसी विदेश मंत्रालय ने दी। मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में शत्रुता की पूर्ण समाप्ति, सैन्य और राजनीतिक स्थिति को स्थिर करने तथा क्षेत्र में शांति बहाली की संभावनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। रूस ने जारी मध्यस्थता प्रयासों के प्रति अपना समर्थन दोहराया और क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति स्थापित करने के लिए कूटनीतिक प्रक्रिया में सहयोग की प्रतिबद्धता जताई। वार्ता के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य से रूसी जहाजों और कार्गो के सुरक्षित आवागमन का मुद्दा भी उठाया गया, जिसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे पहले 27 अप्रैल को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में ईरानी विदेश मंत्री अराघची से मुलाकात की थी। इस बैठक में रूस-ईरान द्विपक्षीय सहयोग और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई। रूसी पक्ष से इस बैठक में विदेश मंत्री लावरोव, राष्ट्रपति के सहयोगी यूरी उशाकोव और रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के मुख्य खुफिया निदेशालय के प्रमुख इगोर कोस्त्युकोव मौजूद थे। वहीं ईरानी प्रतिनिधिमंडल में उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी और रूस में ईरान के राजदूत काजेम जलाली शामिल थे। बैठक के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि मास्को ईरान के साथ रणनीतिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और पश्चिम एशिया में जल्द शांति स्थापित करने के प्रयासों में सहयोग करेगा। रूसी मीडिया के अनुसार, पुतिन ने यह भी उम्मीद जताई कि ईरान मौजूदा चुनौतियों से उबरकर स्थिरता और शांति की दिशा में आगे बढ़ेगा। पुतिन ने कहा, हम हर वह प्रयास करेंगे जो आपके और क्षेत्र के सभी लोगों के हित में हो, ताकि जल्द से जल्द शांति स्थापित की जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई का संदेश प्राप्त हुआ है, जिसका उल्लेख उन्होंने बातचीत की शुरुआत में किया।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी की स्टार प्रणाली का कमाल: बांझ पुरुषों के लिए नई उम्मीद, एआई तकनीक ने खोजे छिपे शुक्राणु



बोगोटा, एजेंसी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित एक नई तकनीक ने उन पुरुषों के लिए उम्मीद की किरण जगा दी है जिन्हें बांझ घोषित कर दिया गया था। अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी की स्पर्म ट्रैक एंड रिकवरी (स्टार) प्रणाली ऐसे मामलों में भी शुक्राणु खोज पा रही है, जहां पारंपरिक जांच में एक भी शुक्राणु नहीं मिलता। इस तकनीक की मदद से कई दंपतियों को वर्षों बाद माता-पिता बनने का सुख मिला है। बीबीसी के अनुसार अमेरिका के न्यू जर्सी की एक महिला, जिन्हें रिपोर्ट में पेनेलोप नाम से संबोधित किया गया है, नवंबर 2025 में तब भावुक हो गई जब डॉक्टर ने उन्हें गर्भवती होने की खबर दी। करीब ढाई साल की असफल कोशिशों के बाद यह संभव हो सका। रिपोर्ट के अनुसार उनके पति को क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम नाम की आनुवंशिक बीमारी थी, जिसमें पुरुषों में अतिरिक्त एक्स क्रोमोसोम होता है और आमतौर पर शुक्राणु बनना बेहद कम या शून्य होता है। डॉक्टरों ने पहले ही साफ कर दिया था कि उनके पति के जैविक पिता बनने की संभावना लगभग नहीं के बराबर है। लेकिन स्टार तकनीक ने उनके नमूने में छिपे कुछ शुक्राणु खोज निकाले, जिनकी मदद से इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) यानी शरीर के बाहर निषेचन की प्रक्रिया सफल हुई। स्टार प्रणाली एआई और मशीन लर्निंग का उपयोग करके बेहद दुर्लभ शुक्राणुओं को पहचानती है।

माइक्रोफ्लूडिक चिप का होता है उपयोग : सामान्यत: एक मिलीलीटर वीर्य में लाखों शुक्राणु होते हैं, लेकिन एजूस्पर्मिया नामक स्थिति में एक भी शुक्राणु मिलना मुश्किल होता है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें पुरुष के वीर्य में शुक्राणु नहीं के बराबर होते हैं। इस तकनीक में माइक्रोफ्लूडिक चिप का उपयोग होता है। यह एक बेहद पतली नलिकाओं वाला उपकरण होता है, जिसमें से नमूना गुजरता है। इसके साथ हाई-स्पीड इमेजिंग सिस्टम प्रति सेकंड सैकड़ों तस्वीरें लेता है और एआई एल्गोरिदम उनमें से शुक्राणु की पहचान करता है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी फर्टिलिटी सेंटर के निदेशक जेव विलियम्स के अनुसार, यह ऐसे है जैसे मलबे के समुद्र में एक बेहद दुर्लभ कण को ढूंढना। एआई यह काम कुछ मिलीसेकंड में कर देता है, जबकि इंसान के लिए यह लगभग असंभव होता है। रिपोर्ट के अनुसार इस तकनीक के उपयोग से पिछले साल पहला बच्चा जन्मा, जो लगभग दो दशक से बांझपन से जूझ रहे एक दंपति के लिए बड़ी सफलता थी। अब तक 175 मरीजों पर किए गए।

जेल में बिगड़ी नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी की तबीयत, अस्पताल में भर्ती; इलाज में लापरवाही के आरोप

तेहरान , एजेंसी। ईरान की जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी की तबीयत अचानक बहुत बिगड़ गई है। इसके बाद उन्हें तुरंत उत्तर-पश्चिमी ईरान के ज़ंजन शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह जानकारी उनके फाउंडेशन ने दी। ईरान की जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को तबीयत अचानक बहुत ज्यादा बिगड़ गई। इसके चलते उन्हें आनन-फानन में उत्तर-पश्चिमी ईरान के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह जानकारी उनके फाउंडेशन ने शुक्रवार को दी। नरगिस मोहम्मदी फाउंडेशन के अनुसार, नोबेल पुरस्कार विजेता को दो बार बेहोशी और दिल से जुड़ी एक गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा। फाउंडेशन ने बताया कि मोहम्मदी शुक्रवार को जंजन शहर की जेल में दो बार बेहोश हो गईं थीं। उनके वकीलों ने मार्च के अंत में उनसे मुलाकात के बाद बताया था कि उन्हें संभवतः दिल का दौरा पड़ा था। उस समय वह कमजोर दिख रही थीं और चलने के लिए नर्स की मदद की ले रही थी।

इलाज में लापरवाही का आरोप : फाउंडेशन ने कहा कि मोहम्मदी की 12 दिसंबर को गिरफ्तारी के बाद से 140 दिनों तक उन्हें सही इलाज नहीं दिया गया। फाउंडेशन के अनुसार, जेल के डॉक्टरों ने पहले ही सलाह दी थी कि नरगिस का इलाज जेल में नहीं किया जा सकता है। डॉक्टरों ने उनका इलाज तेहरान में विशेषज्ञ टीम से करवाने को कहा था।

परिवार कई बार कर चुका था अच्छे इलाज की मांग : मोहम्मदी के परिवार ने हफ्तों से उन्हें अच्छा इलाज देने के लिए अस्पताल भेजने की वकालत की थी। फाउंडेशन ने परिवार के हवाले से कहा कि शुक्रवार को जंजन के एक अस्पताल में उनको भर्ती कराया जाना बहुत देरी से लिया गया फैसला और आखिरी समय में उठाया गया कदम लग रहा है।

पहले भी बिगड़ चुकी थी तबीयत : 24 मार्च को मोहम्मदी के साथी कैदियों ने उन्हें बेहोश पाया था। उन्होंने अपने वकीलों से कुछ दिनों बाद हुई मुलाकात में ये बताया था। जेल के क्लिनिक में बाद की जांच में एक डॉक्टर ने उन्हें बताया कि उन्हें शायद दिल का दौरा पड़ा था। तब से उन्हें सीने में दर्द और सांस लेने में कठिनाई हो रही थी।

'बाहर निकलो, कितनी झूठी हो': ट्रंप ने इल्हान पर की विवादित टिप्पणी, सांसद ने भी राष्ट्रपति को बता दिया अपराधी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद इल्हान उमर के बीच एक बार फिर तीखी जुबानी जंग शुरू हो गई। फ्लोरिडा के 'द विलेज' इलाके में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने उमर पर बेहद कड़े शब्दों में हमला किया।



उन्होंने इल्हान उमर को 'ढोंगी' कहा और उनके मूल देश सोमालिया को लेकर कई गंभीर बातें कहीं। इसके बाद इल्हान उमर ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति ट्रंप को करारा जवाब दिया है। दोनों नेताओं के बीच यह विवाद अब काफी चर्चा में आ गया है।

इल्हान उमर ने ट्रंप के आरोपों का क्या जवाब दिया : इल्हान उमर ने ट्रंप के इन विवादित बयानों को पूरी तरह से खारिज कर दिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कड़ा जवाब दिया। उमर ने ट्रंप के बयानों को बेतुका बताया और कहा कि अगर यह किसी अपराधी की तरफ से नहीं आया होता, तो उन्हें सच में बहुत गुस्सा आता। सांसद उमर ने देश की जनता को याद दिलाया कि मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप 34 गंभीर मामलों में दोषी साबित हो चुके हैं। उमर ने ट्रंप पर लगे दुष्कर्म के आरोपों और अन्य गंभीर कानूनी मामलों का भी अपने पोस्ट में जिक्र किया। उमर ने हैरान होते हुए लिखा कि उन्हें यह समझ नहीं आता कि कोई इंसान अपनी इतनी बेइज्जती खुशी-खुशी कैसे करा सकता है। उमर ने ट्रंप की पार्टी पर तंज कसते हुए उन्हें अपनी कमियां छिपाने के लिए नया बहाना ढूंढने की सलाह दी है। क्या दोनों नेताओं के बीच पहले भी ऐसा विवाद हो चुका है? यह कोई पहला मौका नहीं है जब इन दोनों बड़े नेताओं के बीच इस तरह की जुबानी जंग और बहस देखने को मिली है। इससे पहले सितंबर 2025 में भी इल्हान उमर ने मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप पर बहुत ही तीखा और सीधा हमला किया था। उस वक्त उमर ने ट्रंप को 'झूठा और मूर्ख इंसान' बताया था, क्योंकि ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने उमर को वापस भेजने के लिए सोमालिया के राष्ट्रपति से फोन पर बात की है। इल्हान उमर ने तब देश के लोगों से कहा था कि किसी को भी ट्रंप जैसी शर्मनाक बातें करने वाले इंसान को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। आपको बता दें कि उमर हमेशा से ट्रंप की इमिग्रेशन (प्रवासन) नीतियों की बहुत बड़ी आलोचक रही हैं और अक्सर उनका विरोध करती हैं। सोमालिया को लेकर ट्रंप ने अपनी पोस्ट में क्या दावे किए? ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' नाम के अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी इल्हान उमर और उनके मूल देश सोमालिया की कड़ी आलोचना की। उन्होंने लिखा कि सोमालिया में सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है और वहां दशकों से गृह युद्ध चल रहा है।

ट्रंप ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि सोमालिया आतंकवाद, समुद्री डकैती, गरीबी, भुखमरी और बहुत ज्यादा भ्रष्टाचार से जूझ रहा है। ट्रंप के मुताबिक, सोमालिया की 70 प्रतिशत आबादी आज भी बेहद गरीबी में जी रही है और वहां की सरकार पूरी तरह से बेकार है। ट्रंप ने कहा कि ऐसी खराब जगह से आने वाली महिला अब अमेरिका को बता रही है कि हमें क्या करना चाहिए और कैसे करना चाहिए। अंत में ट्रंप ने उमर के लिए बेहद अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और उन पर नागरिकता पाने के लिए भाई से शादी करने का आरोप फिर से दोहराया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ताश के पत्ते लिए तस्वीर की पोस्ट, लिखा- खेल मेरे हाथ में

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को एक ऐसी तस्वीर पोस्ट की जो उनके बेबाक अंदाज को जाहिर करती है। उनके हाथ में ताश के पत्ते हैं जिसका मैसेज उनके इरादों का संकेत देता है। ट्रंप ने शनिवार को एक के बाद एक कई पोस्ट्स की। इनमें कुछ तस्वीरें हैं, जिनमें अमेरिका के पुराने और अब नए दिनों की झलक है। ट्रंप बताना चाहते हैं कि अमेरिका का वर्तमान गुजरे वक्त से ज्यादा बेहतरीन है। उन्होंने दो तस्वीरों के कोलाज के साथ लिखा, 'ट्रंप के आने से पहले और बाद का अमेरिका।' इसमें लिंकन मेमोरियल के पूल की तस्वीर है। जिसमें ओबामा दौर में गंदगी तो ट्रंप दौर में सफाई का दावा किया गया है। इसके अलावा, माउंट रशमोर की तस्वीर पोस्ट की है। पहले भी वो ऐसा कर चुके हैं। माउंट रशमोर के प्रति डोनाल्ड ट्रंप का



लगाव जगजाहिर है। कई मौकों पर वो साउथ डकोटा के ब्लैक हिल्स में स्थित इस ऐतिहासिक मूर्ति का हिस्सा बनने की अपनी मंशा और इच्छा जाहिर कर चुके हैं; इस मूर्ति में उनके चार पूर्ववर्तियों-जॉर्ज वॉशिंगटन, थॉमस जेफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन-के चेहरे उकेरे गए हैं।

इन सबमें से सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली तस्वीर वो है जिसमें ट्रंप हाथ में ताश के पत्ते लिए खड़े हैं। 6 पत्ते हैं, जिनमें से हरेक पर 'वाइल्ड' लिखा हुआ है। इसके साथ ही कैप्शन के जरिए ये बताने की कोशिश की जा रही है कि राष्ट्रपति ट्रंप की स्थिति मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, 'आई हैव ऑल द कार्ड्स,' यानी कि वे मजबूत हालत में हैं और खेल उनके हाथ में है।

पूरी दुनिया ईरान संघर्ष के स्थाई समाधान को लेकर चिंतित है। ट्रंप की ओर सबकी निगाहें हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति भी लगातार कह रहे हैं कि शांति के इच्छुक हैं लेकिन सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी अभी खुला है। वहीं नाटो से नाराजगी का इजहार भी वो करते रहे हैं। आरोप लगाते रहे हैं कि ईरान संघर्ष में इन देशों ने उनकी मदद नहीं की।

इस बीच जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की अमेरिका के हमले को लेकर की गई टिप्पणी भी ट्रंप को खल गई है। इसके बाद ही अमेरिकी मीडिया के हवाले से कहा जा रहा है कि जर्मनी से अमेरिका की सैन्य टुकड़ियों को हटाया जाने की योजना बनाई जा रही है।

ईरान युद्ध विवाद पर ट्रंप का नाटो को बड़ा झटका! जर्मनी से बुलाएंगे 5000 सैनिक वापस



लंदन, एजेंसी। ताजा जानकारी के अनुसार अमेरिका ने यूरोप में नाटो को एक बहुत बड़ा झटका दिया है। अमेरिका ने शुक्रवार को अधिकारिक तौर पर यह घोषणा की है कि वह अपने सहयोगी देश जर्मनी से 5000 सैनिक वापस बुला रहा है। यह चौकाने वाला कदम उस समय उठाया गया है जब राष्ट्रपति ट्रम्प और जर्मन चांसलर की टिप्पड़ी से यूरोप से विरोध गहरा गया। पेंटागन ने यह कदम ट्रंप और जर्मन चांसलर के बीच हुई बहस के बाद उठाया है। इस पूरे विवाह की प्रमुख वजह राष्ट्रपति ट्रंप की इरान युद्ध को लेकर जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से हुई एक तीखी बहस है। इस बहस के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्त रुख अपनाते हुए सैनिकों की संख्या में कटौती करने की धमकी दी थी। अमेरिका का यह फैसला यूरोप और नाटो देशों के लिए बहुत ही सख्त कूटनीतिक और कड़ा संदेश है। पेंटागन के इस कदम से यूरोप में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

ट्रंप और फ्रेडरिक मर्ज की बहस का कारण : जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने सोमवार को ईरान युद्ध पर विवादित टिप्पड़ी की थी। उन्होंने कहा था कि दो महीनों से चल रहे युद्ध को खत्म करने की बातचीत में ईरान अमेरिका को अपमानित कर रहा है। इसके जवाब में ट्रंप ने तीखे लहजे में कहा कि मर्ज को रूस और युक्रेन युद्ध को समाप्त करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्हें अपने देश को ठीक करने पर ध्यान देना चाहिए। ईरान युद्ध पर उन्हें अपना टाइम वेस्ट नहीं करना चाहिए।

पेंटागन का आधिकारिक बयान : पेंटागन के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जर्मनी की हालिया बयानबाजी बहुत ही अनुचित थी। उन्होंने यह भी कहा कि नाटो देशों से सेना हटाकर राष्ट्रपति इन टिप्पड़ियों का बिलकुल सही जवाब दे रहे हैं। सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया 6 से 12 महीनों में पूरी हो जाएगी। पेंटागन की इस कटौती से यूरोप में अमेरिकी सैनिकों का स्तर 2022 से पहले के स्तर पर आ जाएगा। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद उस समय के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूरोप में सैनिकों की संख्या बढाई थी। लेकिन अब अमेरिका उन फैसलों को पलट रहा है।

बता दें कि यूरोप में अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा है और जर्मनी नाटो का एक अहम सदस्य है। यहां अभी लगभग 35000 सैनिक तैनात हैं। यहां एक अहम ट्रेनिंग हब भी है। पिछले कुछ महीनों से जर्मनी और नाटो ट्रम्प के निशाने पर जोरो से हैं। ट्रंप ने ईरान युद्ध में हार्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए अपनी नौसेना न भेजने पर यूरोपीय सहयोगियों और नाटो की कड़ी आलोचना की थी।

पाकिस्तान के बन्नू में पुलिस वैन पर रॉकेट हमला, 1 कांस्टेबल की मौत, 2 घायल; सीमावर्ती इलाकों में बढ़ा खौफ

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत प्रांतों में सुरक्षा बलों पर हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू शहर में एक बड़ी आतंकी घटना हुई है जहां सशस्त्र हमलावरों ने पुलिस के एक वाहन को रॉकेट से निशाना बनाया। इस भीषण हमले में एक पुलिस कांस्टेबल की जान चली गई है जबकि दो अन्य जवान गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

रॉकेट हमले के बाद मची अफरा-तफरी : यह घटना बन्नू के कंगर जान बहादुर इलाके में उस समय हुई जब पुलिसकर्मी फतेह खेल चेकपॉइंट से अपनी ड्यूटी पूरी कर वापस लौट रहे थे। बन्नू के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) यासिर अफरीदी के अनुसार, हमलावरों ने पुलिस की गाड़ी पर सीधे रॉकेट दागे जिसके बाद चारों ओर धमाकों और गोलीबारी की आवाजें गूंजने लगीं। इस हमले में कांस्टेबल (ड्राइवर) रजा अली शाह की मौके पर ही मौत हो गई। हमले में घायल हुए दो अन्य पुलिसकर्मियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है जहां उनका इलाज जारी है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन ने एहतियात के तौर पर मिरयान रोड पर यातायात पूरी तरह से बंद कर दिया है।

सघन तलाशी अभियान : हमले की सूचना मिलते ही अतिरिक्त सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। हमलावर रॉकेट दागने के बाद मौके से फरार होने में सफल रहे। जिनकी तलाश में सुरक्षा बलों द्वारा सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। डीपीओ यासिर



अफरीदी ने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

सीमावर्ती प्रांतों में बढ़ती हिंसा की लहर : यह हमला पाकिस्तान के सीमावर्ती प्रांतों, विशेष रूप से बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों की एक कड़ी है। इसी सप्ताह की शुरुआत में बलूचिस्तान के पिशिन जिले के हुरमजई इलाके में भी एक चेकपोस्ट को निशाना बनाया गया जिसमें एक पुलिस हेड कांस्टेबल की मौत हो गई थी।

हालिया हमलों का खौफनाक रिकॉर्ड : पाकिस्तान में सुरक्षाकर्मियों पर हमलों के आंकड़े की अगर हम बात करें तो ये बहुत ही डराने वाले हैं। अभी हाल ही में 19 अप्रैल को खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम गढ़ी में बाजार में खरीदारी कर रहे दो फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी जवानों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसके पहले 18 मार्च को ऊपरी दीर के मनो बंडा इलाके में एलीट फोर्स के एक ASI को उनके घर के बाहर अज्ञात हमलावरों ने मौत के घाट उतार दिया था। लगातार हो रहे इन हमलों ने पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय मीडिया और आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की इन घटनाओं में हाल के दिनों में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.